शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 01 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 16 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-1

राष्ट्रीय शोक के बीच कांग्रेस नेता की ओछी हरकत सामने आई

हैप्पी न्यू ईयर पार्टी मनाने राहुल गांधी भागे विदेश

शोक के बजाय शौक शहजादे के लिए अधिक जरूरी

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के शहजादे राहुल गांधी के भीतर अचानक मनमोहन प्रेम उमड़ पड़ा। जोकर कहे जाने से लेकर बिल फाड़ने तक की अपमान-यात्रा से डॉ. मनमोहन सिंह का गुजरना कांग्रेसियों को याद नहीं रहा। चाटुकारों की पार्टी से लोकतांत्रिक प्रतिक्रिया की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। मनमोहन सिंह के निधन के बाद जिस तरह अंतिम संस्कार और स्मारक को लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी ने ओछी राजनीति की, उसे पूरे देश ने देखा। राहुल गांधी की ओछी हरकतों की एक और बानगी राष्ट्रीय शोक के समय दिखी, जब राहुल गांधी को शोक बनाने के बजाय विदेश में हैप्पी न्यू ईयर मनाने की अय्याशी का शौक याद रहा। भारतीय लोकतंत्र का यह दुर्भाग्यशाली दौर है जब संसद का नेता प्रतिपक्ष इतना हल्का-फुल्का, सतही और संवेदनहीन हो।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन के बाद देश भर में शोक की लहर है। देश 7 दिन का राष्ट्रीय शोक मना रहा है। राष्ट्रीय शोक के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की चिता की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी नए साल की पार्टी मनाने वियतनाम पहुंच गए। कभी मनमोहन सिंह के अध्यादेश की प्रति फाड़ने वाले राहुल गांधी अपनी पार्टी के नेता का भी सम्मान नहीं कर विंटर वकेशन मनाने विदेश यात्रा पर चले गए। इससे लोगों में काफी गुस्सा है। लोग कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के बेटे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की थू-थू कर रहे हैं। राष्ट्रीय शोक के समय न्यू ईयर पार्टी मनाने के लिए राहुल गांधी का विदेश चले जाना निंदनीय है और उनकी इस हरकत से पार्टी की देशभर में किरकिरी हो रही है। लोग सोशल मीडिया पर राहुल गांधी को जमकर लताड़ लगा रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब पूरा देश पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, तब राहुल गांधी नए साल का जश्न मनाने विदेश गए हैं। यह साबित करता है कि कांग्रेस को डॉ. मनमोहन सिंह की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने उनके जीवनकाल में भी उनका अपमान किया। अब भी कर रहे हैं। कल कोई भी उनकी अस्थियां लेने नहीं गया। कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह को भारत रत्न देने से भी इन्कार कर दिया था। यही उनका असली चेहरा है।

शुभ-लाभ वेदना

पूनावाला ने राहुल गांधी को पर्यटन का नेता बताया और कहा राहुल गांधी ने लीडर ऑफ ओपोजिशन का मतलब बदलकर लीडर ऑफ पर्यटन कर लिया है। जब देश पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर दुखी है, राहुल गांधी पर्यटन और पार्टी के लिए विदेश रवाना हो गए। राहुल गांधी और पार्टी और विदेशी पर्यटन कोई नई बात नहीं है। जब मुंबई में 26/11 का हमला हुआ था, तब भी राहुल गांधी पूरी रात पार्टी कर रहे थे। उन्हें डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की कोई चिंता नहीं है। उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर केवल सियासत करनी है।

भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, जब देश प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, राहुल गांधी नए साल का जश्न मनाने वियतनाम गए हैं। राहुल गांधी ने अपनी राजनीति के लिए डॉ. सिंह के निधन का राजनीतिकरण और शोषण किया, लेकिन उनके प्रति उनकी अवमानना की अनदेखी नहीं की जा सकती।

गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी सिखों से नफरत करती है। यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि इंदिरा गांधी ने दरबार साहिब को अपवित्र किया था।

अपने बचाव के लिए कानून को बना रहे हैं ढाल

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत ईडी जब किसी के खिलाफ कार्रवाई करता है या किसी को गिरफ्तार करता है, तो वह अदालत में चला जाता है। 2022 तक धन शोधन के 200 से अधिक मामले अदालतों में लंबित थे। कई गंभीर मामलों में अदालतों द्वारा अंतरिम रोक लगाने के कारण जांच प्रभावित हुई है। कुछ याचिकाएं तो ऐसी है, जिनमें पीएमएलए के कुछ प्रावधानों की वैधता को ही चुनौती दी गई है।

यह बात सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सर्वोच्च न्यायालय में कही थी। 23 फरवरी, 2022 को उन्होंने केंद्र की ओर से शीर्ष अदालत को बताया था कि 2002 में धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) लागू होने के बाद से ईडी ने 4,700 मामलों की जांच की। ऐसे मामलों में अदालतों द्वारा पारित अंतरिम आदेशों द्वारा कवर की गई कुल राशि लगभग 67,000 करोड़ रुपए है। लेकिन 20 वर्ष में केवल 313 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसका कारण है जबरदस्त सांविधिक सुरक्षा।

उन्होंने कहा था कि ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, हांगकांग, बेल्जियम और रूस जैसे देशों में धन शोधन अधिनियम के तहत सालाना दर्ज मामलों की तुलना में भारत में पीएमएलए के तहत जांच के लिए बहुत कम दर्ज किए जा रहे हैं। ▶12 पर

2,664 कंपनियों पर 1.96 लाख करोड़ की देनदारी

बैंकों ने बट्टे-खाते में डाले 12.3 लाख करोड़

विदेश भागे धनपशुओं को वापस लाने की हो रही कार्रवाई

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार बैंकों के अरबों रुपए लेकर विदेश भागने वाले उन उद्योगपतियों और कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है, जिन पर बैंकों के लाखों करोड़ों रुपए बकाया हैं। इनमें विजय माल्या, नीरव मोदी, मेहुल चोकसी, नितिन-चेतन संदेसरा, जतिन मेहता, ललित मोदी जैसे भगोड़े आर्थिक अपराधी शामिल हैं। सरकार ने कई भगोड़ों के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किए हैं। नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे कई भगोड़ों को वापस भारत लाने की प्रक्रिया तो पहले ही शुरू हो चुकी है, जबकि कई फरार धनपशुओं प्रत्यर्पित कर वापस लाया जा चुका है। सभी भगोड़े संयुक्त अरब अमीरात, इंग्लैंड, बेल्जियम, अमेरिका जैसे देशों में छिपे हुए हैं।

गत दिनों भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जान-बूझकर कर्ज नहीं चुकाने वालों की सूची जारी की है, जिनमें 2,664 कंपनियों के नाम हैं। इन्होंने बैंकों से कर्ज तो लिया, लेकिन चुकाया नहीं। इन पर 1.96 लाख करोड़ रुपए की देनदारी है। भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी की कंपनी गीतांजलि जेम्स लिमिटेड पर बैंकों के सर्वाधिक 8,516 करोड़ रुपए बकाया हैं। आरबीआई के अनुसार, मार्च 2020 तक लोन नहीं चुकाने वाली कंपनियों की संख्या 2,154 थी, जिसमें मार्च 2024 में 510 और कंपनियां जुड़ गईं। आरबीआई ने बैंकों से स्पष्ट कहा है कि वे कर्ज नहीं चुकाने वालों को विलफुल डिफॉल्टर घोषित करने में देरी न करें।

देश के शीर्ष डिफॉल्टर

कंपनी	बकाया
गीतांजलि जेम्स लि.	8,516
एबीजी शिपयार्ड लि.	4,684
कॉनकास्ट स्टील एंड पावर	4,305
एरा इन्फ्रा इंजीनियरिंग	3,637
आरईआई एग्रो	3,350
विनसम डायमंड्स एंड ज्वेलरी	2,927
ट्रास्ट्रॉय (इंडिया)	2,919
रोटोमैक ग्लोबल	2,894
जूम डेवलपर्स	2,217
यूनिटी इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स	1,987

* राशि (करोड़ रुपये में)

किससे कितनी वसूली

डिफॉल्टर	वसूली गई रकम
विजय माल्या	14,131.60
नीरव मोदी	1,052.58
मेहुल चोकसी व अन्य	2,565.90
एनएसईएल घपला	17.47
एसआरएस वैली	20.15
रोज वैली ग्रुप	19.40
सूर्या फार्मास्युटिकल्स लि.	185.13
नोहेरा शेख व अन्य	226
नायडू अमृतेश रेड्डी व अन्य	12.73
नफीसा ओवरसीज व अन्य	25.38
भूषण पावर एंड स्टील लि.	4,025

बैंकों का लोन नहीं चुकाने वालों पर 1,96,441 करोड़ बकाया

100 कंपनियों के पास बैंकों का बकाया है 4.02 लाख करोड़

दरअसल, बैंकों ने कर्ज लेने वालों को विलफुल डिफॉल्टोर घोषित करने के लिए याचिका दाखिल कर अतिरिक्त समय मांगा था, लेकिन आरबीआई ने साफ इनकार कर दिया। इससे पहले दिसंबर 2024 में ही आरबीआई ने 6 माह के भीतर जान-बूझकर कर्ज नहीं चुकाने वालों की सूची बनाने को कहा था। साथ ही, डिफॉल्टर्स की सूची भी जारी की थी। इसके अलावा, आरबीआई ने एक सर्कुलर भी जारी किया था, जिसके तहत बैंक विलफुल डिफॉल्टर की फोटो भी प्रकाशित कर सकते हैं।

बीते एक दशक में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में बैंकों को 12 लाख करोड़ रुपए से अधिक का लोन बट्टा खाते में डालना पड़ा है। इसमें सरकारी बैंक सबसे आगे हैं। 2020-2024 के बीच एसबीआई ने सर्वाधिक 1.46 लाख करोड़, पीएनबी ने 82,449 करोड़, यूनियन बैंक ने 82,323 करोड़, बैंक आफ बड़ौदा ने 77,177 करोड़ और बैंक आफ इंडिया ने 45,467 करोड़ रुपए बट्टा खाते में डाले हैं। 2022 तक आईसीआईसीआई बैंक ने 50,514 करोड़ और एचडीएफसी बैंक ने 34,782 करोड़ रुपए बट्टा खाते में डाले थे।

4 वर्ष पहले तक जान-बूझकर लोन नहीं चुकाने वालों पर विभिन्न बैंकों का बकाया 1,52,860 करोड़ रुपए था, जो इस वर्ष बढ़कर 1,96,441 करोड़ रुपए हो गया है। इनमें जहाज निर्माता कंपनी एबीजी शिपयार्ड, कॉनकास्ट स्टील एंड पावर, एरा इन्फ्रा इंजीनियरिंग, आरईआई एग्रो, विनसम डायमंड्स एंड ज्वेलरी, ट्रांस्ट्रॉय, रोटोमैक ग्लोबल, जूम डेवलपर्स और यूनिटी इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। बैंकों का पैसा लेकर विदेश भागने वालों की संख्या 58 थी। इनमें 1 जनवरी, 2015 से 31 दिसंबर, 2019 के बीच 38 आर्थिक अपराधी देश छोड़कर भाग गए। इन्होंने कांग्रेस की अगुआई वाले संप्रग सरकार के कार्यकाल में बैंकों से कर्ज लिया था। लेकिन जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार सत्ता में आई तो जान-बूझकर कर्ज नहीं चुकाने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। लिहाजा, इन्होंने देश छोड़कर भागना ही उचित समझा।

हालांकि, कांग्रेस यह आरोप लगाती रही है कि भाजपा सरकार ने इन्हें भगाया, जबकि सच यह है कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद पर ▶12 पर

एनपीए का लैंडमाइन कांग्रेस की देन है : मोदी

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तब बैंकों की हालत बहुत खराब थी। बैंक गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के बोझ तले दबे हुए थे। इसका अनुमान 20 जुलाई, 2018 को विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्तीव पर प्रधानमंत्री मोदी के जवाब से से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस की करतूतों के कारण 2014 में उनकी सरकार को एनपीए की समस्या एक लैंडमाइन की तरह मिली।

उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव के उत्तर में कहा था, देश में एनपीए की शुरुआत 2008 में कांग्रेस के कार्यकाल में शुरू हुई थी, जो 2014 तक जारी रही। कांग्रेस सरकार ने बड़ी संख्या में सरकारी बैंकों से पार्टी के करीबी लोगों को कर्ज दिए, जिससे देश के समक्ष एनपीए एक बड़ी चुनौती बन गयी। स्वतंत्रता के 60 वर्ष बाद तक बैंकों ने सिर्फ 18 लाख करोड़ रुपए का कर्ज दिए था, लेकिन 2008 से 2014 के बीच यह राशि बढ़ कर 52 लाख करोड़ रुपए हो गई। यानी कांग्रेस सरकार ने मात्र 6 वर्ष में रेवड़ी की तरह दोगुना से अधिक कर्ज बांटे। इस पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि जब देश में इंटरनेट बैंकिंग नहीं था, तब कांग्रेस सरकार ने टेलीफोन बैंकिंग के सहारे इस घोटाले को अंजाम दिया। ▶12 पर

इसरो प्रमुख ने की 100वें प्रक्षेपण की घोषणा

एनवीएस-02 उपग्रह लॉन्च किया जाएगा

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश, 31 दिसंबर (एजेंसियां)।

स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पैडेक्स) की सफल लॉन्चिंग के बाद इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) के प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि जनवरी में एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) पर लॉन्च करने की तैयारी चल रही है। स्पैडेक्स की लॉन्चिंग को मील का पत्थर बताते हुए उन्होंने कहा कि अगले साल 100वें प्रक्षेपण की तैयारी चल रही है। जनवरी में एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) पर लॉन्च किया जाएगा। यह मिशन अगले साल के लिए निर्धारित मिशनों में से एक है।

इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि 29 मई 2023 को जीएसएलवी-एफ12 रॉकेट ने एनवीएस-01 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। एनवीएस-01 उपग्रह में एक स्वदेशी परमाणु घड़ी है, जो नैविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन (एनएवीआईसी) की क्षमताओं को बढ़ाती है। एनवीएस-02 मिशन इस प्रगति को जारी रखने की उम्मीद है, जो उन्नत सुविधाओं के साथ एनएवीआईसी प्रणाली को और मजबूत करेगा। इसरो प्रमुख ने चंद्रयान-4 मिशन के बारे में भी जानकारी दी, ▶12 पर

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा

कश्मीर में शांति से पाकिस्तान के पेट में दर्द

जम्मू, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि कश्मीर में शांति बहाली से पाकिस्तान बेचैन है और उसके पेट में लगातार दर्द हो रहा है। पाकिस्तान लगातार भारत में आतंकियों की घुसपैठ करा रहा। अब उसके पास यही हथियार बच गया है। जम्मू कश्मीर में पुलिस-प्रशासन और सेना में अच्छा तालमेल है। खुफिया एजेंसियां समन्वय से काम कर रही हैं।

पूर्ण राज्य की बहाली के मसले पर उपराज्यपाल ने कहा कि पूर्ण राज्य की बहाली को लेकर कैबिनेट का जो प्रस्ताव था, वह बहुत साधारण था। उसमें कैबिनेट ने मुख्यमंत्री को अधिकृत किया था कि वह पूर्ण राज्य का दर्जा बहाली को लेकर प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भारत सरकार के प्रतिनिधियों से बात करेंगे। पूर्ण राज्य के दर्जे को लेकर गृहमंत्री कह चुके हैं। प्रधानमंत्री भी श्रीनगर की सभा में कह चुके हैं। ऐसे में प्रस्ताव मेरे सामने आया, तो मैंने सिफारिश कर दी।

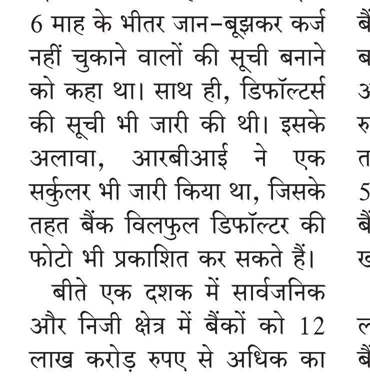

आतंकी वारदात में 70 फीसदी की कमी, आतंकियों का सफाया होगा

नारको टेररिज्म जम्मू कश्मीर क्षेत्र के लिए जरूर नई चुनौती बना है

उप राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में आतंकी वारदात में 70 फीसदी कमी आई है। आतंकियों का सफाया करने में ही नहीं, बल्कि इसके पूरे इकोसिस्टम को समाप्त करने में काफी हद तक सफलता मिली है। आतंकियों का लोकल रिक्रूटमेंट आज की तारीख में सबसे कम है। नारको टेररिज्म जरूर नई चुनौती बना है, पर इसे समाप्त करने में प्रधानमंत्री, विशेष रूप से गृह मंत्री काफी रुचि लेते हैं। इसे लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। आतंकियों के हमले के कारण प्रवासियों के फिर से हो रहे पलायन को लेकर उप राज्यपाल ने कहा कि जिस वक्त हमले हुए, उस वक्त दीपावली भी थी। त्यौहार पर बड़ी संख्या में लोग घर जाते हैं। आतंकी वारदात की वजह से लोग गए, यह कहना ठीक नहीं। सच है कि घटनाएं हुईं, उसका मानसिक प्रभाव भी पड़ता है। पिछले चार-साढ़े चार साल में आतंकी हमलों पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया है। इस वर्ष कुछ घटनाएं हुई हैं, पर समग्रता में देखें, तो वर्ष दर वर्ष आतंकी वारदात में कमी आई है। ▶12 पर

डिजी यात्रा के डेटा से टैक्स चोरी पता करेगी सरकार

मंत्रालय ने कहा, डेटा तक सरकार की पहुंच नहीं

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। डिजी यात्रा एप का डेटा सरकार द्वारा इस्तेमाल किए जाने की शिकायतों का सरकार ने खंडन किया है और साफ किया है कि डेटा तक सरकार की पहुंच नहीं है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा, डिजी यात्रा से संबंधित यात्रियों के डेटा भारतीय कर अधिकारियों के साथ साझा नहीं किए जा रहे हैं।

दरअसल ऐसी शिकायतें सार्वजनिक तौर पर सामने आईं, जिनमें कहा गया कि डिजी यात्रा एप के डेटा तक आयकर विभाग की पहुंच है। दावा किया गया कि डिजी यात्रा के डेटा से यूजर के यात्रा विवरण और कर फाइलिंग का मिलान किया जाएगा और आय संबंधी विसंगतियों की जांच की जाएगी। आयकर विभाग 2025 में कर चोरी करने वालों को नोटिस जारी करना शुरू देगा। अब नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इन रिपोर्ट्स का खंडन किया है और सफाई दी है कि सरकार की डिजी यात्रा के डेटा तक पहुंच नहीं है।

मंत्रालय ने कहा, डिजी यात्रा एप स्व-संप्रभु पहचान (एसएसआई) मॉडल पर आधारित है, जहां व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी और यात्रा से जुड़ी गोपनीय जानकारी को यूजर के डिवाइस पर ही संग्रहित किया जाता है न कि किसी केंद्रीय भंडार पर। ▶12 पर

शुभ लाभ DAILY

पैंगांग झील पर छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा को लेकर विवाद

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 31 दिसंबर।

लद्दाख की पैंगांग झील के पास सेना ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाई है। इसको लेकर सोशल मीडिया में विवाद शुरू गया है। अब मांग हो रही है कि लद्दाख पर विजय हासिल करने वाले जनरल जोरावर सिंह की प्रतिमा लगाना यहां पर ज्यादा सही होगा।

शिवाजी महाराज की 30 फीट ऊंची प्रतिमा को पूर्वी लद्दाख में 14,300 ऊंचाई पर स्थापित किया गया हैं। यह जगह चीन के साथ लगने वाली लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल के पास हैं। इस प्रतिमा का उद्घाटन सेना के 14 वी कोर फायर एंड पूरी फ्यूरी कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला ने किया हैं। लेफ्टिनेंट जनरल भल्ला मराठा लाइट इन्फैंट्री के कर्नल ऑफ द रेजिमेंट भी हैं। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल भल्ला ने कहा कि आधुनिक समय की सैन्य अभियानों में शिवाजी महाराज के वीरता रणनीति और न्याय के आदर्श की प्रासंगिकता पर बात की।

इस घटनाक्रम क्षेत्र के 19वीं सदी के इतिहास में एक प्रमुख जनरल जोरावर सिंह कलहुरिया को मान्यता देने की मांग को फिर से हवा दी है। जनरल जोरावर सिंह ने 1834 और 1840 के बीच लद्दाख को डोगरा साम्राज्य में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके सैन्य अभियान, हाल के इतिहास में सबसे क्रूर में से एक, लद्दाख के अंतिम शासक त्सेपाल नामग्याल की विजय के साथ समाप्त हुए, 1846 में अमृतसर की संधि के बाद इस क्षेत्र के जम्मू और कश्मीर में शामिल होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पैंगांग झील पर डोगरा जनरल जोरावर सिंह की प्रतिमा लगाये जाने के पीछे तर्क यह दिया गया कि यह वही महान योद्धा है जिन्होंने लद्दाख पर जीत हासिल की। 1800 के दशक में तिब्बत में भी जाकर लड़ाई लड़ी। कुछ यह भी कह रहे हैं कि यहां से कुछ दूर 1962 के हीरो परमवीर चक्र विजेता शैतान सिंह ने चीनियों के से लड़ते हुए जान दी। उनकी प्रतिमा तो नही लगाई गई।

कुछ यह भी कह रहे है कि क्या महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में जनरल जोरावर सिंह की प्रतिमा लगाई जा सकती है? सेना के आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पैंगांग झील पर उनकी (छत्रपति शिवाजी की) स्थापना सैनिकों को मनोबल को बढ़ाने और भारत की ऐतिहासिक और समकालीन सैन्य ताकत का प्रमाण है। जोरावर सिंह के समर्थक हालांकि इनमें से अधिकतर लद्दाख से नहीं हैं, तर्क देते हैं कि उनकी सैन्य विरासत, जिसने लद्दाख की आधुनिक सीमाओं को आकार देने में मदद की, शिवाजी जैसे व्यक्तियों के साथ अधिक मान्यता की हकदार है। उनके स्मरणोत्सव के लिए एक समर्थक का कहना था कि हालांकि शिवाजी निस्संदेह भारतीय इतिहास में एक पूजनीय व्यक्ति हैं, लेकिन लद्दाख के रणनीतिक परिदृश्य को आकार देने में जनरल जोरावर सिंह की भूमिका अद्वितीय है।

यह बहस क्षेत्र की जटिल ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को उजागर करती है, जो जम्मू और कश्मीर दोनों के साथ इसके संबंधों और इसकी विशिष्ट बौद्ध विरासत द्वारा चिह्नित है। महाराजा गुलाब सिंह के नेतृत्व में शुरू किए गए जनरल जोरावर सिंह के अभियानों ने लद्दाख के जम्मू और कश्मीर में और अंततः 1947 में भारत में एकीकरण की नींव रखी। इस विजय के बीज 1822 में तब बोए गए थे, जब महाराजा गुलाब सिंह ने जोरावर सिंह को किश्तवाड़, अरनास और रियासी-खासली का राज्यपाल नियुक्त किया था। और 1846 में, जब अंग्रेजों ने सिख साम्राज्य को हराया, तो अमृतसर की संधि पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत राजा गुलाब सिंह के शासन में जम्मू और कश्मीर की नव निर्मित रियासत में लद्दाख का औपचारिक एकीकरण किया गया। इस प्रकार, जनरल जोरावर सिंह ने लद्दाख के वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य की नींव रखी।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज का दिल्ली सरकार पर हमला

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सात महीने से नहीं मिला वेतन

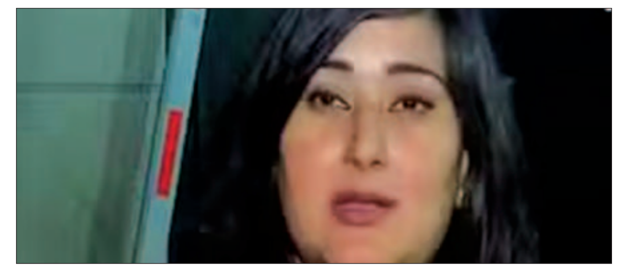

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना से मुलाकात पर भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पिछले सात महीने से वेतन नहीं दिया है। आशा कार्यकर्ता 3,000 रुपए के वेतन पर काम कर रही हैं और उनका वजीफा नहीं बढ़ाया गया है। आप सरकार उनकी बातों पर ध्यान नहीं दे रही है। मैंने इस संबंध में दिल्ली के एलजी से मुलाकात की और मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि वे इस मुद्दे पर दिल्ली के सीएम को निर्देश देंगे।

इससे पहले भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा था कि दिल्ली की आंगनबाड़ी और आशा वर्कर्स की उपेक्षा दिल्ली सरकार की संवेदनहीनता का उदाहरण है। आंगनबाड़ी वर्कर्स पिछले सात महीनों से वेतन से वंचित हैं, और आशा वर्कर्स मात्र तीन हजार रुपए के मामूली मानदेय पर काम कर रही हैं। उनके स्टाइपेंड में, जिसे हर तीन साल में नीति के अनुसार बढ़ाना अनिवार्य है, अब तक कोई वृद्धि नहीं की गई।

भाजपा सांसद ने कहा कि इसी मामले को लेकर दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना से मुलाकात कर हमारी बहनों की समस्याओं को रखा। उन्होंने हमारी आशा वर्कर्स एवं आंगनबाड़ी की बहनों की वेदनाओं को संवेदनशीलता से सुना और समाधान के लिए मुख्यमंत्री से चर्चा करने का आश्वासन दिया है।

8वीं तक के यूपी, सीबीएसई और आईसीएसई के स्कूलों में छुट्टी

लखनऊ, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। जबरदस्त ठंड के कारण यूपी बोर्ड के साथ ही सीबीएसई और आईसीएसई के भी 8वीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। ये विद्यालय 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। यूपी में 1 लाख 32 हजार बेसिक विद्यालय हैं, जिनमें करीब 1 करोड़ 92 लाख बच्चे पढ़ते हैं।

उत्तर प्रदेश में हाड़ कंपा देने वाली ठंड हो रही है। सर्दी का प्रकोप देखते हुए बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित परिषदीय विद्यालय, सीबीएसई, आईसीएसई से संबद्ध आठवीं तक के स्कूल 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। शीतकालीन अवकाश के बाद 15 जनवरी 2025 को स्कूल खुलेंगे। इसके बाद ही अर्द्धवार्षिक परी-क्षाओं के परिणाम निकलेंगे। प्राइमरी स्कूलों में 23 दिसंबरसे 28 दिसंबर तक अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं हुई थीं। शिक्षकों ने शीतकालीन अवकाश के लिए विद्यार्थियों को अच्छा-खासा होमवर्क भी दिया है। उधर, मौसम के तेवरों को देखते हुए डॉक्टर बच्चों को लेकर खास एहतियात बरतने की सलाह दे रहे हैं। शिक्षकों की भी छुट्टी रहेगी। माध्यमिक स्कूलों में कक्षा नौ से 12 वीं के बच्चों के प्री बोर्ड, प्रैक्टिकल और बोर्ड परी-क्षाओं के चलते स्कूल खुले रहेंगे।

दिल्ली पुलिस ने 15 बांग्लादेशी घुसपैठियों को उनके मुल्क भेजा

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)।

अवैध घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन में जुटी दिल्ली पुलिस ने 15 बांग्लादेशियों को उनके मुल्क वापस भेज दिया।

इनमें से 8 घुसपैठिए एक ही परिवार से हैं। वापस भेजे गए बांग्लादेशियों में जहांगीर, उसकी बीवी और उनके 6 बच्चों के अलावा मोहम्मद उमर फारुख, रियाज़ मियां समेत 5 महिलाएं शामिल हैं।

दिल्ली के थाना वसंत कुंज द्वारा घर-घर तलाशी अभियान के दौरान इन घुसपैठियों की पहचान की गई थी।

पकड़े जाने पर जहांगीर ने बांग्लादेशी नागरिक होना कबूला था। इन सभी को क्षेत्रीय विदेश रजिस्ट्रेशन कार्यालय से सम्पर्क कर वापस बांग्लादेश भेजा गया है।

उपराजयपाल के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने घुसपैठियों को पहचान कर उन्हें उनके मुल्क वापस भेजने का अभियान छेड़ रखा है। इस अभियान के तहत अब तक 175 से अधिक घुसपैठियों की पहचान की जा चुकी है। सभी को वापस बांग्लादेश भेजने की तैयारी चल रही है।

नए साल के पहले महीने जनवरी में 15 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। नए वर्ष के पहले महीने यानी जनवरी में करीब 15 दिन बैंक बंद रहेंगे। हालांकि आज के दौर में ज्यादातर लेनदेन मोबाइल से ही हो जाते हैं। लेकिन जिनका काम बैंक गए बिना नहीं होगा, उनके लिए यह जानना जरूरी है कि जनवरी में किस-किस दिन बैंक बंद रहेंगे।

1 जनवरी को नए साल पर भी कुछ राज्यों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। जबकि, 2 जनवरी को नया साल और मन्नम जयंती के कारण बैंक बंद रहेंगे। 5 जनवरी को रविवार है जिसके कारण पूरे देश भर में बैंक बंद रहेंगे। वहीं, 6 जनवरी को गुरु गोबिंद सिंह जयंती के मौके पर हरियाणा और पंजाब में बैंक बंद रहेंगे। 11 जनवरी को महीने का दूसरा शनिवार होने की वजह से देश के सभी बैंकों में अवकाश रहेगा। दूसरी तरफ 12 जनवरी को रविवार की वजह से और स्वामी विवेकानंद जयंती होने की वजह से बैंकों में अवकाश रहेगा। 14 जनवरी को मकर संक्रांति और पोंगल के कारण कुछ राज्यों के बैंक बंद रहेंगे। वहीं, 15 जनवरी को तिरुवल्लुवर दिवस, माघ बिहू की वजह से असम में और मकर संक्रांति के चलते भी बैंक की छुट्टी रहेगी।

16 जनवरी को कनुमा पंडुगु के कारण अरुणाचल प्रदेश के बैंक में छुट्टी होगी और 19 जनवरी को रविवार की वजह से बैंकों में अवकाश रहेगा। 22 जनवरी को इमोइन के कारण और 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर बैंकों की छुट्टी रहेगी। 25 जनवरी को महीने के चौथे शनिवार के कारण बैंकों में काम नहीं होगा। जबकि, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय अवकाश होने के कारण बैंक बंद रहें। 30 जनवरी को सोनम लोसर होने की वजह से सिक्किम में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

तमिलनाडु में गरीबों के लिए एक लाख 42 हजार 59 मकान

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वर्ष 2025 में तमिलनाडु में गरीबों के लिए एक लाख 42 हजार 59 मकान देने का प्रस्ताव किया है।

श्री चौहान ने मंगलवार को चेन्नई में ग्रामीण से संबंधित केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसी वित्तीय वर्ष में मार्च तक इन मकानों की पहली किस्त जारी कर दी जाएगी और मकानों के निर्माण जल्द पूरे किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि एक ग्रामीण क्षेत्र में गरीबों के लिए दो करोड़ मकान बनाए जायेंगे। इसके आवा तीन करोड़ लखपति दीदी बनायी जाएगीं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में भी लखपति दीदी कार्यक्रम चल रहा है और लगभग 10 लाख दीदियां लखपति बन चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि तमिलनाडु में महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत गत वर्ष 2023-24 में 12 हजार 603 करोड़ रुपए की मजदूरी दी गयी। इस साल भी अब तक सात हजार 220 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि हमने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत तमिलनाडु को 10,352 सड़कें तथा 214 सेतु दिए हैं। इनमें से 9,681 सड़कें बन चुकी हैं और 150 सेतु भी बन गए हैं। इसके अलावा 671 सड़कों का काम चल रहा है।

भाजपा जिला प्रतिनिधि की सूची में मृत नेता का नाम

संगठन की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

रायबरेली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)।

रायबरेली में जिला प्रतिनिधियों की जारी की गई सूची में मृत नेता का नाम शमिल करने से खलबली मच गई है। जिले में संगठन की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से ही होमवर्क कर रही है। रायबरेली जो सियासत के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है और भाजपा की साख हमेशा से यहां के चुनाव में लगी रहती है। पिछले 24 घंटे में एक नए घटनाक्रम से भाजपा जिला संगठन में खलबली मची हुई है। दिल्ली से मंडल अध्यक्ष और प्रतिनिधि की जारी की गई सूची में संजय मौर्य को जिला प्रतिनिधि बना दिया गया है। जबकि संजय की मृत्यु हो चुकी है। हालांकि भाजपा के कुछ नेत-ाओं का दावा है कि सूची में जो नाम है, वह जरूरी नहीं है कि मृत संजय मौर्य हो, इसकी जांच की जा रही है।

मंडल अध्यक्षों और जिला प्रतिनिधियों की सूची पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय की संस्तुति पर फाइनल हुई है। जिले में मण्डल अध्यक्ष चुनाव की जिम्मेदारी राकेश मिश्रा के पास थी। जिला प्रभारी पीयूष मिश्रा और पर्यवेक्षक के रूप में प्रदेश महामंत्री संजय राय की देखरेख में मण्डल अध्यक्ष का चुनाव किया गया है।

मंडल अध्यक्ष के पद में जातीय आधार पर समीकरण को खूब साधने की कोशिश की गई है। जिसमें विधानसभा वार जारी लिस्ट में पार्टी की तरफ से यादव बिरादरी को दरकिनार किया गया इसके अलावा ओबीसी की अन्य जातियों को भी कम भागीदारी मिल पाई है। मंडल अध्यक्ष के विभिन्न पदों को लेकर लोगों में जहां खूब आपत्ति जताई जा रही है तो वहीं मृत संजय मौर्य का जिला प्रतिनिधि के पद पर नाम होने से पार्टी की जमकर किरकिरी हो रही है।

भाजपा की तरफ से राही ब्लॉक से संजय मौर्य को जिला प्रतिनिधि बनाया गया है। उनकी मृत्यु 18 मई 2022 को हो चुकी है। सोशल मीडिया पर संजय मौर्य का नाम दौड़ रहा है। इससे भाजपा के भीतर भी खलबली मची हुई है। पार्टी मीडिया प्रभारी विनय शुक्ला का कहना है कि मंडल अध्यक्ष और जिला प्रतिनिधियों का चयन प्रदेश महामंत्री की देखरेख में हुआ है। इसमें गलती नहीं हो सकती है।

एचएएल ने अमेरिका के साथ जीई-एफ414 सौदे पर बातचीत के लिए पैनल बनाया

मार्च 2025 तक इस पर हस्ताक्षर करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)।

एलसीए मार्क 2 लड़ाकू विमान विकसित करने की दिशा में काम करते हुए, भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की फर्म हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने अमेरिका के साथ जल्द से जल्द सौदा करने के लिए इस महीने की शुरुआत में एक अनुबंध वार्ता समिति का गठन किया है। स्वदेशी एलसीए एमके 2 विमान जीई -एफ414-आईएनएस6 इंजन

द्वारा संचालित होने वाला है । अमेरिकी फर्म के साथ बातचीत चल रही है और दोनों पक्षों के बीच उच्च स्तरीय दौरे हो चुके हैं। दोनों पक्ष अब जल्द से जल्द सौदे को अंजाम देने पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने एएनआई को बताया कि भारतीय पक्ष अगले तीन महीनों में मार्च 2025 के अंत तक सौदे को अंजाम देने का लक्ष्य बना रहा है। इस बीच, रक्षा सूत्रों ने कहा कि भारत में जीई -एफ414-आईएनएस6 इंजन के उत्पादन के लिए 6 जून 2023 को एचएएल और जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे । उन्होंने कहा , एमओयू में इस बात पर सहमति बनी कि एचएएल और जीई भारत में इंजनों के उत्पादन के लिए खरीद और व्यापार समझौतों पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इंजनों के मूल्य का 80 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करने वाले इंजन भागों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से लाइसेंस दिया जाएगा, जो 2012 में सहमत हुए मूल्य से 22 प्रतिशत

अधिक है। 2023 मूल्य स्तर पर लगभग एक बिलियन अमरीकी डॉलर के मोटे ऑर्डर मूल्य जो बातचीत के अधीन हैं, इन समझौतों का कुल मूल्य होगा।

विनिर्माण लाइसेंस समझौता (एमएलए) और डीएसपी-83 (गैर-हस्तांतरण और उपयोग प्रमाणपत्र) प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए अनिवार्य आवश्यकताएं हैं। रक्षा सूत्रों ने कहा, एमएलए और डीएसपी-83 पर रक्षा मंत्रालय और जीई

सहित सभी हितधारकों ने सितंबर 2024 में हस्ताक्षर किए थे। रक्षा सूत्रों ने कहा कि एचएएल ने एक अनुबंध वार्ता समिति (सीएनसी) का गठन किया है और इस महीने की शुरुआत में 3 दिसंबर को जीई , यूएसए के साथ बातचीत शुरू की गई थी

। रक्षा सूत्रों ने कहा कि एचएएल ने जीई से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की गहराई के मूल्यांकन के लिए कुछ तकनीकी दस्तावेज प्रस्तुत करने का भी अनुरोध किया है ।

दोनों पक्षों ने विनिर्माण प्रौद्योगिकी सहित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहित 4 चरणों में सीएनसी चर्चा जारी रखने पर सहमति व्यक्त की है, साथ ही हस्तांतरित की जा रही प्रौद्योगिकी की गहराई का आकलन भी किया है जो इंजन के मूल्य का 80% तक है।

तकनीकी दस्तावेज, तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण सहित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से जुड़ी शर्तों और शर्तों पर चर्चा की जा रही है, साथ ही आपूर्ति से जुड़ी शर्तों और शर्तों पर भी चर्चा की जा रही है जिसमें डिलीवरी शेड्यूल, कार्य का विवरण, मूल्य वृद्धि सूत्र, वारंटी, विकल्प खंड आदि शामिल हैं।

रक्षा सूत्रों ने कहा कि बातचीत अभी भी चल रही है और अभी तक निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है।

इसलिए, इस स्तर पर, यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि अधिग्रहण की प्रक्रिया को पटरी से उतारने वाली गंभीर लागत वृद्धि होगी।रक्षा सूत्रों ने बताया कि, यह इंजन जीई 414 इंजन से लैस है।

राष्ट्र प्रथम
नव वर्ष 2025 की
हार्दिक शुभकामनाएँ
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। हालांकि आपका साथी समझदारी दिखाते हुए आपको शांत कर देगा। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है।पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे,दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। नौकरी बदलना मददगार साबित होगा। आप अपनी वर्तमान नौकरी को छोड़कर किसी नए क्षेत्र जैसे कि मार्केटिंग वग़ैरह में जा सकते हैं, जो आपके लिए बढ़िया रहेगा। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्रेम-जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल-कूद को शामिल किया जाना चाहिए। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा और दिमाग़ी बोझ से छुटकारा मिलेगा। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता। आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें या आपका बटुआ खो भी सकता है- ऐसे मामलों में सावधानी की कमी आपको नुक़सान पहुँचा सकती है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा। हवन का आयोजन घर मे होगा। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोले। मीटिंग में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। प्यार-मोहब्बत के मामले में दबाव बनाने की कोशिश न करें। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 01 जनवरी 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 02:26 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 11:26 तक
योग : व्याघात सायं 05:06 तक
करण : बालव दोपहर 02:57 तक
चन्द्र राशि : मकर
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 05:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:41 , सूर्यास्त 06:04 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 05:56 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 05:46 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00 राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्र दर्शन ,
ईस्वी नववर्ष 2025 आरंभ, धनुर्मास चालू है

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नववर्ष में हम नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ विकसित राजस्थान की ओर होंगे अग्रसर : भजनलाल

जयपुर,31 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष 2025 की पूर्व संध्या पर मंगलवार को प्रदेशवासियों के नाम एक पत्र लिखकर भावपूर्ण संदेश दिया है। अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 हमारे देश और राजस्थान के लिए अनेक उपलब्धियों और गर्व भरा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ और करोडों.देशवासियों की अभिलाषा पूरी हुई।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान के लिए भी 2024 उपलब्धियों का वर्ष रहा। वर्षों से लंबित ईआरसीपी (पीकेसी) लिंक परियोजना की सौगात हमें इस वर्ष प्राप्त हुई। साथ ही, देवास परियोजना का काम शुरू होने तथा यमुना जल समझौते से प्रदेश के विकास और जल संकट के स्थाई समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनते ही हमने युवाओं को पेपरलीक के अभिशाप से मुक्ति दिलाते हुए भर्ती माफिया तंत्र का अंत किया और पेपरलीक मुक्त परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहली बार भर्ती परीक्षाओं का 2 साल का कैलेंडर जारी करते हुए युवाओं को मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के माध्यम से रोजगार भी प्रदान किए।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का सफल आयोजन किया, जिसमें 35 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इससे प्रदेश के औद्योगिक विकास को अभूतपूर्व गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी राजस्थान देश का अग्रणी प्रदेश बना है। हमारे किसान भाइयों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में राज्य सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाइवे बनाने के निर्णय से प्रदेश के विकास को नई दिशा मिलेगी। इन सभी निर्णयों और केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य की नींव रखी गई है।शर्मा ने कहा राज्य सरकार ने राज्य के विभिन्न वर्गों के हित में कई कल्याणकारी फैसले लिए हैं। जिनमें किसानों की सम्मान निधि बढ़ाना, मातृवंदन योजना के तहत साढ़े चार लाख महिलाओं को सहायता, एक हजार नए आंगनबाड़ी केंद्र और बेटियों के उज्वल भविष्य के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू करना तथा 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने जैसे निर्णय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, मा वाउचर योजना और रामाश्रय वार्ड की स्थापना से हमने स्वास्थ्य क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित किए हैं। साथ ही, 35 हजार जरूरतमंदों को जमीन के पट्टे, 1 लाख 80 हजार घरों के निर्माण की स्वीकृति तथा 10 लाख परिवारों को पेयजल कनेक्शन देकर उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने कहा कि खेल जगत में भी इस वर्ष प्रदेश का नाम देश-दुनिया में रोशन हुआ। पेरिस पैरालंपिक में हमारे प्रदेश के आठ खिलाड़ियों ने भाग लेकर तीन पदक जीते। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि वर्ष 2025 में सभी प्रदेशवासी नई ऊर्जा, नए संकल्प और नए उत्साह के साथ विकसित राजस्थान की ओर अग्रसर होंगे तथा नववर्ष प्रदेश के लिए उपलब्धियों भरा रहेगा।

बोरवेल से निकली आग मौके पर पुलिस बल तैनात

जोधपुर,31 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर जिले की बावड़ी तहसील के तालो का बेरा में एक बोरवेल से गैस निकलने से ग्रामीणों में कौतुहल बना हुआ है। यहां गैस की गंध आने पर माचिस की तिली लगाकर देखी गई तो गैस ने हवा में आग पकड़ ली।

तालो का बेरा में अन्नाराम देवड़ा का खेत है। उनके खेत में करीब डेढ़ दशक पुराना बोरवेल है, जो काफी समय से बंद पड़ा था। कुछ दिन पहले इस बोरवेल को फिर से खोला गया। इस दौरान बोरवेल के अंदर से गैस की गंध बाहर आने लगी। इस बात की पुष्टि करने के लिए कि अंदर गैस है या कुछ और माचिस की तिली जलाई तो गैस ने आग पकड़ ली। यह देख वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। अब इसका वीडियो भी सामने आया है जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बताया कि जैसलमेर के बाद अब जोधपुर के बावड़ी उपखंड में बोरवेल से गैस निकालने का मामला सामने आया है। आला अधिकारियों को मौके पर भेजा गया। बावड़ी में कोई पुराना बोरवेल था जो 20-25 साल से बंद था। जब उसे खोला गया तो उसके अंदर से ज्वलनशील गैस निकालने की बात सामने आई जिसके बाद प्रशासन की तरफ से उपमंडल अधिकारी (एसडीओ) को घटनास्थल पर भेजा गया और वहां पर बोरवेल बंद करवाया गया। वहां पुलिस बल को तैनात किया गया है। पेट्रोलियम एक्सपर्ट को मौके पर भेजा गया है, जिससे इसकी जांच हो सके। इस मामले में जो रिपोर्ट सामने आएगी, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

15.75 किलो गांजा, स्विफ्ट डिजायर गाड़ी सहित आरोपी गिरफ्तार

बारां,31 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए अवैध मादक पदार्थ लेकर आ रहे एक आरोपी को स्विफ्ट डिजायर गाड़ी सहित जिले की स्पेशल टीम एवं थाना कवाई पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार कर लिया। थाना सदर इलाके के नारेडा निवासी आरोपी सुरेश कुमार सुमन पुत्र रामचरण (25) की गाड़ी से टीम ने 15 किलो 750 ग्राम गांजा बरामद किया है।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी व सीओ अटरू पुष्पेंद्र सिंह हाडा के सुपरविजन में डीएसटी व सभी थानाधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में एसएचओ कवाई विनोद कुमार एवं डीएसटी प्रभारी सत्येंद्र सिंह हेड कांस्टेबल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा सोमवार को नाकाबंदी कर वाहन चेकिंग की जा रही थी।

वाहन चेकिंग के दौरान अटरू की तरफ से आ रही एक संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार को रुकवा कर तलाशी ली गई। कार की पीछे की सीट पर एक काले रंग का बैग तथा डिग्गी में दो अन्य बैग मिले। तीनों बैगों में कुल 15 किलो 750 ग्राम गांजा भरा हुआ था। इस पर कार सहित मादक पदार्थ जप्त कर आरोपी सुरेश कुमार सुमन को एनडीपीएस एक्ट में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामले का अग्रिम अनुसंधान अटरू पुलिस द्वारा किया जा रहा है। आरोपी यह अवैध मादक पदार्थ कहां से लाया और किसे देने जा रहा था। इसके साथ इस कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसके बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

इस कार्रवाई में थाना कवाई से एसएचओ विनोद कुमार, हेड कांस्टेबल भंवरलाल, शिवचरण, कांस्टेबल कपिल कुमार, नितेश सिंह, हेमराज एवं डीएसटी से हेड कांस्टेबल सत्येंद्र सिंह, मनीष, सहाबद्दीन, कांस्टेबल बलवंत, जसवंत सिंह एवं कांस्टेबल चालक महावीर सिंह शामिल थे।

अटल विहार एवं गोविन्द विहार आवासीय योजनाओं में

20 लाख से अधिक आय वर्ग के आवेदक भी कर सकेंगे आवेदन

जयपुर,31 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अटल विहार एवं गोविन्द विहार आवासीय योजनाओ में आवेदन आमंत्रित किये गये हैं।

इन योजनाओ में एच.आई.जी.श्रेणी के अनारक्षित भूखण्डों हेतु सकल वार्षिक आय सीमा रू. 20 लाख प्रति वर्ष से अधिक आय वाले आवेदक भी आवेदन के पात्र हैं। शेष शर्ते यथावत रहेंगी।

जेडीसी ने बताया कि जविप्रा द्वारा जोन-12 में कालवाड़ रोड पर चक पीथावास उर्फ नारी का बास में अटल विहार आवासीय योजना विकसित की गई है। योजना में ऑनलाईन आवेदन दिनांक 18.12.2024 से 17.01.2025 तक आमंत्रित किये गये हैं जिसमें कुल 284 भूखण्ड है। अटल विहार आवासीय योजना योजना की लॉटरी 29.01.2025 को निकाली जायेगी। उक्त योजना में 45 वर्गमीटर से 220 वर्गमीटर तक के भूखण्ड उपलब्ध हैं। 45 व. मी. तक के भूखण्डों की संख्या 43, 46-75 व. मी. तक के भूखण्डों की संख्या 99, 76-120 वर्ग मीटर तक के भूखण्डों की संख्या 11, 121-220 वर्ग मीटर तक के भूखण्डों की संख्या 96 एवं 220 वर्ग मीटर से अधिक भूखण्डो की संख्या 35 है। योजना की आरक्षित दर रूपये 14,000 है।

उन्होंने बताया कि जोन-10 में गोविन्दपुरा-रोपाडा, हैरिटेज सिटी (दक्षिणी रिंग रोड एवं खातीपुरा रेल्वे स्टेशन के समीप) गोविन्द विहार आवासीय योजना विकसित की गई है। योजना में ऑनलाईन आवेदन 25.12.2024 से प्रारम्भ है एवं आवेदन की अन्तिम तिथि 24.01.2025 रखी गई है, जिसमें कुल 202 भूखण्ड हैं।

आम आदमी पर पड़ रही चौतरफा टैक्स और महंगाई की मार : हुड्डा

चंडीगढ़,31 दिसंबर (एजेंसियां)। सड़क निर्माण की लागत 2747 करोड़ रुपए और

वसूली 4489 करोड रुपए, फिर भी टोल को बंद नहीं किया जा रहा है। इस तरह हरियाणा की जनता से टोल के नाम पर हजारों करोड़ रुपए की लूट हो रही है। घग्गर टोल प्लाजा का उदाहरण देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने टोल टैक्स की लूट का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि आरटीआई के जरिए सामने आई ताजा जानकारी से स्पष्ट हो गया है कि बीजेपी सरकार से मिलीभगत कर कंपनियां टोल टैक्स के नाम पर लागत के मुकाबले कई गुना ज्यादा मुनाफा कूट रही हैं। आम जनता पर टैक्स और महंगाई की मार पड़ती जा रही है और सरकार सबकुछ देखकर भी अनदेखा कर रही है। हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कुल 57 टोल प्लाजा आज की तारीख में वसूली करने में लगे हैं।

विकास के पथ पर प्रदेश यूं ही आगे बढ़ता रहे : सैनी

चंडीगढ़,31 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नववर्ष 2025 सभी के लिए मंगलमय हो, विकास के पथ पर प्रदेश यूं ही आगे बढता रहे तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में हरियाणा अपनी अग्रणी भूमिका निभाए। इसके लिए प्रदेश के सभी लोगों का सहयोग आवश्यक है। मुख्यमंत्री मंगलवार सांय अम्बाला शहर पुलिस लाईन मैदान में आयोजित पांच दिवसीय दिव्य गीता सत्संग के समापन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित कर रहे थे। श्री कृष्ण कृपा जीयो गीता परिवार के तत्वाधान में इस गीता सत्संग का आयोजन किया गया था। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिओ गीता को अपने स्वैच्छिक कोष से 11 लाख देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य में 27 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक दिव्य गीता सत्संग का आयोजन हुआ है जिसमें सभी श्रद्धालुओं को श्रीमदभगवदगीता का ज्ञान मिला है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बडे ही सौभाग्य की बात है कि हरियाणा की पवन भूमि कुरुक्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण ने मोहग्रस्त अर्जुन को गीता का संदेश दिया था। गीता के इस कर्म के संदेश को देश दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाना है हरियाणा सरकार कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गीता जयंती महोत्सव का आयोजन कर इस कार्य को कर रही है तथा इसी कड़ी में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज श्रीमदभगवदगीता का ज्ञान घर-घर तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

अनियमितता संबंधी प्रकरणों में जांच समयबद्ध सीमा में हो पूरी : दक

जयपुर,31 दिसंबर (एजेंसियां)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि जिन सहकारी समितियों में अनियमितता सबंधी प्रकरण सामने आए हैं और उनकी जांच सहकारी कानून के तहत धारा 55 या 57 के तहत करवायी जा रही है तो जांच को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए। इसमें किसी प्रकार की ढिलाई को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

दक ने सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में मुख्यमंत्री कार्यालय एवं सहकारिता मंत्री कार्यालय से प्राप्त विभिन्न शिकायतों के प्रकरणों में विभाग स्तर से की गई कार्यवाही प्रगति की समीक्षा करते हुये कहा कि पत्रों में जो भी शिकायत के बिन्दु हैं, उन पर त्वरित कार्यवाही की जाए तथा लगातार फोलो-अप भी करें ताकि न्यायसंगत कार्यवाही हो सके एवं शिकायत के प्रकरणों में नियमानुसार समयबद्ध राहत को सुनिश्चित किया जा सके।

हरियाणा से टीबी ख़त्म करने का लक्ष्य तय : आरती सिंह

चंडीगढ़,31 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश से टीबी को समाप्त करने के लिए 25 मार्च-2025 तक अभियान चलेगा और दिसंबर 2025 तक एक साल में टीबी के ख़ात्मे का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने आज यहां जारी बयान में प्रदेश के लोगों को नए वर्ष की शुभकामनाएं दी और साथ ही लोगों को टीबी उन्मूलन अभियान में सहयोग के लिए आह्वान किया।कुमारी आरती सिंह राव ने जानकारी देते हुए बताया कि 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान प्रदेश स्तर पर 7 दिसंबर 2024 से शुरू हुआ था। हरियाणा सरकार ने दिसंबर 2025 तक टीबी को प्रदेश से खत्म करने का लक्ष्य बनाया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम प्रत्येक जिला में जिला कारावास से लेकर हर शहर व गांव में जाकर टीबी मरीजों की पहचान कर रही है। इसमें टीबी युक्त पाए जाने वाले मरीजों को सरकार की योजना के तहत जांच व दवाइयां मुफ्त में उपलब्ध करवाई जा रही हैं।स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के टीबी मुक्त हरियाणा के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए स्वास्थ्य विभाग जुटा हुआ है। उन्होंने राज्य के चिकित्सा अधिकारियों से भी कहा कि सभी चिकित्सा अधिकारी इस अभियान को केवल एक ड्यूटी ना समझते हुए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। उन्होंने बताया कि निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी के मरीजों को सरकार इलाज चलने तक प्रतिमाह 1000 रुपए प्रोत्साहन राशि भी देती है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत चिकित्सक नागरिकों को निक्षय मित्र बनने के लिए भी प्रोत्साहित करें तथा उन्हें निक्षय पोर्टल के बारे में जानकारी दें।कुमारी आरती सिंह राव ने राज्य के नागरिकों से भी आह्वान किया है कि प्रदेशभर में चलाए जा रहे टीबी मुक्त अभियान के तहत स्वास्थ्य की जांच के लिए आगे आएं।

बंडारू ने पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला को दी श्रद्धांजलि

चंडीगढ़,31 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंगलवार को गांव चौटाला के साहिब राम स्टेडियम में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि ओमप्रकाश चौटाला महान व्यक्तित्व के धनी थे। प्रदेश की प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। हरियाणा में पानी के लिए जो संघर्ष उन्होंने किया वो इतिहास में दर्ज है। उन्होंने कहा कि जब वे केंद्र में शहरी विकास मंत्री थे और ओमप्रकाश चौटाला हरियाणा के मुख्यमंत्री थे, उस दौरान एनसीआर की प्रांतीय बैठकों में ओमप्रकाश चौटाला ने न केवल एनसीआर प्रांत की मांगों को केंद्र के समक्ष रखा, बल्कि उन्हें पूरा भी करवाया। इस प्रकार से एनसीआर के प्रांतों में हरियाणा को अग्रणी बनाने में उनका अहम योगदान रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि पारिवारिक समारोह में ओमप्रकाश से मिला तो बेहद ही अच्छा लगा। जब अभय सिंह चौटाला उनसे एक प्रतिनिधिमंडल के साथ उनसे मिले थे, तब भी मैंने उनसे ओमप्रकाश चौटाला का हाल जाना था, तब अभय ने बताया था कि ठीक है, लेकिन उनके चले जाने की खबर से बेहद ही दुख हुआ। उन्होंने कहा कि भले ही ओमप्रकाश चौटाला हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी सेवा, परिश्रम, काम व लगन हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने पूरे प्रदेश की ओर से पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

शुभ संयोग में शुरू होगा नया साल 2025

इस बार अंग्रेजी नववर्ष बेहद ही शुभ संयोग में शुरू होने वाला है। कई ग्रहों के गोचर से कई शुभ संयोग बनेंगे, ऐसे में वर्ष 2025 कई राशियों के लिए बेहद शुभ साबित होने वाला है। अंग्रेजी नववर्ष के पहले दिन हिंदू पंचांग के अनुसार 1 जनवरी 2025 को हर्षण योग, शिववास योग, बालव और कौलव योग का शुभ संयोग बन रहा है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि अंग्रेजी नववर्ष 2025 के पहले दिन कई शुभ योग बन रहे हैं, जो सुख समृद्धि और तरक्की के लिए बेहद कारगर माने जा रहे हैं। 1 जनवरी को ही द्वितीया तिथि, उत्तरा आषाढ़ नक्षत्र और हर्षण, शिव वास, बालव और कौलव योग बनने जा रहे हैं। इसके अलावा साल भर भी ग्रहों का राशि परिवर्तन जारी रहेगा। इसका असर सभी राशि वालों पर पड़ेगा। इन शुभ योग के बीच नए साल का आना ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नए साल को लेकर मान्यता भी है कि अगर अगर साल का पहला दिन अच्छा हो तो पूरा साल अच्छा रहता है।

इस बार नए साल का आरंभ बुधवार से हो रहा है। यह दिन भगवान गणेश को समर्पित है, जो सभी देवताओं में प्रथम पूज्य हैं। ऐसे में यह वर्ष हर किसी के लिए मंगलकारी सिद्ध होने वाला है। यह संयोग कई वर्षों बाद बना है। ऐसे में इस बार का नया साल और खास हो गया है। सप्ताह का हर दिन अलग-अलग देवी-देवताओं को समर्पित है। ज्योतिष के अनुसार 2025 की शुरुआत में मालव्य और केंद्र त्रिकोण राजयोग का निर्माण होगा। यह राजयोग शुक्र के 27 जनवरी को मीन राशि में गोचर से बन रहा है। इसके साथ वर्ष 2025 दो बड़े प्रभावशाली ग्रह शनिदेव व गुरु राशि परिवर्तन करेंगे। नए साल की शुरुआत हर्षण, शिववास, बालव और कौलव योग से होने से कुछ राशि वालों के लिए 2025 शुभ रहेगा। शनिदेव 29 मार्च को राशि परिवर्तन करेंगे। शनि ग्रह पिछले ढाई वर्ष से कुंभ में विराजमान थे।अब 29 मार्च को मीन राशि में प्रवेश करेंगे।

साल 2025 में ग्रह गोचर के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण होने जा रहा है। साल 2025 में एक साथ कई बड़े ग्रह गोचर करने जा रहे हैं। जिसका प्रभाव सभी राशियों, देश और दुनिया पर देखने को मिलेगा। साल 2025 में राहु, शनि, मंगल, गुरु और केतु सभी बड़े ग्रह का गोचर होगा। कुल मिलाकर 2025 मंगल के प्रभाव का वर्ष है। कई बड़ी कार्यवाही होगी। परिवर्तन आएगा। सबसे पहले अगर अंक शास्त्र के नजरिए से देखें तो 2025 का जोड़ 9 बनता है जो की ग्रहों के सेनापति मंगल के द्वारा शासित है। मंगल क्रिया और ऊर्जा का ग्रह है। इसका मतलब है कि 2025 दुनिया के नजरिए से साहसिक निर्णय, बड़े कार्यो और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक मजबूत अभियान का वर्ष होगा। मंगल चूंकि सेनापति है इसलिए वह चुनौतियां भी लेकर के आते हैं। इसलिए मंगल की ऊर्जा को बहुत बुद्धिमानी से संभालता आवश्यक हो जाता है।

ग्रह गोचर 2025

भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 की शुरुआत में शनि अपनी स्वराशि कुंभ से निकलकर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। शनि 29 मार्च 2025 को मीन राशि में गोचर करेंगे। इसके बाद मई में राहु मीन राशि से निकलकर कुंभ राशि में पहुंचेंगे। 18 मई 2025 को राहु मीन राशि में और केतु सिंह राशि में गोचर करेंगे। इसी के साथ गुरु साल 2025 में वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में प्रवेश कर जाएंगे। गुरु का गोचर 14 मई 2025 को मिथुन राशि में होगा।

शुभ प्रभाव

बीमारियों के इलाज में भी नए-नए आविष्कार होंगे। नई-नई दवाइयां और तकनीक विकसित होगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। चीजों की लागत सामान्य रहेगी। महंगाई में कमी आएगी। लोगों की सेहत में सुधार होगा। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रभाव बढ़ेगा और मजबूती भी आएगी। अन्य देशों से संबंध अच्छे हो जाएंगे। राष्ट्र विरोधी गतिविधियां खत्म होंगी। फसल और अनाज का उत्पादन बढ़ेगा। शैक्षणिक और धार्मिक गतिविधियां तेज हो सकती हैं। सरकार धीरे-धीरे आन्तरिक विवादों को खत्म करने में कामयाब रहेगी।

राजनीति क्षेत्र

राजनीति के में थोड़ा उथल पुथल जरूर होगा। लेकिन फिर सब स्थाई हो जाएगा। सभी उत्तम ढंग से काम करेंगे, राजनीतिक क्षेत्र में नेता अपने अपने स्थान पर स्थापित होंगे और फिर उत्तम कार्य करेंगे। राजनीतिक स्थिरता आएगी। राजनीतिक क्षेत्र में कई प्रभावशाली लोग आएंगे जो लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। इस बार कड़ा राजनीतिक द्वंद भी देखने को मिलेगा।

सामाजिक क्षेत्र

साल 2025 में सामाजिक क्षेत्र में कई बड़े काम होंगे। सामाजिक समरसता बहेगी। लोग एकजुट होंगे, धार्मिक क्षेत्र में कई बड़े काम होंगे। कई इतिहास बनेंगे। लोगों की बड़ी आस्था देखने को मिलेगी। समाज में एकता बनेगी।.

व्यापार क्षेत्र

व्यापार क्षेत्र में बहुत लाभ ही लाभ होगा, जैसे दलहन, तिलहन, धान है और विशेष कर जो लोग धनिया की खेती करते हैं, धनिया, लहसुन इसमें विशेष उन्नति लाभ मिलेगा और फसलों में गेहू और धान की उत्पादन अधिक होगी। इससे व्यापारी वर्ग विशेष उसका लाभ उठाएंगे और जो किसान खेती करके वहां जाकर बेचेंगे, उनको भी पूर्ण रूप से लाभ होने की संभावना है।

शिक्षा और रोजगार क्षेत्र

शिक्षा के क्षेत्र में बहुत उत्तम समय रहेगा। प्रतियोगिता में अधिक से अधिक लड़के लाभान्वित होंगे और नौकरी के उत्तम योग भी बनेगा। शिक्षा अच्छी मिलेगी और शिक्षा में सभी बच्चों की विशेष रुचि भी 2025 में बहुत अधिक रहेगी। नौकरी की बात करें तो नौकरी में जैसे प्राइवेट सेक्टर है या सरकारी सेक्टर है। दोनों में विशेष भर्तियां होंगी और अधिक से अधिक छात्र जो विशेष तैयारी कर रहे हैं। मेहनत कर रहे हैं उनको लाभ मिलेगा।

करें पूजा-पाठ और दान

हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

राशियों पर असर

मेष, वृश्चिक : सफलता तो मिलेगी। लेकिन इसके लिए आपको संघर्ष करना पड़ेगा।

वृष, तुला: नया वर्ष शिक्षा के क्षेत्र में लाभ दिलाएगा। प्रमोशन भी मिल सकता है।

मिथुन, कन्या : सभी प्रकार के सुखों में वृद्धि होगी। तो वहीं इन्हें भी इंक्रीमेंट मिल सकता है।

कुंभ, मकर : पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। वाहन सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। विवादों से दूर रहें।

धनु, मीन: अभी तक रुके कार्य पूरे होंगे। धर्म लाभ मिलने लगेगा। मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

कर्क : नया साल कुछ मानसिक तनाव लेकर आ सकता है।

सिंह : मेहनत करनी पड़ेगी। इसी के बाद आपको सफलता मिलेगी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नए साल के पहले सप्ताह में मनाए जाएंगे ये व्रत और त्यौहार

नए साल का आगमन होने वाला है। इस बार नए साल की शुरुआत बुधवार के दिन हो रही है। ऐसे में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करना अधिक शुभ रहेगा। नए साल के पहले सप्ताह में कई व्रत और पर्व मनाए जाएंगे, जैसे- विनायक चतुर्थी और स्कंद षष्ठी समेत आदि। इन सभी त्योहार का विशेष महत्व है। विनायक चतुर्थी के व्रत को हर माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर किया जाता है। इस दिन गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना करने का विधान है। 01 जनवरी से लेकर 07 जनवरी तक मनाए जाने वाले व्रत-त्योहारों की डेट और शुभ मुहूर्त के बारे में।

विनायक चतुर्थी

पंचांग के अनुसार, पौष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 03 जनवरी को देर रात 01 बजकर 08 मिनट पर होगा और समापन 03 जनवरी को रात 11 बजकर 39 मिनट पर होगा। ऐसे में 03 जनवरी को विनायक चतुर्थी मनाई जाएगी।

स्कंद षष्ठी

पंचांग के अनुसार, पौष माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि की शुरुआत 04 जनवरी को देर रात 10 बजे से होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 05 जनवरी को रात 08 बजकर 15 मिनट पर होगा। इस प्रकार 05 जनवरी को स्कंद षष्ठी मनाई जाएगी।

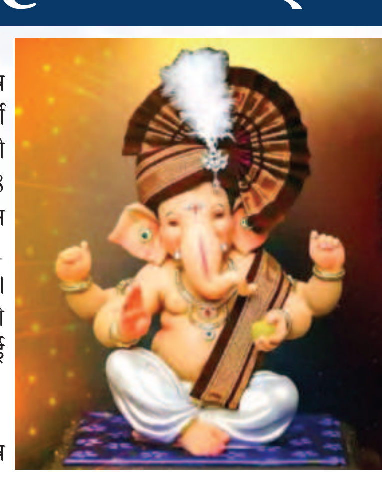

गुरु गोबिंद सिंह जयंती

पंचांग के अनुसार, पौष माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत 05 जनवरी को रात में 08 बजकर 15 मिनट से होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 06 जनवरी को दोपहर में 06 बजकर 23 मिनट पर होगा। ऐसे में 06 जनवरी को गुरु गोबिंद सिंह जयंती मनाई जाएगी।

मासिक दुर्गा अष्टमी

पंचांग के अनुसार, पौष माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 06 जनवरी को शाम 06 बजकर 23 मिनट पर होगी और तिथि का समापन 07 जनवरी को शाम 04 बजकर 26 मिनट पर होगा। ऐसे में 07 जनवरी को साल की पहली मासिक दुर्गा अष्टमी का व्रत किया जाएगा।

इस मूलांक के जातकों पर बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

नए साल की शुरुआत में अब कुछ ही समय बाकी रह गया है। आने वाला ज्योतिष दृष्टि से कुछ मूलांक के लिए बहुत ही खास माना जा रहा है। इसके अनुसार, कुछ जातकों पर नए साल में देवी लक्ष्मी की विशेष कृपा बरसने वाली है, जिससे इन जातकों को धन लाभ की स्थिति देखने को मिलने वाली है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि भाग्यशाली राशियां कौन-सी हैं।

ये मूलांक है खास

हम यहां मूलांक 06 की बात कर रहे हैं। जब किसी जातक का जन्म किसी भी महीने की 06, 15 या फिर 24 तारीख को होता है, तो उनका मूलांक 06 माना जाता है। इस मूलांक के स्वामी ग्रह माने जाते हैं, जो प्रेम, सौंदर्य, आकर्षण और सुख-समृद्धि के कारक भी हैं। वहीं मूलांक 06, मां लक्ष्मी का भी प्रिय माना जाता है। ऐसे में आने वाले साल यानी 2025 में इस मूलांक को मां लक्ष्मी की विशेष कृपा की प्राप्ति होने वाली है।

कैसे होते हैं जातक

मूलांक 06 के जातक बहुत ही लोग मेहनती होते हैं और किसी भी कार्य को करने से पीछे नहीं हटते। मां लक्ष्मी की कृपा से इनकी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है और यह ऐशो-आराम की जिंदगी जीते हैं। साथ ही यह आकर्षक व्यक्तित्व के भी होते हैं। स्वभाव बात करें, तो ये जातक हंसमुख और मिलनसार होते हैं।

इन राशियों को भी मिलेगा लाभ

शुक्र ग्रह वृषभ और तुला राशि के भी स्वामी हैं। इस प्रकार साल 2025 इस दोनों राशियों के लिए भी खास रहने वाला है। आपको आर्थिक मामलों के साथ-साथ लव लाइफ में भी देखने को मिलने वाला है। साथ ही और अधिक सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए आप कुछ उपाय भी कर सकते हैं। जिसके अनुसार, वृषभ और तुला राशि के जातकों को शुक्रवार के दिन मां दुर्गा और मां लक्ष्मी की आराधना करनी चाहिए।

कब और क्यों पत्नी को पति के दायीं ओर बैठने की दी जाती है सलाह?

सनातन धर्म अपनी पूजा-पाठ और कई तरह की मान्यताओं को लेकर जाना जाता हैं। इनमें कई बातें ऐसी होती हैं, जो लोगों को हैरान करती हैं, जबकि कई सारी ऐसी महत्वपूर्ण बातें होती हैं जो दुनियाभर को एक सीख खास सीख देती हैं। वहीं, पत्नी को पति की अर्धांगिनी और वामांगी माना जाता है, जिसे वह कदम-कदम पर साबित भी करती है। हालांकि इसके पीछे की वजह देवों के देव महादेव और देवी पार्वती से जुड़ी हुई है।

पत्नी को वामांगी क्यों कहा जाता है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव को अर्धनारीश्वर कहा जाता है और वाम भाग शक्ति का स्वरूप है, जिस वजह से स्त्री को वामांगी कहा गया है। इसका अर्थ होता है, बाएं अंग का अधिकारी। चली आ रही मान्यताओं के अनुसार, शादी के बाद पत्नि हमेशा अपने पति के बाईं ओर बैठती हैं। लेकिन कुछ कार्य ऐसे भी हैं, जिसमें वह दाईं ओर बैठती हैं, जैसे धार्मिक अनुष्ठानों आदि। कहते हैं कि सिंदूरदान, द्विरागमन, आशीर्वाद लेते समय व भोजन के समय महिला को अपने पति के बायीं ओर ही रहना चाहिए। इसके अलावा यज्ञ, कन्यादान, विवाह आदि कार्यों को पुरुष प्रधान माना गया है, इसलिए इन कर्मों में पत्नी को दायीं ओर बैठने की सलाह दी जाती है।

महिलाओं को क्यों कहा जाता है अर्द्धांगिनी?

आपको बता दें कि हिंदू धर्म में पत्नी को पति की अर्द्धांगिनी कहा जाता है, क्योंकि वह अपने पति के जीवन के सभी सुख-दुख, या किसी भी तरह का काम हो उसमें बराबरी से साथ देती है। इसके साथ ही जीवन संगिनी बनकर पति के दायित्वों की पूरे समर्पण के साथ निभाती है। पत्नी-पति का रिश्ता एक दूसरे के बिना पूरी तरह अधूरा रहता है। इसलिए सनातन धर्म में पत्नी को पति की अर्द्धांगिनी कहा गया है।

कब और कैसे लगता है वासुकी कालसर्प दोष?

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, साल 2025 कई राशि के जातकों के लिए मंगलकारी साबित हो सकता है। अगले साल कई ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। मायावी ग्रह राहु और केतु भी अपनी स्थिति बदलेंगे। राहु और केतु के राशि परिवर्तन से मीन और कन्या राशि के जातकों को लाभ मिलेगा। वहीं, सिंह और कुंभ राशि के जातकों को सावधान रहने की आवश्यकता पड़ेगी। लेकिन क्या आपको पता है कि वासुकी कालसर्प दोष कब लगता है और यह कितना खतरनाक होता है?

वासुकी कालसर्प दोष के प्रभाव

ज्योतिषियों की मानें तो वासुकी कालसर्प दोष से पीड़ित जातक को जीवन में संघर्षों का सामना करना पड़ता है। शिक्षा क्षेत्र में जल्द सफलता नहीं मिलती है। परिवार में कलह की स्थिति रहती है। धैर्य में कमी होने लगती है। आत्मबल कमजोर होने लगता है। व्यक्ति लाख चाहकर न खुश रह पाता है और न ही सफल हो पाता है। कुल मिलाकर कहें तो वासुकी कालसर्प दोष शुभ नहीं होता है।

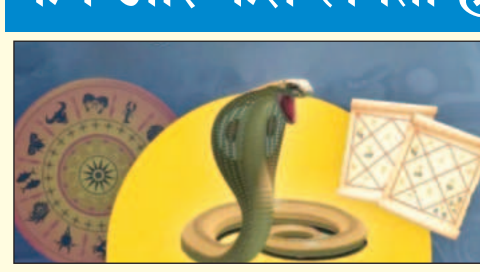

वासुकी कालसर्प दोष

मायावी ग्रह राहु के तीसरे भाव और केतु के नौवें भाव में रहने से कुंडली में वासुकी कालसर्प दोष बनता है। हालांकि, राहु और केतु के मध्य सभी शुभ और अशुभ ग्रहों का रहना जरूरी है। इसके लिए योग्य ज्योतिष से कालसर्प दोष का विचार कराना चाहिए। कालसर्प दोष का निवारण अनिवार्य यानी जरूरी है। इसके बाद व्यक्ति के जीवन में सुख और शांति आती है।

उपाय-ज्योतिषियों का कहना है कि वासुकी कालसर्प दोष से पीड़ित जातकों को हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। इसके साथ ही हर मंगलवार के दिन लाल रंग की चीजों का दान करें। इसके अलावा, राहु और केतु के बीज मंत्र का जप करना चाहिए। भगवान शिव की रोजाना पूजा करें। देवों के देव महादेव की पूजा करने से भी कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। हालांकि, वासुकी कालसर्प दोष का निवारण कराना उत्तम है। इसके लिए अपनी सुविधा अनुसार समय पर वासुकी कालसर्प दोष का निवारण करा लें।

पुत्रदा एकादशी 10 को मनाई जाएगी

हिंदू धर्म में सभी एकादशी में पुत्रदा एकादशी का विशेष महत्व है। यह व्रत ना सिर्फ संतान सुख की प्राप्ति के लिए, बल्कि में समृद्धि और शांति के लिए भी रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूरे विधि-विधान से पूजा अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया जाता है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में का आगमन होता है। 2025 में यह पर्व कब मनाया जाएगा और इसके महत्व को समझते हुए इस व्रत को कैसे रखें।

विष्णु पुराण के अनुसार, पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को पुत्रदा एकादशी मनाई जाती इस व्रत को रखने का खास महत्व है क्योंकि इसे संतान सुख की प्राप्ति के लिए रखा जाता है। साल 2025 में पौष मास में पुत्रदा एकादशी 10 जनवरी को मनाई जाएगी। इस दिन पूजा-अर्चना करने से भगवान विष्णु की कृपा से संतान सुख प्राप्त हो सकता है।

पौष एकादशी का मुहूर्त

पौष माह की शुक्ल एकादशी तिथि की शुरुआत 9 जनवरी 2025 को दोपहर 12:22 बजे होगी और इसका समापन 10 जनवरी 2025 को सुबह 10:19 बजे होगा। इस दिन व्रत रखने से घर में सुख-शांति, समृद्धि और संतान सुख की प्राप्ति की संभावना बढ़ जाती है। दिन विशेष पूजा के साथ ही घर में लक्ष्मी नारायण की पूजा भी की जाती है जिससे जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का वास होता है।

पुत्रदा एकादशी की कथा

पुत्रदा एकादशी से जुड़ी एक प्रसिद्ध कथा भी है जो इस व्रत के महत्व को बढ़ाती है। प्राचीन समय में एक राजा, जिनका नाम सुकेतुमान था, संतान के अभाव में दुखी रहते थे। उन्हें यह चिंता सता रही थी कि उनकी मृत्यु के बाद उनके पूर्वजों का उद्धार कौन करेगा और उनका मोक्ष कैसे होगा। राजा की इस चिंता को देखकर ऋषियों ने उन्हें पुत्रदा एकादशी का व्रत रखने की सलाह दी। व्रत करने के बाद राजा और रानी को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई और इस घटना के बाद से ही यह व्रत हर साल रखा जाने लगा।

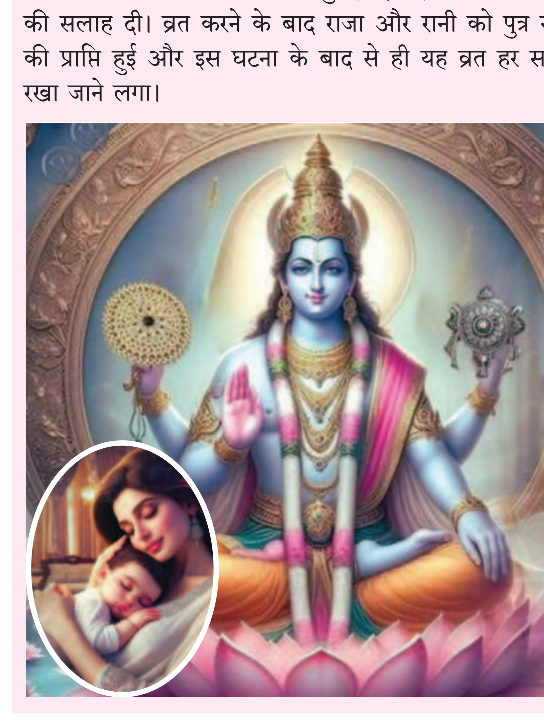

संपादकीय

इसरो की बड़ी सफलता

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर अंतरिक्ष विज्ञान में भारत के नाम की पताका को लहरा लिया है। पिछले 10-12 वर्षों में इसरो ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन्होंने वैश्विक मंच पर भारत का मान बढ़ाया और भारत के प्रति दुनियाभर के देशों का दृष्टिकोण बदल दिया है। इसरो ने ग्रेगोरियन कैलेंडर बदलने से ठीक पहले अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को जोड़ने की तकनीक में महारत हासिल करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा दिया। इस तकनीक को स्पेस-डॉकिंग कहते हैं। डॉकिंग को सरल भाषा में समझा जाए, तो यह दो सैटेलाइट को अंतरिक्ष में जोड़ने की प्रक्रिया है। यह कुछ हद तक जमीन पर कोई पुल बनाने जैसा है। जिस तरह पुल के अलग-अलग हिस्से आपस में जोड़े जाते हैं, उसी तरह डॉकिंग में भी दो या उससे अधिक सैटेलाइट आपस में जोड़े जाते हैं। यह पूरी सरंचना किसी विशेष काम के लिए उपयोग होती है। डॉकिंग का उपयोग वर्तमान में दो सैटेलाइट के बीच किन्हीं वस्तुओं के आदान प्रदान समेत अन्य कार्यों के लिए होता है। अंतरिक्ष में स्थापित अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन भी इसी सिद्धांत पर काम करता है। इसका निर्माण भी डॉकिंग के जरिए हुआ था। इसमें सामान की आपूर्ति भी डॉकिंग के जरिए ही होती है। प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए हर्ष की बात है कि अंतरिक्ष विज्ञान में इतनी बड़ी सफलता प्राप्त करनेवाला भारत दुनिया का चौथा देश है। भारत से पहले अब तक विश्व के तीन देश ही यह डॉकिंग की तकनीक विकसित कर सके हैं। यह देश अमेरिका, रूस और चीन हैं। 7 जनवरी, 2025 को भारत भी इस समूह में शामिल हो जाएगा। इस तकनीकी का लाभ इसरो को आगे के अभियानों में मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अंतरिक्ष में अपना भी स्पेस स्टेशन बनाने की घोषणा पहले ही कर चुके हैं। इसरो के वैज्ञानिकों को प्रधानमंत्री मोदी खूब प्रोत्साहित करते हैं। विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम और बड़ा हो, इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने कई अभिनव निर्णय लिए हैं। बहरहाल, भारत ने अंतरिक्ष में 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाने का निर्णय लिया है, इसके लिए 2028 से कार्य प्रारंभ किया जाएगा। डॉकिंग में मिली यह सफलता स्पेस स्टेशन के मार्ग को सुगम करेगी। इसरो की इस सफलता ने आकांक्षावान भारत की उम्मीदों को पंख लगा दिए हैं। डॉकिंग तकनीक की सहायता से अब एक-एक कर स्पेस स्टेशन के हिस्से अंतरिक्ष पहुँचाए जा सकेंगे और उन्हें अंतरिक्ष में ही जोड़ा जा सकेगा। जब स्पेस स्टेशन बन जाएगा तब इसमें भारतीय एस्ट्रोनॉट भी जा सकेंगे। इसके अलावा यह प्रक्रिया चंद्रमा पर भारतीय भेजने, वहाँ से सैंपल वापस लाने समेत बाकी अभियानों के लिए मील का पत्थर होगी। कहना होगा कि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत आज दुनिया का प्रमुख हस्ताक्षर बन गया है। भारत के वैज्ञानिक जिस उत्साह और लगन के साथ कार्य कर रहे हैं, उसको देखकर कहा जा सकता है कि भारत का भविष्य स्वर्णिम है। इसरो की सफलताओं से बाकी के संस्थानों एवं विभागों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। यदि हम ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कार्य को करें, तो सफलता प्राप्त करना निश्चित है।

> इसरो ने ग्रेगोरियन कैलेंडर बदलने से ठीक पहले अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को जोड़ने की तकनीक में महारत हासिल करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा दिया। इस तकनीक को स्पेस-डॉकिंग कहते हैं। डॉकिंग को सरल भाषा में समझा जाए, तो यह दो सैटेलाइट को अंतरिक्ष में जोड़ने की प्रक्रिया है। यह कुछ हद तक जमीन पर कोई पुल बनाने जैसा है। जिस तरह पुल के अलग-अलग हिस्से आपस में जोड़े जाते हैं, उसी तरह डॉकिंग में भी दो या उससे अधिक सैटेलाइट आपस में जोड़े जाते हैं। यह पूरी सरंचना किसी विशेष काम के लिए उपयोग होती है। डॉकिंग का उपयोग वर्तमान में दो सैटेलाइट के बीच किन्हीं वस्तुओं के आदान प्रदान समेत अन्य कार्यों के लिए होता है। अंतरिक्ष में स्थापित अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन भी इसी सिद्धांत पर काम करता है। इसका निर्माण भी डॉकिंग के जरिए हुआ था। इसमें सामान की आपूर्ति भी डॉकिंग के जरिए ही होती है। प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए हर्ष की बात है कि अंतरिक्ष विज्ञान में इतनी बड़ी सफलता प्राप्त करनेवाला भारत दुनिया का चौथा देश है। भारत से पहले अब तक विश्व के तीन देश ही यह डॉकिंग की तकनीक विकसित कर सके हैं। यह देश अमेरिका, रूस और चीन हैं।

नौजवानों के इस जुटान का फायदा लेने के लिये जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी पहुंचे और मुख्य सचिव से मिल आये

लाठियां , सियासत और खामोशी

कुमार कृष्णन

> बिहार में बीपीएससी परीक्षा में धांधली का लेकर छात्रों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ है। छात्रों की मांग है कि सभी 912 केन्द्रों में बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षाएं दोबारा हों। इस मांग पर पखवाड़े भर से जारी आंदोलन को कुचलने के लिये बिहार सरकार अब बर्बरता पर उतर आई है। रविवार की रात को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास एकत्रित हजारों परीक्षार्थियों पर पुलिस ने भीषण लाठी चार्ज किया और कड़कड़ाती ठंड में पानी की बौछारें की। उनका जमावड़ा सुबह से होने लगा था जिन्हें पुलिस बार-बार चेतावनी दे रही थी कि उन्हें प्रदर्शन की इजाजत नहीं है।

1974 के छात्र आंदोलन की उपज रहे मुख्य मंत्री नीतीश कुमार के निजाम में छात्रों को साथ बर्बरतापूर्ण व्यवहार उनके लिए भारी पड़ सकता है। सिर्फ दिसम्बर में उन पर किए गए। ठंड से ठिठुरन होने के बावजूद उन पर पानी की बौछार करवाने की जरूरत नीतीश कुमार को क्यों पड़ी? अब तक मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का कोई वयान नहीं आया है। बिहार में बीपीएससी परीक्षा में धांधली का लेकर छात्रों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ है। छात्रों की मांग है कि सभी 912 केन्द्रों में बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षाएं दोबारा हों। इस मांग पर पखवाड़े भर से जारी आंदोलन को कुचलने के लिये बिहार सरकार अब बर्बरता पर उतर आई है। रविवार की रात को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास एकत्रित हजारों परीक्षार्थियों पर पुलिस ने भीषण लाठी चार्ज किया और कड़कड़ाती ठंड में पानी की बौछारें की। उनका जमावड़ा सुबह से होने लगा था जिन्हें पुलिस बार-बार चेतावनी दे रही थी कि उन्हें प्रदर्शन की इजाज़त नहीं है। इसे अनसुना करते हुए बड़ी संख्या में एकत्र हुए परीक्षार्थी पुलिस के बल प्रयोग से घायल हुए हैं तथा अनेक लोगों के ख़िलाफ़ पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज हुई है। नौजवानों के इस जुटान का फायदा लेने के लिये जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी पहुंचे और मुख्य सचिव से मिल आये। लौटकर उन्होंने इस बात का श्रेय लेने की कोशिश की कि 'वे 5 प्रतिनिधियों के मिलने की अनुमति लाने में सफल हुए हैं। यदि इसके बाद भी परीक्षार्थी संतुष्ट न हुए तो उससे ऊपर बात की जायेगी।' हालांकि रविवार को जब लाठी चार्ज हो रहा था तो वे मौके से गायब ही हो गये थे। बहरहाल, यह मुद्दा अब लगातार गर्मा रहा है और लोगों में रोष है। अगले साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं जिसके लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य भर में प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। युवाओं के साथ यह जुल्म और उनकी अनसुनी नीतीश व उनकी गठबन्धन सरकार को महंगी पड़ सकती है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70 वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और पुनर्परीक्षा कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल और लाठी चार्ज के मामले को लेकर सोमवार को पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात की। राजभवन से

निकलने के बाद सांसद पप्पू यादव ने कहा कि राज्यपाल ने उनकी बातों को सुना। उन्होंने बताया, " राज्यपाल ने उनके सामने ही बीपीएससी चेयरमैन से बात की और जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को बुलाने की बात कही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से बात करने का भी भरोसा दिया है। बच्चों पर हुए लाठीचार्ज की जांच की बात भी की है।" पप्पू यादव ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर का बिना नाम लेते हुए कहा कि 'फ्रॉड किशोर' ने बच्चों को गालियां दीं। वे बच्चों की ताकत नहीं जानते हैं। निर्दलीय सांसद ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा है। इसमें परीक्षा को पूर्ण रूप से रद्द करने और पुनर्परीक्षा कराने तथा लाठीचार्ज के दौरान महिला परीक्षार्थियों के साथ दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच तथा प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग की है। इससे पहले पप्पू यादव ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते प्रशांत किशोर पर अभ्यर्थियों को धमकाने का आरोप लगाते हुए लिखा, "प्रशांत किशोर ख़ुद नया नेता बने हैं, और छात्रों को धमका रहे हैं, अपनी औक़ात का धौंस दिखा रहे हैं। आज जब धेले भर की चुनावी औक़ात नहीं है तो अहंकार टपक रहा है, छात्रों के सामने बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। छात्र पुलिस से पिट रहे थे आप पीठ दिखाकर भाग गए, सवाल पूछने पर गाली?" दूसरी ओर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलनरत अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मिला हालांकि, इस बातचीत का फिलहाल कोई नतीजा नहीं निकला है। इस बीच छात्रों ने धरना जारी रखने का निर्णय लिया है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल अनु कुमारी ने कहा, "उन्होंने हमारी सारी बातों को सुना, ऐसा लगता है कि निर्णय होगा। उन्होंने कहा कि ब्यूरोक्रेसी में एक पैमाना होता है, निर्णय लेने का। जांच करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के पटना आने के बाद मुलाकात करवाने का भी आश्वासन दिया।" राम कश्यप ने कहा, "उनका कहना था कि एक केंद्र पर 18 हजार बच्चे हैं। ऐसा पहले भी हुआ है कि एक परीक्षा केंद्र की परीक्षा रद्द की गई है। इसके बाद मैंने 28 केंद्रों की सूची सौंपी जिसमें अनियमितता बरती गई। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सुभाष का कहना है कि जब तक निर्णय नहीं होता है तब तक धरना जारी रहेगा। मुख्य सचिव को कुछ सबूत भी दिए गए हैं। हम लोगों ने 4 जनवरी की बापू परिसर में पुनर्परीक्षा को स्थगित करने की बात भी कही है तथा छात्रों पर हुए मुकदमा को वापस करने की मांग रखी गई है। 70वीं संयुक्त (प्रारम्भिक) परीक्षा को लेकर 18 दिसम्बर से प्रदर्शन जारी है। रविवार को परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन का ऐलान कर रखा था। पुलिस ने पहले ही मैदान के सारे गेट बन्द कर दिये। परीक्षार्थी फिर भी मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने लगे। उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। जब वे इसके बावजूद नहीं रुके तो उन के खिलाफ बल प्रयोग किया गया। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा के लिये सितम्बर में विज्ञापन जारी हुआ था। इसमें शामिल होने के लिये लगभग 5 लाख लोगों ने आवेदन किया था। 3.25 लाख ने 13 दिसम्बर को परीक्षा दी परन्तु इसके पर्चे लीक होने, कई कोचिंग संस्थानों द्वारा दिये गये प्रश्नपत्रों से सवाल मिलने तथा अन्य अनियमितताओं के कारण इस परीक्षा को रद्द करने की मांग होने लगी लेकिन बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि 'परीक्षा रद्द होने का सवाल ही नहीं है। बेहतर है कि परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा की तैयारियों में जुट जायें।' यह मुद्दा कहां तक जाता है और सरकार परीक्षार्थियों की मांगें पूरी करती है या नहीं, यह तो आने वाला वक्त ही बतायेगा परन्तु रविवार के प्रदर्शन में हुई पुलिस कार्रवाई का खामियाजा नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) एवं सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के गठबन्धन को भुगतना पड़ सकता है जिन्हें फिर से जनता का सामना करना है। प्रदर्शनकारियों का तो साफ़ कहना था कि 'उनकी परीक्षा के बाद 2025 में नीतीश कुमार सरकार की परीक्षा होगी।'

दृष्टि कोण

खेल जगत ने लिखी सफलताओं की गाथा

2024 का वर्ष खेल जगत के लिए कई मायनों में अद्वितीय, ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रहा। यह वर्ष न केवल नई उपलब्धियों और नए रिकॉर्ड का गवाह बना बल्कि कई युवा खिलाडियों के उदय के अलावा खेल में नई तकनीकों के समावेश का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। खेल संस्कृति में बदलाव और तकनीकी उन्नति के कारण खेलों के अनुभव को नई ऊंचाइयां मिली। वर्ष 2024 भारतीय खेलों में क्रिकेट, ओलंपिक, पैरालंपिक, शतरंज ओलंपियाड और फिडे विश्व चैंपियनशिप में सफलता के लिए याद किया जाएगा। भारतीय एथलीटों ने इस वर्ष विभिन्न अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। वॉलीबॉल और टेबल टेनिस जैसे खेलों में भी भारतीय खिलाडियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। क्रिकेट से लेकर टेनिस, हॉकी, शतरंज के अलावा भारत ने पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भी अपना लोहा मनवाया। भारत का इन खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन रहा, जिससे समस्त देशवासी गौरवान्वित हुए। भारत में आयोजित एशियाई खेल और विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप ने वैश्विक स्तर पर भारत को एक प्रभावशाली खेल मेजबान के रूप में स्थापित किया। एक क्रिकेट विश्व कप, 6 ओलंपिक पदक, 29 पैरालंपिक पदक और दो शतरंज विश्व चैंपियनशिप सहित 2024 ने भारतीय खेल प्रशंसकों को जश्न मनाने के कई ऐसे अवसर प्रदान किए, जिससे खेलों की दुनिया में भारत का भविष्य उज्ज्वल नजर आता है। 2024 में खेलों में तकनीकी उन्नति ने निर्णायक भूमिका निभाई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वर्चुअल रियलिटी ने खिलाडियों के प्रशिक्षण और प्रदर्शन विश्लेषण को नई दिशा प्रदान की। इसके अलावा दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) तकनीक का उपयोग किया गया। विश्वनाथन आनंद के बाद इस वर्ष शतरंज के नए चैंपियन उभरकर दुनिया के सामने आए और शतरंज ने खेल प्रेमियों को जश्न मनाने का भरपूर मौका दिया। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में 45वें चेस ओलंपियाड का आयोजन हुआ था, जिसमें पुरुष वर्ग में 195 देशों की 197 टीमों और महिला वर्ग में 181 देशों की 183 टीमों ने हिस्सा लिया था। भारत की पुरुष और महिला दोनों ही टीमों ने सितंबर में इस ओलंपियाड में पहली बार स्वर्ण पदक जीते, वहीं डी गुकेश और कोनेरू हम्पी ने दिसंबर में विश्व खिताब के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ। 12 दिसंबर को सिंगापुर में आयोजित विश्व शतरंज चैंपियनशिप में गुकेश ने महज 18 वर्ष की आयु में पिछली बार के शतरंज चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनकर नया इतिहास रचा। वह विश्वनाथन आनंद के बाद वैश्विक खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने, वहीं 37 वर्षीया हम्पी ने 28 दिसंबर को अपने कैरियर में दूसरी बार महिलाओं का रैपिड विश्व खिताब जीता। पिछले साल भारत वनडे विश्व कप 2023 का खिताब जीतने से चूक गया था लेकिन इस वर्ष आईसीसी ट्रॉफी जीतने का 11 वर्ष का सूखा समाप्त करने में भारत सफल हुआ। आखिरी बार महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में भारत ने 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी। रोहित शर्मा की कप्तानी में 30 जून 2024 को भारतीय टीम ने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर टी-20 विश्व कप का खिताब जीता। इसी प्रकार भारतीय हॉकी टीम ने पांचवीं बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। भारत की ओर से जुगराज सिंह ने गोल दागा था, जिसकी बदौलत भारतीय टीम ने चीन को 1.0 से मात देते हुए यह खिताब अपने नाम किया। टेनिस में रोहन बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में इटली के सिमोन बोलेली और वावसोरी को मात देकर मेंस डबल्स का खिताब जीता और ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी बने। उन्होंने 43 वर्ष की उम्र में यह खिताब अपने नाम किया। जहां तक ओलंपिक और पैरालंपिक में भारत के प्रदर्शन की बात है तो पूरी उम्मीद थी कि भारत इस वर्ष पेरिस में ओलंपिक में नया इतिहास लिखेगा लेकिन 206 देशों के बीच भारत 71वें स्थान पर रहा और भारत का अभियान 1 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 6 पदकों के साथ समाप्त हो गया, जबकि टोक्यो ओलंपिक में 1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य सहित 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। महिला पहलवान विनेश फोगाट का 100 ग्राम वजन अधिक होने का मामला भारत की पदक उम्मीदों पर सबसे ज्यादा भारी पड़ा था क्योंकि उनके स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदें लगभग पक्की हो चुकी थी। पेरिस ओलंपिक में भारत भले ही टोक्यो ओलंपिक के रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सका, लेकिन पुरुष हॉकी टीम का लगातार दूसरी बार पदक जीतना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा। निशानेबाज मनु भाकर ने तो एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर सनसनी मचा दी। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बनी। टोक्यो ओलंपिक के गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा से स्वर्ण पदक जीतने की सबसे ज्यादा उम्मीदें थी, लेकिन वह रजत पदक ही हासिल कर सके।

कुछ अलग

गौरवमयी इतिहास और तिलचट्टे

देश भर के तिलचट्टो! कसम है तुम्हें उस सड़े हुए खाने की, हर तरफ फैली हुई गंदगी, बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था, अघोषित इमरजेंसी, अव्यवस्थित वातावरण या बिगड़े हुए साम्प्रदायिक माहौल की, सदियों से जिसके होने के बावजूद हम तुरत-फुरत अपनी आबादी बढ़ाने में माहिर रहे हैं। तुम्हें सौगन्ध है उन मृत और सड़े पदार्थों की, जिन्हें हम खाते हैं और शान से नाइट्रोजन को मिट्टी में वापस रिसाइकल करते हैं। लोग भले हमसे डरते रहें, हमें अपनी चप्पलों से मारें या हम पर काला या लाल हिट स्प्रे करें, पर यह एक निर्विवाद सत्य है कि तिलचट्टे, पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। शायद इसी कारण भगवान ने हमें तब भी जिंदा रखा, जब लाखों साल पहले एक क्षुद्र ग्रह पृथ्वी से टकराया था और डायनासोर जैसा भीमकाय जीव भी अपना अस्तित्व खो बैठा था। लेकिन हम तब भी जिंदा रहे और हिरोशिमा तथा नागासाकी जैसे परमाणु बम के विस्फोट भी हमारा बाल न बांका कर सके। यही वजह है कि अल्लामा इकबाल जैसे अज़ीम शायर ने भी हमारी शान में अपने तराना-ए-हिन्दी में कहा है कि, 'यूनान ओ मिस्र ओ रूमा सब मिट गए जहां से, अब तक मगर है बाक़ी नाम-ओ-निशां हमारा। कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-ज़मां हमारा।' हज़ारों साल ग़ुलाम रहने के बाद भी कोई हमारी हस्ती को नहीं मिटा सका। हमारा इतिहास इतना गौरवशाली है कि हमें प्राचीन काल में सोने की चिडिया कहा जाता था। थे हम तब भी कंगले ही, लेकिन कहने में क्या जाता है। सदियों पहले हम घनानंद जैसे राजाओं के अति कर से परेशान थे, पर तब भी जिंदा रहे। आज भी जब कमला ताई का इनकम टैक्स और जीएसटी हमें निचोड़ रहा है, हम तब भी शान से जिंदा हैं। बिना किसी प्रतिरोध के। किसी भी युग में, किसी भी वातावरण से सामंजस्य बिठाने की हमारी इसी ख़ूबी और कला ने हमें आदि काल से अब तक बनाए रखा है। हम अपने इस गौरवमयी इतिहास को कैसे भूल सकते हैं। हम सनातनी हैं। हम पृथ्वी की रचना के समय से ही दुनिया में निरंतर बने हुए हैं। हज़ारों साल की ग़ुलामी भी हम में वह भाव या बोध नहीं जगा सकी, जिसे आत्मसम्मान कहा जाता है। राज चाहे हूणों का रहा या कुशानों का, तुकऱ्ों का रहा या मुसलमानों का, मुग़लों का रहा या अंग्रेज़ों का, क्या मजाल कि हम हस्ती मिटी हो। मिट भी कैसे सकती है, हर हुकूमत को हमने कभी अपनी दीठ और पीठ सौंपने में देर नहीं लगाई। हमारे बिखरे हुए बोध को गांधी जैसे कितने ही युग पुरुषों ने जगाने की भरसक कोशिश की, लेकिन आज़ादी मिलते ही हमने गांधी को गोलियों से भूनने के बाद बाक़ी महापुरुषों को भुलाने में देर नहीं लगाई। आज अंग्रेज़ों से माफी मांगने वाले और गांधी के हत्यारे हमारे आदर्श हैं। क्योंकि हमें पता है कि हमारे यही आदर्श हमें सदियों से जिंदा रखने में मदद करते आए हैं। मु_ी भर लोगों की सत्ता लोलुपता की वजह से देश समय-समय पर विदेशियों की दासता का शिकार रहा, लेकिन हमेशा अपने में खोये रहने वाले हम तिलचट्टे हाड़तोड़ मेहनत करते रहे, हुकूमतों को टैक्स चुकाते रहे और दयनीय जीवन जीते रहे। हमेशा अपने अतीत में खोये रहने वाले हम तिलचट्टे भले दावा करते रहें कि हम सत्य के खोजी हैं, पर हम तो तथ्यों के पीछे भी नहीं जाते। उपनिषद् और श्रुतियों से कोई नाता न रखने वाले हम तिलचट्टे स्मृतियों और पुराणों में जीते हैं। हमारे जीते जी कोई हमें कोड़े मारे या हमारे पकौड़े तले, हम तो केवल गरुड़ पुराण के कहे अनुसार मरने के बाद कोड़े खाने या हमारे पकौड़े तले जाने से डरते हैं।

देश दुनिया से

प्रदेश के युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक

हिमाचल प्रदेश, जिसे शांत वातावरण और स्वच्छ हवा के लिए जाना जाता है, लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए आदर्श माना जाता है। यहां की भौगोलिक स्थिति, पर्वतीय वातावरण और संस्कृति ने इसे हमेशा जीवनशैली में सादगी और स्थिरता का प्रतीक बनाया है। यहां के निवासी प्राकृतिक संसाधनों और शारीरिक मेहनत पर आधारित जीवन जीते आए हैं, जो उनके स्वास्थ्य और लंबी आयु के लिए सहायक रहे हैं। प्रदेश की यह विशेषता न केवल इसे अन्य राज्यों से अलग करती है, बल्कि इसे एक आदर्श जीवनशैली के लिए भी पहचाना जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में इस आदर्श छवि को एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश में हृदय रोग, विशेषकर युवाओं में हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक) के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। जहां एक समय यह समस्या मुख्य रूप से वृद्धावस्था में देखी जाती थी, वहीं अब 30-40 वर्ष की आयु के लोगों में भी यह आम हो गई है। यह स्थिति न केवल प्रदेश के नागरिकों के लिए चिंता का विषय बन गई है, बल्कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों को भी हैरान कर रही है। युवाओं में इन घटनाओं का बढना प्रदेश की स्थिर और शांत जीवनशैली के लिए एक गंभीर चेतावनी है और इसे समय रहते गंभीरता से समझना और समाधान खोजना अनिवार्य हो गया है। हाल के वर्षों में हिमाचल प्रदेश में हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक) की घटनाओं ने गंभीर चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। इन घटनाओं में कई ऐसे मामले सामने आए हैं जिन्होंने प्रदेशवासियों को झकझोर कर रख दिया है। हमीरपुर में विश्व हिंदू परिषद के 46 वर्षीय कार्यकर्ता वीरेंद्र परमार प्रदर्शन के दौरान अचानक गिर पड़े और हृदय गति रुकने से उनकी मृत्यु हो गई। यह घटना न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गहरी क्षति थी। इसी तरह, पालमपुर में एक 19 वर्षीय युवक की हृदय गति रुकने से अचानक मृत्यु हो गई। यह घटना विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि यह युवाओं में तेजी से बढ़ रही हृदय संबंधी समस्याओं को उजागर करती है। क्रिकेट मैदान पर भी एक दर्दनाक घटना घटी, जब एक युवा खिलाड़ी मैच के दौरान हार्ट अटैक का शिकार हो गया। यह घटना खेल गतिविधियों के दौरान शारीरिक स्वास्थ्य पर पडऩे वाले प्रभाव को भी दर्शाती है। सुंदरनगर के रड़ा गांव में सोनू नामक व्यक्ति, जो अपनी गाड़ी में था, अचानक साइलेंट हार्ट अटैक के कारण इस दुनिया को छोड़ गया। इस प्रकार की घटनाएं यह बताती हैं कि हृदय रोग केवल शारीरिक स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे परिवार को सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रभावित करती है। यह घटनाएं इस बढ़ते खतरे की गंभीरता को दर्शाती हैं और इस बात की ओर इशारा करती हैं कि इस समस्या के समाधान के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। वर्तमान समय में हार्ट अटैक जैसी गंभीर समस्याओं के बढ़ते मामलों के पीछे कई कारण हो सकते हैं। हमारा बदलता खानपान, बढ़ता प्रदूषण, और भागदौड़ भरी जीवनशैली इन घटनाओं को बढ़ावा दे रही है। खास तौर पर युवा वर्ग में जंक फूड और पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इन खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्रिजर्वेटिव्स और रसायन हृदय पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। बाजार में खुले में बिकने वाले उत्पाद, जिनकी गुणवत्ता पर कोई निगरानी नहीं होती, भी लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं। इन उत्पादों और इनके प्रभावों की निष्पक्ष और गहन जांच समय की मांग बन चुकी है। इस समस्या का सबसे अधिक असर उन परिवारों पर पड़ता है, जो पहले से ही सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे होते हैं। जब परिवार का एकमात्र कमाने वाला व्यक्ति हार्ट अटैक से अचानक मृत्यु को प्राप्त हो जाता है, तो पूरा परिवार आर्थिक रूप से बिखर जाता है। पत्नी विधवा हो जाती है और बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। यदि कोई युवा, जो परिवार की उम्मीद और भविष्य का सहारा होता है, इस समस्या का शिकार हो जाता है, तो यह घटना न केवल उस परिवार, बल्कि पूरे समाज को चिंतन करने के लिए मजबूर कर देती है। ऐसी घटनाओं के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए निष्पक्ष जांच आवश्यक है। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि बाजार में बिकने वाले सभी खाद्य उत्पाद और अन्य सामान गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हों। जिन उत्पादों में प्रिजर्वेटिव्स और हानिकारक रसायनों का उपयोग किया जाता है, उन पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाएं। इसके अलावा, लोगों में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और सुरक्षित विकल्पों को चुनें। समाज और सरकार दोनों को मिलकर इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। हाल के वर्षों में, सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर यह बहस तेज हो गई है कि कोविड-19 वैक्सीन के बाद हार्ट अटैक की घटनाओं में वृद्धि हुई है। कई लोगों का मानना है कि वैक्सीन के दुष्प्रभाव के कारण हृदय संबंधी समस्याओं में इजाफा हो रहा है। हालांकि, इस विषय पर कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है जो सीधे तौर पर कोविड वैक्सीन और हार्ट अटैक के मामलों में वृद्धि के बीच संबंध स्थापित करता हो। फिर भी, इस मुद्दे ने लोगों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संयोग हो सकता है, लेकिन इसकी निष्पक्ष जांच अत्यंत आवश्यक है, ताकि लोगों की शंकाओं का समाधान हो सके। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, किसी भी वैक्सीन के बाद शरीर में हल्के-फुल्के दुष्प्रभाव जैसे बुखार, थकान या मांसपेशियों में दर्द सामान्य हैं। हालांकि, गंभीर हृदय संबंधी समस्याओं की संभावना बेहद कम होती है। फिर भी यदि समाज में इस तरह की चिंताएं हैं, तो इसे नजरअंदाज करना उचित नहीं है। वैज्ञानिक और चिकित्सा विशेषज्ञों को इस मामले पर गहन अध्ययन और शोध करना चाहिए। इसके साथ ही, आम जनता को सही और सटीक जानकारी प्रदान की जानी चाहिए, ताकि सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर विराम लगाया जा सके। सरकार-स्वास्थ्य संगठनों को इस विषय पर पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए और लोगों को शिक्षित करना चाहिए।

आप का नजरिया

ग्रीन ऊर्जा का ताप

पर्यावरणीय परिदृश्य से ग्रीन राज्य की बागडोर में हिमाचल ने खुद से प्रण किया है, तो संकल्प में ऊर्जा का ताप दिखने लगा है। दरअसल हिमाचल अपना निरीक्षण करता हुआ पूछता रहता है, मैं क्या बनूं? कमोबेश हर सरकार और सरकार के मुखिया ने हिमाचल को कुछ खास बनाने की तरजीह में काम किया है, लेकिन हम अभी तक पूरे नहीं हुए। वाई एस परमार के समय में हिमाचल को हिमाचल से जोडऩे का संकल्प अंततः पंजाब के पहाड़ी इलाकों तक पहुंच गया और धारा 118 के कारण अस्तित्व की मौजूदगी में हिमाचलीयत को सुदृढ़ किया गया, लेकिन हम हिमाचली भाषा के सेतु तक आज तक नहीं पहुंचे। शांता कुमार ने हिमाचल की नदियों में बहते पानी से संबोधन पैदा किए, तो घर-घर तक पीने के पानी का इंतजाम होने लगा और आज जिंदगी इतनी बेहतर हो गई कि जल शक्ति विभाग नित नई परियोजनाओं का पहरुआ बन गया। वीरभद्र सिंह ने विकास के सारे द्वार खोल कर राज्य की तरक्की के मानदंडों को इतना प्रतिस्पर्धी बनाया कि आज हिमाचल के कद से ज्यादा स्कूल-कालेज और चिकित्सा संस्थान बढ़ गए। प्रेम कुमार धूमल ने हिमाचल की दुरुहता को सडक़ों के मार्फत चीरकर समतल कर दिया तो यह रथ आज फोरलेन पर चलने लगा है। जयराम ठाकुर ने निजी निवेश के रास्तों को निचोड़ा तो आर्थिक सरहद के भीतर गैर सरकारी इंतजाम बढ़ गए। इस दौरान हर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय योजनाओं का बेहतर इस्तेमाल किया और आर्थिकी के लिए पहली बार शांता कुमार ने पर्यटन की आंखों से मनोरम वादियों को देखा, तो होटलों की कतार में सरकारी निवेश से वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल और जयराम ठाकुर तक ने एचपीटीडीसी को मुकम्मल किया। हिमाचल के आर्थिक संसाधनों की सीमा में शांता कुमार ने सरकार के व्यय में संयम की लक्ष्मण रेखा खींची, लेकिन बाद में प्रेम कुमार धूमल ने जल विद्युत क्षमता के दोहन को वरीयता दी। हालांकि अपनी क्षमता के दोहन में पहले ही शांता ने मुफ्त बिजली का तोहफा केंद्र से प्राप्त कर लिया था, लेकिन सीमेंट परियोजनाओं से आर्थिकी का इंकलाब मुकम्मल नहीं हुआ। सीमेंट बनने लगा और उसे ढोने के लिए हिमाचल के ट्रक भी बढ़े, लेकिन खजाने पर यह धंधा मेहरबान नहीं हुआ। औद्योगिक निवेश के राष्ट्रीय पैकेज से लाभान्वित हिमाचल ने फार्मा उद्योग का एक बड़ा हिस्सा बीबीएन में बसा दिया, लेकिन इसके मार्फत न पैदा हुआ रोजगार हिमाचली हुआ और न ही जीएसटी की पैदावार से प्रदेश के खजाने को न्याय मिला। जयराम ठाकुर सरकार बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क हासिल करने में सफल रही, लेकिन आर्थिक व व्यावहारिक दृष्टि से इनकी सफलता को देखना अभी बाकी है। इस दौरान हिमाचल का श्रृंगार कई तरह से होता रहा और अब इसी परिप्रेक्ष्य में सुखविंदर सुक्खू की प्राथमिकताएं राज्य को ग्रीन, पर्यटन, जल संसाधनों से संपन्न तथा अपनी बेचारगी से हट कर देखने को मशगूल हैं। वह पर्यटन की परवरिश में कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की सलामी ले रहे हैं, तो वाटर सेस की आजमाइश में हिमाचल की बेडियां तोडऩा चाहते हैं।

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर का ट्रेलर आज होगा रिलीज

न्यू ईयर आते ही साउथ सुपरस्टार राम चरण अपने फैंस के लिए गेम चेंजर लेकर आ रहे हैं जो 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। फिलहाल इसके ट्रेलर को लेकर भी दर्शक काफी एक्साइटेड हैं। फाइनली इसकी डेट भी सामने आ गई है। वहीं दूसरी ओर उनकी फिल्म को लेकर लोगों में इतना क्रेज है कि आंध्रप्रदेश में सुपरस्टार का बड़ा कटआउट लगाया गया जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।राम चरण की गेम चेंजर का ट्रेलर न्यू ईयर पर यानि 1 जनवरी को रिलीज होने जा रहा है। पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे राम चरम और कियारा आडवाणी की फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। फिल्म के निर्माता दिल राजू ने हाल ही में एक इवेंट में फिल्म के बारे में रोमांचक अपडेट शेयर करते हुए कहा कि न्यू ईयर के तोहफे के रूप में गेम चेंजर का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। दिल राजू ने कहा, ट्रेलर तैयार है, लेकिन इसे आपके सामने रिलीज करने से पहले कुछ और काम किया जाना है। ट्रेलर किसी फिल्म की रेंज तय करता है। हम आपको वह अनुभव देने के लिए तैयार हैं। ट्रेलर 1 जनवरी को नए साल के मौके पर रिलीज किया जाएगा।गेम चेंजर निर्माता ने फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के बारे में भी जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि वे आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण को चीफ गेस्ट के रूप में इनवाइट करने का प्लान कर रहे हैं।राम चरण की फिल्म को लेकर तो फैंस पहले से एक्साइटेड हैं इसका पता इस बात से लगाया जा सकता है कि ट्रेलर रिलीज से पहले राम चरण का 256 फीट का कटआउट लगाया है। ये कटआउट सोशल मीडिया पर खूब वायरल है जो दिखाता है कि दर्शकों के बीच राम चरण का कितना क्रेज है।गेम चेंजर एक अपकमिंग पॉलीटिकल एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन मशहूर फिल्म निर्माता एस शंकर ने किया है। कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है और इस फिल्म में राम चरण कियारा आडवाणी के साथ लीड रोल में हैं। फिल्म में राम चरण एक आईएएस ऑफिसर है जो एक भ्रष्ट पॉलीटिकल व्यवस्था को सुधारने के लिए लड़ता है। टीजर से पता चलता है कि राम चरण फिल्म में डबल रोल में हो सकते हैं।

सिकंदर करेगी बॉक्स ऑफिस पर धमाका

हिंदी में 5 हजार स्क्रीन पर रिलीज होगी सलमान की फिल्म

सलमान खान का जादू एक बार फिर शुरू हो गया है। बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर के पहले लुक के साथ ही भाईजान ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस एक्शन से भरपूर स्पेक्टेकल का टीजर सलमान की सिग्नेचर स्टाइल और गुस्से से भरपूर है, जिसने पूरे देश में तहलका मचा दिया है।सिकंदर के टीजर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। टीजर रिलीज़ होते ही दर्शकों और ट्रेड से भारी प्यार और सराहना मिली। सलमान खान की दमदार और पर्सनैलिटी को दर्शाते हुए इस टीजर ने भाईजान की भव्य वापसी का ऐलान कर दिया है। टीजर को ब्लॉकबस्टर प्रतिक्रिया और शानदार रिव्यूज मिले हैं। यूट्यूब पर टीजर को अब तक 5 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।यही नहीं, यह फिल्म केवल हिंदी भाषा में 5000 स्क्रीन पर रिलीज होने जा रही है, जो इसे सलमान खान की अब तक की सबसे बड़ी रिलीज में से एक बनाती है। दिलचस्प बात यह है कि सिकंदर को दर्शकों से ऐसा ऐतिहासिक रिस्पॉन्स मिला है, जैसा सलमान खान की किसी फिल्म को लंबे समय से नहीं मिला था। टाइगर ज़िंदा है के बाद सिकंदर सलमान खान की सबसे बड़ी और बहुप्रशंसित फिल्म मानी जा रही है।सलमान खान की सिकंदर ने टीजर से ही लोगों के दिलों में जगह बना ली है, और अब फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। सलमान खान, रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल स्टारर फिल्म सिकंदर ईद 2025 के मौके पर रिलीज होने जा रही है।कहना गलत नहीं होगा कि इस ईद सलमान खान बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की ओपनिंग और कमाई से इतिहास रचने जा रहे हैं।

अशनूर कौर को फिल्म किसको था पता से मिला शानदार अनुभव

अभिनेत्री अशनूर कौर ने अपनी नई फिल्म किसको था पता में अपने किरदार श्रेयाळ को लेकर बताया कि यह भावनात्मक उतार-चढ़ाव से भरा है, जो कमजोरी, ताकत और फिर से खुद के व्यक्तित्व को खोजने से जुड़ा है। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म के जरिए उन्हें शानदार अनुभव मिला।अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए अशनूर ने बताया, श्रेया एक ऐसा किरदार है, जो हर उस व्यक्ति के साथ गहराई से जुड़ती है, जिसने प्यार की ताकत और उसे खोने के डर को अनुभव किया है। श्रेया का सफर भावनाओं से भरा है।अभिनेत्री ने बताया, मैं ऐसी खूबसूरती से लिखी गई कहानी का हिस्सा बनने के लिए धन्य महसूस करती हूं, जो दर्शकों को प्यार और नियति के अर्थ पर सवाल उठाने पर मजबूर कर देगी। यह पहली बार था जब मैं अकेले शूटिंग कर रही थी और मैं नर्वस थी, लेकिन साथ ही उत्साहित भी थी। मैं जी सिनेमा पर श्रेया के रू प

में दर्शकों के सामने आने के लिए रोमांचित हूं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक उससे उतना ही जुड़ेंगे, जितना मैं जुड़ी थी।रत्ना सिन्हा निर्देशित किसको था पता क्रिसमस पर जी सिनेमा पर रिलीज हुई। रायपुर में सेट की गई रोमांटिक-कॉमेडी में अभिनेत्री के साथ अक्षय ओबेरॉय और आदिल खान अहम रोल में हैं।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अक्षय ओबेरॉय ने बताया, देवांश एक ऐसा व्यक्ति है, जिसकी दुनिया तब बिखर जाती है, जब वह जिससे सबसे ज्यादा प्यार करता है, वह उसे छोड़कर चली जाती है। यह भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण भूमिका थी। इस भूमिका ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। मैं दर्शकों को देवांश के दिल टूटने, ठीक होने और खुद को फिर से खोजने की यात्रा में शामिल करने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकता। मैं बहुत उत्साहित हूं। यह एक ऐसी कहानी है, जो लंबे समय तक आपके साथ रहेगी।अभिनेता आदिल खान ने कहा कि उनका किरदार धैर्य, स्वतंत्र विचारों वाला और ऐसा व्यक्ति है जो जीवन को पूरी तरह से जीने में विश्वास करता है। किसको था पता सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं है, यह एक लाइफ स्टोरी है। मैं रत्ना सिन्हा का आभारी हूं कि उन्होंने प्रतिभाशाली अशनूर और अक्षय के साथ इस भूमिका के लिए मुझ पर भरोसा किया।

अदिति गोवित्रिकर के लिए नए साल का जश्न मतलब परिवार और दोस्त हों साथ

पुरानी यादों के विदाई और नई उम्मीदों के स्वागत करने का समय आ चुका है। ऐसा कहना है मनोरंजन जगत की हस्तियों में से एक अदिति गोवित्रिकर का। कलाकार डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक अदिति ने बताया कि नए साल का जश्न वह कैसे मनाएंगी।

अदिति हमेशा से ही जीवन और उसकी प्राथमिकताओं के बीच संतुलन बनाने में विश्वास करती आई हैं। ऐसे में उनका मानना है कि परिवार के साथ खुशियों को मनाने से वह और भी बढ़ जाती हैं। अभिनेत्री का मानना है कि साल 2024 उनके लिए शानदार रहा। उन्होंने अच्छे और विश्वसनीय काम किए, जिसके लिए उन्हें काफी प्रशंसा मिली।

नए साल पर उनकी क्या योजना है इस पर अभिनेत्री ने स्वीकारा की ये साल काम के लिहाज से काफी व्यस्त रहा, ऐसे में साल को अलविदा कहना है तो वाकई में परिवार और दोस्तों के साथ से बेहतर कुछ नहीं हो सकता।उन्होंने बताया, भगवान की कृपा से साल 2024 मेरे लिए अच्छा रहा। मैंने कई काम करने का आनंद लिया और साल का अंत 'मिसमैच्ड 3' रिलीज के साथ हुआ, जो एक प्रोजेक्ट के रूप में मेरे दिल के बहुत करीब है। अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ नए साल की पूर्व संध्या मनाने और सकारात्मकता को बटोरने के साथ ही साल 2025 का स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं। मेरे सभी प्रशंसकों और प्रेमियों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद और आगे बढ़ने के लिए सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।मिसमैच्ड सीजन 3, 13 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ था।

शाहिद की पत्नी मीरा 2025 में उड़ान भरने को तैयार

नए साल के जश्न के बीच अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा वीडियो साझा किया, जिसमें वह बीते साल को याद कर रही हैं तो वहीं 2025 को लेकर खासा उत्साहित नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय मीरा ने अपनी पोस्ट में 2024 को नई शुरुआत, परिवार और सपनों की तलाश का साल बताया, जबकि 2025 की ओर पूरे जोश के साथ आगे बढ़ने का जज्बा दिखाया। उन्होंने पोस्ट संग लिखा कि वह 2025 के लिए उड़ान भरने को तैयार हैं।

मीरा राजपूत ने कैप्शन में लिखा, 2024 नई शुरुआत, परिवार और सपनों का साल था। 2025 मैं उड़ान भरने के लिए तैयार हूं। वीडियो में शाहिद और उनके दो बच्चों मीशा और जैन संग दिख रही हैं।नए साल के जश्न की तैयारी में डूबी मीरा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर बताया था कि वह नए साल की पूर्व संध्या के लिए कैसे तैयार होती हैं। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया था, नए साल का जश्न कैमरे के लिए तैयार लुक और त्वचा सुबह तक सॉफ्ट रहे। तो मैं यहां बताती हूं कि मैं मेकअप के साथ अपनी स्किनकेयर को कैसे लेयर करती हूं। मीरा ने बताया था, मेकअप लगाने और उतारने के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए रोज मल्टी-एक्टिव सीरम लें। चमक के लिए रेडियंस सीरम लगाएं और मेकअप के दौरान त्वचा को सॉफ्ट और हाइड्रेटेड रखने के लिए मॉइस्चराइजर लगाएं।

मीरा म्यूजिक कॉन्सर्ट या अन्य इवेंट में भी शिरकत करती नजर आती हैं। हाल ही में मीरा, ब्रायन एडम्स के कॉन्सर्ट में रवीना टंडन संग नजर आईं थीं। ये शो मुंबई में आयोजित किया गया था।रवीना और मीरा दोनों ने खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर कॉन्सर्ट की तस्वीरों और वीडियोज को शेयर किया था।

बॉक्स ऑफिस पर गूंज रही मुफासा की दहाड़

100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई फिल्म

बॉलीवुड सुपरस्टार शाह रुख खान की बुलंद आवाज में मुफासा- द लॉयन किंग भारतीय सिनेमाघरों में जमकर दहाड़ रही है। इस एनिमेटेड हॉलीवुड मूवी ने इंडियन ऑडियंस का दिल जीत लिया है। जिसके वजह से बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन के मामले में मुफासा ने धमाकेदार प्रदर्शन करके दिखाया है। वीकेंड पर एक बार फिर से मुफासा की कमाई में भारी उछाल देखने को मिला है। जिसका अंदाजा आप फिल्म के 10वें दिन के कलेक्शन रिपोर्ट के जरिए आसानी से लगा सकते हैं। आइए जानते हैं कि दूसरे रविवार को इस मूवी ने कितने नोट छापे हैं। लंबे अरसे से देखा जा रहा है कि इंडिया में हॉलीवुड फिल्मों को पसंद करने वाले लोगों की तादाद काफी ज्यादा है। फिर चाहें वो मार्वल स्टूडियो की एवेंजर्स फ्रेंचाइजी हो या फिर एनिमेटेड फिल्म मुफासा की सीरीज क्यों न हो। मौजूदा समय में इंडियन बॉक्स ऑफिस पर मुफासा- द लॉयन का दबदबा कायम है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के आधार पर रिलीज के 10वें दिन इस मूवी ने करीब 11.75 करोड़ का कारोबार किया है। मुफासा- द लॉयन किंग की रविवार की कमाई से ये अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है कि छुट्टी के दिन का इसने बखूबी फायदा उठाया है। इसके साथ ही अब मुफासा ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का जादुई आंकड़ा छू लिया है। जो पुष्पा 2 और बेबी जॉन जैसी बड़ी फिल्मों के बीच हासिल करना बड़ी बात है। ध्यान देने वाली बात ये है कि मुफासा- द लॉयन किंग की ये कमाई हिंदी, इंग्लिश, तमिल और तेलुगु भाषा में मिलाकर है। जो ये बताने के लिए काफी है कि इस हॉलीवुड मूवी को हर तबके के फैंस पसंद कर रहे हैं।

बुमराह, रुट सहित चार खिलाड़ी आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित

दुबई, 31 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित किया गया है। बुमराह के अलावा इस पुरस्कार की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रुक भी हैं। बुमराह ने टी20 विश्वकप के आठ मैचों में 15 विकेट लिए, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में लिए दो विकेट भी शामिल हैं, जिससे भारतीय टीम 2024 टी20 विश्व कप में अपराजेय रही है।

बुमराह ने 13 टेस्ट मैचों में 71 विकेट लेकर टेस्ट प्रारुप में भी शानदार रिकार्ड बनाया है। ऑस्ट्रेलिया में चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह 12.83 की औसत से 30 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में सबसे आगे हैं। उन्होंने 200 टेस्ट विकेट भी पूरे किये हैं। वह 20 से कम औसत के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले गेंदबाज हैं।

वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने भी सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किय है। 2023 आईसीसी विश्व कप फाइनल के बाद से ही हेड जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में सात पारियों में 255 रन बनाये थे। इसके अलावा टेस्ट प्रारुप की बात करें तो मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बने हैं।

वहीं इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज रूट भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं। रुट ने 17 टेस्ट में 55.57 की औसत से 1556 रन बनाए हैं। इससे पहले साल 2021 में उन्होंने 1708 रन बनाये थे। छह टेस्ट शतकों और पांच अर्द्धशतकों के साथ, रूट भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के साथ टेस्ट में संयुक्त रूप से पांचवें सबसे ज्यादा 36 शतक बनाने वाला बल्लेबाज बने हैं। रूट ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार विकेट भी लिए हैं। इंग्लैंड के ही युवा क्रिकेट हैरी ब्रूक भी साल के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल हैं। हैरी ने ने 12 टेस्ट में 55 की औसत से 1100 रन बनाए, जिसमें तीन अर्द्धशतक और चार शतक शामिल हैं। जिसमें एक तिहरा शतक भी है।

न्यूज ब्रीफ

फुटबॉलः लिवरपूल के साथ नए अनुबंध से दूर हैं मोहम्मद सलाह

लंदन। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सलाह का कहना है कि वह अपनी टीम को प्रीमियर लीग का खिताब जीतने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन मानते हैं कि वह अभी भी एक नया अनुबंध करने से दूर हैं। मिस्र के इस खिलाड़ी ने सीजन का अपना 20वां गोल किया और रविवार को वेस्ट हैम के खिलाफ लिवरपूल की 5-0 की जीत में कोडी गाकपो को दूसरा गोल करने में मदद की, जिससे वे अंक तालिका में शीर्ष पर आठ अंकों की बढ़त बना सके। हालांकि, जून के अंत में उनका अनुबंध समाप्त होने वाला है, लेकिन सलाह ने अभी तक एक नए अनुबंध के लिए सहमति नहीं दी है और जब खेल के बाद टीवी साक्षात्कार में उनके भविष्य के बारे में पूछा गया, तो मिस्र के फॉरवर्ड ने स्वीकार किया कि वह और क्लब अभी भी उससे बहुत दूर हैं। सलाह ने कहा, मैं मीडिया में कुछ भी नहीं बताना चाहता...मेरे दिमाग में बस यही बात है कि मैं चाहता हूं कि लिवरपूल लीग जीते और मैं उसका हिस्सा बनना चाहता हूं। मैं टीम को ट्रॉफी जिताने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। कुछ अन्य टीमें भी हमसे आगे निकल रही हैं और हमें अपना ध्यान केंद्रित रखना होगा और विनम्र होकर फिर से आगे बढ़ना होगा। सलाह अच्छी फॉर्म मे हैं, क्योंकि लिवरपूल ने अपना शानदार सीजन जारी रखा और रविवार को वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ 5-0 की जीत के साथ प्रीमियर लीग के शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत की।

एसी मिलान के नए मुख्य कोच नियुक्त हुए कोन्सेइकाओ

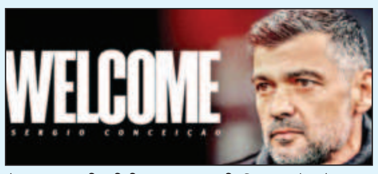

रोम। इतालवी सीरी ए क्लब एसी मिलान ने सोमवार को सर्जियो कोन्सेइकाओ को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनके पुर्तगाली हमवतन पाउलो फोंसेका के पद छोड़ने के कुछ घंटों बाद की गई है। रोमा के पूर्व कोच फोंसेका ने इस ग्रीष्मकाल में क्लब के कोच का पद संभाला था, लेकिन उनकी टीम की असंगतता के लिए आलोचना की गई थी, क्योंकि एसी मिलान एक मैच शेष रहते लीग में केवल आठवें स्थान पर है, जबकि सात बार के चैम्पियंस लीग विजेता ने यूरोपीय शीर्ष अभियान की शुरुआत लगातार दो हार के साथ की थी, लेकिन अब वह लगातार चार जीत के साथ लय में है। इटली के कुछ आउटलेट्स के अनुसार, क्लब ने रविवार को रोमा के साथ एसी मिलान के सीरी ए गेम के शुरू होने से पहले ही यह निर्णय ले लिया था, जो अंततः 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। कोन्सेइकाओ ने पोर्टो की बेंच पर सात सीज़न के साथ अपना कोचिंग स्पेल शुरू करने से पहले, एक पेशेवर के रूप में लाज़ियो और इंटर मिलान के लिए खेला था। 50 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने नए क्लब के साथ जून 2026 तक का करार किया है और वह शुक्रवार को जुवेंटस के साथ सुपरकोपा इटालियाना के सेमीफाइनल में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। दिलचस्प बात यह है कि कोन्सेइकाओ के बेटे फ्रांसिस्को बियानकोनेरी की टीम में हैं।

महिला विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप 2024ः वैशाली ने नॉकआउट चरण के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली ने मंगलवार को बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूयॉर्क में अपने पहले 10 मैचों में से आठ जीतकर महिला विश्व ब्लिट्ज़ चैम्पियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वैशाली दूसरे चरण के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय भी थीं, क्योंकि हाल ही में विश्व रैपिड चैंपियन बनी कोनेरू हम्पी शीर्ष आठ में जगह बनाने से चूक गईं और 8.0/11 के साथ नौवें स्थान पर रहीं। चीन की लेई टिंगजी को छोड़कर, जो 8.5 अंकों के साथ वैशाली के बाद दूसरे स्थान पर रहीं, अन्य सभी योग्य खिलाड़ियों को हम्पी के बराबर अंक मिले। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी का टाईब्रेक सबसे खराब रहा, जिसके कारण वह क्वालीफिकेशन स्पॉट से बाहर हो गईं। दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और हरिका द्रोणावल्ली 11 राउंड में सात-सात अंक लेकर क्रमशः 18वें, 19वें और 22वें स्थान पर रहीं।

दिग्गज भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री ने दो दशक के शानदार करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को कहा अलविदा

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय फुटबॉल के ध्वजवाहक सुनील छेत्री ने 2024 में अपने संन्यास की घोषणा की और दो दशकों से अधिक लंबे करियर को अलविदा कह दिया। भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखने वाले एक विनम्र लड़के से लेकर देश के सर्वकालिक सर्वोच्च स्कोरर और इसके सबसे सम्मानित फुटबॉल आइकन में से एक बनने तक, छेत्री की सर्वव्यापी सफलता वास्तव में उल्लेखनीय है।

छेत्री ने 2002 में मोहन बागान के लिए अपना पेशेवर पदार्पण किया, जहाँ वे 2005 तक खेले और 18 मैचों में आठ गोल किए। हालाँकि शुरुआती साल चुनौतीपूर्ण थे, लेकिन उनकी प्रतिभा ने जल्द ही भारत भर के बड़े क्लबों का ध्यान आकर्षित किया। पिछले कुछ सालों में, छेत्री ने जेसीटी (2005-08), ईस्ट बंगाल (2008-09), डेम्पो एफसी (2009-10), चिराग यूनाइटेड (2011), मोहन बागान (2011-12), चर्चिल ब्रदर्स (2013 लोन पर), बेंगलुरु एफसी (2013-15, 2016-वर्तमान) के लिए खेला और भारतीय क्लब फ़ुटबॉल में एक घरेलू नाम बन गए।

कुल मिलाकर, छेत्री ने अपने पूरे करियर में 365 क्लब मैचों में 158 गोल किए हैं।

उनकी अंतरराष्ट्रीय यात्रा 2005 में शुरू हुई, जब उन्होंने भारत के लिए पदार्पण किया और अपना पहला गोल किया। छेत्री का करियर 2008 एएफसी चैलेंज कप में एक उच्च बिंदु पर पहुंच गया, जहां ताजिकिस्तान के खिलाफ उनकी हैट्रिक ने 2011 एएफसी एशियाई कप के लिए भारत की योग्यता सुनिश्चित की। छेत्री ने विदेश में भी काम किया, 2010 में यूएसए के मेजर लीग सॉकर क्लब कैनसस सिटी विजार्ड्स और 2012-13 में पुर्तगाली क्लब स्पोर्टिंग सीपी के लिए खेला। इन अनुभवों ने उनके खेल को निखारने में मदद की और उन्हें अधिक बहुमुखी स्ट्राइकर बनाया।

भारतीय राष्ट्रीय टीम के कप्तान के रूप में, छेत्री के नेतृत्व कौशल ने खूब चमक बिखेरी। उनकी कप्तानी में, भारत ने वह अनुभव किया जिसे अब देश में आधुनिक फुटबॉल का स्वर्ण युग माना जाता है, जिसमें कई सैफ चैंपियनशिप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीते गए। उनके निर्णायक क्षणों में से एक 2018 इंटरकॉन्टिनेंटल कप के दौरान आया, जहाँ उन्होंने सोशल मीडिया का उपयोग करके अधिक से अधिक प्रशंसकों का समर्थन प्राप्त करने की अपील की, सफलतापूर्वक हज़ारों लोगों को स्टेडियम में लाया और भारतीय फुटबॉल में रुचि बढ़ाई।

छेत्री ने 150 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 94 गोल किए हैं, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में चौथे सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह केवल लियोनेल मेसी (180 मैचों में 106 गोल) और क्रिस्टियानो रोनाल्डो (205 मैचों में 128 गोल) जैसे दिग्गजों से पीछे हैं।

अपने क्लब करियर में, छेत्री ने आई-लीग (डेम्पो के साथ 2009-10 और चर्चिल ब्रदर्स के साथ 2012-13) सहित कई पुरस्कार जीते, साथ ही बेंगलुरु एफसी के साथ भी कई खिताब जीते, जिनमें आई-लीग (2013-14, 2015-16), इंडियन सुपर लीग (2018-19), फेडरेशन कप (2014-15, 2016-17), सुपर कप (2018), और डूरंड कप (2022) शामिल हैं।

छेत्री को प्रतिष्ठित अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) प्लेयर ऑफ द ईयर के खिताब से सात बार (2007, 2011, 2013, 2014, 2017, 2018-19, 2021-22) और एफपीएआई इंडियन प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार से तीन बार (2009, 2018, 2019) सम्मानित किया गया है। उन्हें अर्जुन पुरस्कार (2011) और खेल रत्न पुरस्कार (2021) से सम्मानित किया जा चुका है, जो भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान है। उनके नेतृत्व में, भारत 2018 के बाद पहली बार 2023 में फीफा रैंकिंग में शीर्ष 100 में पहुंचा।

छेत्री की यात्रा न केवल एक फुटबॉल स्टार की है, बल्कि अगली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा भी है, जो यह साबित करती है कि अथक समर्पण और कड़ी मेहनत से क्या हासिल किया जा सकता है।

एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने यशस्वी जयसवाल

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सोमवार को यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच चौथे टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन हासिल की। जयसवाल ने दूसरी पारी में 340 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 208 गेंदों पर 84 रनों की पारी खेली, जिसमें उन्होंने आठ चौके लगाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 40.38 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इस पारी के साथ ही खब्बू बल्लेबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में 1478 रन पूरे कर लिए।

इस उपलब्धि को हासिल करने वाले अन्य भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 2010 में 1562 रन बनाए थे, सुनील गावस्कर ने 1979 में 1555 रन बनाए थे और वीरेंद्र सहवाग ने 2008 और 2010 में क्रमशः 1462 और 1422 रन बनाए थे। हालांकि यशस्वी जयसवाल की यह मैराथन पारी काम न आई और ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 184 रनों से जीत कर पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। दोनों टीमो के बीच पांचवां और आखिरी टेस्ट 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा।

कमिंस ने हेड के जश्न को मजाक से ज्यादा नहीं बताया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने बाक्सिंग डे टेस्ट के अंतिम दिन भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का विकेट लेने के बाद अजीब तरीके से जश्न मनाया था। जिसके बाद से ही हेड के जश्न को लेकर सवाल उठ रहे थे। अब उसी जश्न का मतलब ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बताया है। कमिंस ने मैच के बाद कहा कि मैंने उसका जश्न नहीं देखा पर ये एक मजाक भर था। उसकी उंगली इतनी गर्म है कि उसे बर्फ के कप में डालना पड़ा। यही वह जश्न से संकत दे रहा था। गाबा या कहीं और उसे एक विकेट मिला और वह सीधे फ्रिज के पास गया, बर्फ की एक बाल्टी उठाई, अपनी उंगली उसमें डाली और स्पिनर नाथन लियोन के सामने चला गया।

प्रीमियर लीग फुटबॉल

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में इपसविक टाउन और चेलेसा के बीच मैच में खेलते हुए खिलाड़ी।

खो खो विश्व कप 2025 का शेड्यूल जारी, पहले मैच में 13 जनवरी को भारत का सामना नेपाल से

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)।

खो खो विश्व कप 2025 का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। विश्व कप की शुरुआत 13 जनवरी 2025 को भारत और नेपाल के बीच इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में शाम 7 बजे से होगी।

खो खो वर्ल्ड कप आयोजन समिति के चेयरमैन सुधांशु मित्तल ने बताया की महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले 19 जनवरी को शाम 7 बजे और पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले 19 जनवरी को शाम 8.15 बजे इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किये जायेंगे।

पुरुष और महिला टीमों को चार चार वर्गों में बांटा गया है। पुरुष वर्ग के ए ग्रुप में भारत, नेपाल, पेरू, ब्राज़ील और भूटान को रखा गया है। ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, घाना,

अर्जेंटीना, नीदरलैंड और ईरान को रखा गया है।

ग्रुप सी में बांग्लादेश, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और पोलैंड को ग्रुप सी में रखा गया है, जबकि इंग्लैंड, जर्मनी, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और केन्या ग्रुप डी में है।

महिला वर्ग में भारत, ईरान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया ग्रुप ए में हैं। ग्रुप बी में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, केन्या, युगांडा और नीदरलैंड की टीमें हैं, जबकि ग्रुप सी में नेपाल, भूटान भूटान, श्रीलंका, जर्मनी और बांग्लादेश हैं। दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पोलैंड, पेरू और इंडोनेशिया ग्रुप डी में है। टूर्नामेंट में कुल 90 मैच होंगे।

दोनों वर्गों के क्वार्टर फाइनल मुकाबले 17 जनवरी को खेले जाएंगे। सेमीफाइनल मुकाबले 18 जनवरी को और फाइनल 19 जनवरी को होंगे।

वर्ष 2024 की चार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी के लिए नामित

दुबई, 31 दिसंबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को चार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों को राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी के लिए नामांकित किया है। इन चार महिला क्रिकेटरों में तीन ऑलराउंडर और एक बल्लेबाज शामिल है।

चार नामांकित खिलाड़ियों में एक दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट हैं, जिन्होंने एक वर्ष कैलेंडर में असाधारण प्रदर्शन किया है। उन्होंने सभी प्रारूपों की कप्तान के रूप में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और लगातार बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया। वोल्वाईट ने एकदिवसीय में उन्होंने 87.12 की औसत से 697 रन बनाए, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 184* था। जबकि टेस्ट में उन्होंने 37.16 की औसत से 223 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 122 था। टी20 में उनका प्रदर्शन भी उतना ही प्रभावशाली रहा।

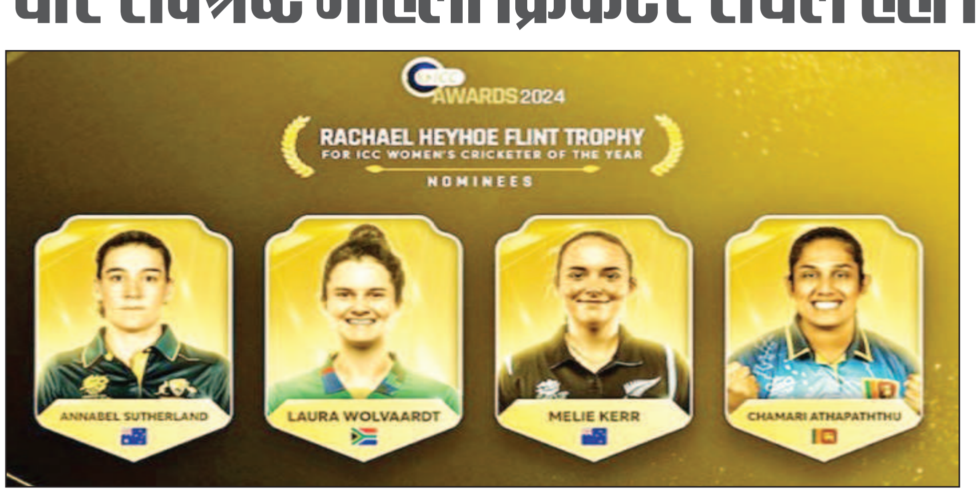

39.58 की औसत से 673 रन बनाए, जिसमें 102 का उच्चतम स्कोर भी शामिल है।

वहीं, श्रीलंका की सभी प्रारूपों की कप्तान चमारी अथापथु के लिए बल्ले और गेंद दोनों से यह वर्ष असाधारण रहा। उन्होंने नौ वनडे मैचों में 65.42 की औसत से 458 रन बनाए, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 195 रहा और उन्होंने 9 विकेट भी लिए। ज्ञ20 में उन्होंने 40 की औसत से 720 रन बनाए और 21 विकेट लिए। पोटचेफस्ट्रूम में एकदिवसीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अथापत्थू की नाबाद 195 रन की पारी खेली थी, जो महिला वनडे इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बन गया। इसके अतिरिक्त, वह जुलाई में महिला एशिया कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं, जिससे श्रीलंका ने 304 रन और तीन विकेट के साथ अपना पहला खिताब जीता।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एनाबेल सदरलैंड ने खुद को 50 ओवर के प्रारूप में प्रमुख ऑलराउंडरों में से एक के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने एक टेस्ट मैच में 210 के उच्चतम स्कोर के साथ 210 रन बनाए और 5 विकेट लिए। वनडे में उन्होंने 52.71 की औसत से 369 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 110 रहा और उन्होंने 13 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर मेली कर ने इस कैलेंडर वर्ष में अपने प्रदर्शन से टीम के लिए कई रिकॉर्ड कायम किए। जिसमें न्यूजीलैंड को पहली बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब दिलाना और एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक महिला टी20 विकेट लेने का राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करना प्रमुख है। उन्होंने नौ वनडे मैचों में 33 की औसत से 264 रन बनाए और 14 विकेट लिए। वहीं, उन्होंने 24.18 की औसत से 387 रन बनाए और 29 विकेट लिए।

WE WISH YOU A

Happy new Year

Wishing you a year filled with
new hopes, new dreams,
and new achievements.

2025

ROCKRAFT™

Kreated by Nature,
Krafted for You....

EXPERIENCE CENTER FOR
LUXURY NATURAL STONE

7-3-45/A, GAGAN PAHAD
OPPOSITE TO INDIAN PETROL PUMP
MANDAL - RAJENDRA NAGAR, RR DISTRICT-500052.

Amit Gupta
Cell : 98490 74178
SST
SHIVSHAKTI STEEL TUBES
Dealers in : All Kinds of G.I.& M.S. Steel Tubes, Fittings,
Iron & Steel & General Order Suppliers
Distributors of :
APL APOLLO
APL APOLLO TUBES LTD.
JINDAL STAR
JINDAL PIPES LIMITED
PRAKASH
SURYA
STEEL TUBES & PIPES
Happy
NEW YEAR
2025
5-2-199 to 200/4, Distillery Road, Ranigunj, Sec`bad - 03.
Godown : D-46 & D-47, Phase - V, IDA Jeedimetla, Hyderabad - 500 055.
E-mail : shivshaktisteeltubes@gmail.com

पीलीभीत मुठभेड़ : होटल जाने से पहले आतंकियों ने खरीदे थे ड्रग्स

पीलीभीत, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। पीलीभीत के पूरनपुर में मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों के बारे में पता करने में जुटी पुलिस और जांच एजेंसियों ने एक मेडिकल स्टोर संचालक से पूछताछ की। सिरसा चौराहा के पास स्थित इसी मेडिकल स्टोर से आतंकियों ने नशे के कैप्सूल खरीदे थे। इसके अलावा पुलिस ने आतंकियों की स्थानीय गतिविधियां पता लगाने के लिए बाजार से जब्त किये गए सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर की भी पड़ताल की।

पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालक से खरीदे गए कैप्सूल व आतंकियों से हुई बातचीत के बारे में पूछा। कई और सवाल भी किए। ये कैप्सूल खरीदने की जानकारी आतंकियों की होटल में रुकने में मदद करने वाले सनी व उसके दोस्त दीपक ने पुलिस को बताई थी।

उन्होंने ही जानकारी दी थी कि हरजी होटल में ठहरने के लिए जाने से पहले आतंकियों ने कैप्सूल खरीदे थे और ढाबे पर खाना खाया था। पुलिस कई और स्थानीय संदिग्ध लोगों से भी पूछताछ कर रही है। आतंकियों को ठहराने के लिए इंग्लैंड से फोन करने वाले आतंकी सिद्धू के संपर्कों को पुलिस ने सोमवार को भी खंगाला।

इसके साथ रविवार को जिन 60 दुकानों के सीसीटीवी चेक किए गए थे, उनकी डीवीआर की जांच सोमवार को भी जारी रही। हालांकि, सोमवार को नगर में सीसीटीवी कैमरों की जांच करने के लिए अभियान नहीं चलाया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार आतंकियों के होटल हरजी में रुकने और निकलने के बाद 23 दिसंबर को मुठभेड़ में मारे जाने के बीच की कई गतिविधियां सामने आई हैं। इन्हीं के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

घटना के बाद से एसपी अविनाश पांडेय लगातार पूरनपुर कोतवाली पहुंचकर प्रकरण से संबंधित जांच-पड़ताल में जुटे हैं। सोमवार को भी एसपी पूरनपुर पहुंचे और कई बिंदुओं पर जांच-पड़ताल की। मामले में जांच में जुटी पुलिस की 12 टीमों को भी जरूरी निर्देश दिए गए। आतंकी मुठभेड़ की दर्ज रिपोर्ट के विवेचक पूरनपुर कोतवाल के अलावा, बीसलपुर, माधोटांडा, गजरौला के थाना प्रभारी भी लगातार पूरनपुर कोतवाली में डेरा जमाए हैं। अभिलेखों की जांच करने के साथ ही अन्य बिंदुओं को भी गहनता से पड़ताल की जा रही है। इसके अलावा कोतवाली में सर्किल के कई थानों की पुलिस फोर्स भी मौजूद रही।

सिरसा गांव निवासी गुरसेवक पर दर्ज मुकदमे और अन्य मामलों को लेकर सिख समाज के लोगों ने सोमवार को पूरनपुर कोतवाली पहुंचकर एसपी अविनाश पांडेय से मुलाकात की। उन्होंने गुरसेवक को साफ छवि का बताया। जांच और अन्य मामलों पर चर्चा की। किसान नेता गुरदीप सिंह गोगी ने बताया कि एसपी से गुरसेवक पर दर्ज मुकदमे और अन्य मामलों को लेकर चर्चा की गई।

सिरसा गांव निवासी गुरसेवक के बारे में अवगत कराया गया कि वह पूर्व में सुरक्षा कर्मी रहा है। शरारती तत्वों ने उसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी है। किसान नेता ने यही भी बताया कि एसपी ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की बात कही है। कहा कि जांच में सहयोग करें और सिख समाज के लोग भी अफवाहों ने बचें। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व कोतवाली क्षेत्र के सिरसा गांव निवासी गुरसेवक सिंह उर्फ सोनू पर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर चर्चाएं तेज

दलित नेता को बनाया जा सकता है नया अध्यक्ष

751 नए मंडल अध्यक्ष बनाए गए

लखनऊ, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भाजपा संगठन की चल रही चुनाव प्रक्रिया में अब जल्द ही प्रदेश अध्यक्ष चुना जाएगा। भाजपा ने संगठन के चुनाव में इस बार दलित और ओबीसी जाति का विशेष ख्याल रखा है। विधानसभा उपचुनाव में पिछड़ों और दलितों के मिले समर्थन से मिली जीत से उत्साहित भाजपा ने संगठन के चुनाव में भी इन दोनों समुदायों को खास तरजीह दी है। संगठन के चुनाव के तहत पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने सोमवार को 1819 मंडल में 751 मंडल अध्यक्षों की सूची जारी कर दी है। इसमें पिछड़ी और दलित जाति की भागीदारी पर खास फोकस किया गया है। हालांकि इस बार कई जिलों में सामान्य जाति को भी जातीय समीकरण के लिहाज से स्थान दिया गया है। अलबत्ता आधी आबादी की संख्या कुछ कम है। शेष मंडल अध्यक्षों की सूची भी अगले दो-

तीन दिनों में जारी कर दी जाएगी। इसके बाद जिलाध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कई जिलों में मंडल अध्यक्ष के चुनाव में आपसी सहमति न बन पाने की वजह से सूची फाइनल नहीं हो पाई है। मंडल अध्यक्षों के चुनाव के लिए 15 दिसंबर और जिला अध्यक्षों के चुनाव के लिए 31 दिसंबर तक की समय सीमा तय की गई थी, लेकिन तमाम जिलों में मंडल अध्यक्ष पद को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में आपसी खींचतान की स्थिति की वजह से समय से चुनाव संपन्न नहीं हो पाए हैं।

प्रदेश नेतृत्व को अब तक 1023 मंडलों से ही अध्यक्षों के नाम के पैनल मिले हैं। इनका परीक्षण करने के बाद ही 751 मंडल अध्यक्षों की सूची जारी की गई है। मंडल अध्यक्ष की घोषणा के साथ ही अब प्रदेश में जिलाध्यक्ष के चुनाव होंगे। मंडल अध्यक्ष के चुनाव में देर होने की वजह से अब जिलाध्यक्षों का चुनाव 15 जनवरी तक हो पाने की संभावना है। मंडल और जिला अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया के बीच नए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भी मंथन शुरू हो गया है। हालांकि इस पद पर चुनाव महीने के अंत तक होने की संभावना है। शीर्ष स्तर पर इस बार प्रदेश अध्यक्ष के लिए पिछड़े और दलित के साथ ही ब्राह्मण चेहरे पर भी चर्चा हुई है। दलित चेहरों में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर और एमएलसी विद्यासागर सोनकर का नाम सबसे ऊपर चल रहा है। इनके अलावा सांसद रामशंकर कठेरिया और विनोद सोनकर का नाम भी चर्चा में है। पिछड़े चेहरे के तौर पर अमरपाल मौर्या, बीएल वर्मा, बाबूराम निषाद और ब्राम्हण चेहरे के तौर पर राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा और बसपा से भाजपा में आए हरीश द्विवेदी के नाम सामने आ रहे हैं।

मार्कशीट में विषय का पूरा नाम न होने पर फिसली नौकरी

45 चयनितों की नियुक्ति फंसी, आयोग को लिखा पत्र

प्रयागराज, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती-2018 की द्वितीय अवशेष श्रेष्ठता सूची में अंग्रेजी विषय के चयनित अभ्यर्थियों की स्नातक की मार्कशीट में विषय का पूरा नाम अंकित न होने के कारण 45 की नियुक्ति फंस गई है।

मार्कशीट में विषय का नाम अंग्रेजी साहित्य होना चाहिए था, लेकिन इन अभ्यर्थियों की मार्कशीट में केवल अंग्रेजी विषय लिखा हुआ है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने जुलाई 2023 में अंग्रेजी विषय में 79 चयनित अभ्यर्थियों के अभिलेखों का सत्यापन किया था। इसके बाद आयोग ने माध्यमिक शिक्षा विभाग को नियुक्ति की संस्तुति की थी। डेढ़ साल बाद अब नियुक्ति के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन विद्यालय आवंटन की प्रक्रिया शुरू की तो पता चला कि 45 अभ्यर्थियों को बाहर कर दिया गया है।

दरअसल, राजकीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक के लिए स्नातक में अंग्रेजी साहित्य विषय की अर्हता निर्धारित है। कई विश्वविद्यालय मार्कशीट में अंग्रेजी साहित्य की जगह केवल अंग्रेजी विषय लिखते हैं और इसी वजह से इन अभ्यर्थियों की नियुक्तियां फंस गई हैं।

इन्होंने स्नातक में अंग्रेजी साहित्य की पढ़ाई तो की लेकिन उनकी मार्कशीट में अंग्रेजी विषय लिखा हुआ है। ऑनलाइन विद्यालय आवंटन के दौरान आवेदन करने पर इन अभ्यर्थियों के नाम प्रदर्शित नहीं हो हो रहे हैं। जो 45 अभ्यर्थी नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर हो गए हैं, उनमें 27 पुरुष व 18 महिला अभ्यर्थी हैं।

महिला अभ्यर्थी प्रिया श्रीवास्तव व ज्योतिका मिश्रा ने आयोग के सचिव को प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि कॉलेज फिलिंग पोर्टल पर रोल नंबर डालने पर कैंडिडेट डज नॉट एग्जिस्ट बता रहा है।

हालांकि, प्रिया व ज्योतिका ने अभिलेख सत्यापन के दौरान डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या की ओर से जारी वह प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत किया था, जिसमें विश्वविद्यालय ने यह प्रमाणित किया है कि बीए में अंग्रेजी व अंग्रेजी साहित्य विषय एक ही है और प्रिया व ज्योतिका ने अंग्रेजी साहित्य विषय की पढ़ाई की है।

प्रिया ने सचिव को लिखे पत्र में बताया है कि वह अब माध्यमिक शिक्षा विभाग व आयोग के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन कहीं से भी उचित जवाब नहीं मिला है। इसी तरह महिला अभ्यर्थी तनु चौधरी ने भी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से जारी प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है। इसमें विश्वविद्यालय ने प्रमाणित किया है कि तनु ने स्नातक में अंग्रेजी साहित्य की पढ़ाई की है और इस विषय के सभी हिस्सों जैसे, प्रोज, पोएट्री, फिक्शन, ड्रामा, मेजर लिटरेरी मूवमेंट, लिटरेरी फॉर्म्स का अध्ययन किया है।

इसके बावजूद तनु ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकीं, क्योंकि मार्कशीट में विषय के आगे केवल अंग्रेजी लिखा हुआ है।

प्रतियोगी छात्र मोर्चा के अध्यक्ष विक्की खान का कहना है कि जब विश्वविद्यालयों ने प्रमाणित कर दिया है कि इन्होंने अंग्रेजी साहित्य की पढ़ाई की है तो इन 45 अभ्यर्थियों की नियुक्तियां रोके जाने का कोई औचित्य नहीं है। आयोग को इनकी नियुक्ति की संस्तुति भी माध्यमिक शिक्षा विभाग को भेज देनी चाहिए। डेढ़ साल से ये अभ्यर्थी अपनी नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। प्रतियोगी छात्र मोर्चा इन अभ्यर्थियों के हक की लड़ाई लड़ेगा।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र का सत्यापन संबंधित जिले के डीएम के माध्यम से कराता है। प्रतियोगी छात्र मोर्चा के अध्यक्ष विक्की खान का कहना है कि डेढ़ साल पहले हुए अभिलेख सत्यापन के दौरान अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र सत्यापित कराने के लिए संबंधित जिलों को भेजे गए थे, इनमें से 17 अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र अब तक सत्यापित नहीं हुए हैं और उनकी नियुक्ति की फाइलें भी अटकी हुई हैं।

दीवाल बना कर गायब कर दिया था मुरादाबाद का हिंदू मंदिर

पुजारी को जिंदा जलाए जाने के बाद से बंद था मंदिर

मुरादाबाद, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद में एक मुस्लिम बहुल इलाके में हिंदू मंदिर मिला है। यह मंदिर पिछले लगभग 4 दशक से बंद पड़ा था। इस मंदिर में शिवलिंग कई खंडित मूर्तियां भी मिली हैं। इसमें कोई जा न पाए, इसके लिए दीवाल भी बना दी गई थी। प्रशासन ने अब दीवाल तोड़कर मंदिर का जीर्णोद्धार चालू कर दिया है। मंदिर 1980 में हुए भीषण दंगों के बाद बंद कर दिया गया था। तब यहां के पुजारी की हत्या कर उन्हें आग में झोंक दिया गया था।

मुरादाबाद में यह मंदिर झब्बू का नाला इलाके में मिला है। यहां अधिकांश आबादी मुस्लिमों की है। इस मंदिर को लेकर पुजारी के परपोते सेवाराम ने डीएम से शिकायत की थी। उन्होंने शिकायत में बताया था कि मंदिर को उनके परदादा भीमसेन ने बनवाया था और इसके बाद उनका ही परिवार इसमें पूजा करता था। उन्होंने कहा था कि 1980 के दंगे में इस मंदिर को बंद करके प्रवेश द्वार पर दीवार बनवा दी गई थी और अब यहां लोग नहीं जाते। उन्होंने मंदिर को खोलने की मांग करते हुए स्थानीय लोगों के साथ प्रदर्शन भी किया था।

इसके बाद सोमवार 30 दिसम्बर को यहां मुरादाबाद नगर निगम और प्रशासन की टीम दल-बल के साथ पहुंची। उसने मंदिर की दीवाल तोड़ी। इसके बाद यहां इकट्ठा हुई मिट्टी को हटाया गया। मंदिर का स्वरूप इसके बाद दिखा। यहां दीवार पर बनाई हुई बजरंग बली की प्रतिमा मिली। यहां से शिवलिंग भी है जिसके पास लेकिन नंदी की मूर्ति थी। मां दुर्गा और काली की प्रतिमाएं खंडित थी। जो मूर्तियां दीवाल में बनवाई गई थीं उनको भी तोड़ दिया गया था। मंदिर में तीन फीट का पक्का फर्श बनवा दिया गया था। यहां की जमीन पर अब पार्किंग चलती थी।

प्रशासन ने मंदिर की खुदाई करवाई है और फर्श तुड़वाया है। अंदर से काफी बड़ा मंदिर सामने आया है। प्रशासन अब मंदिर का जीर्णोद्धार करवा रहा है। यहां जल्द ही काम पूरा कर पूजा चालू करवा दी जाएगी। स्थानीय हिंदुओं को अपना मंदिर वापस पाकर प्रसन्नता है लेकिन इससे कड़वी यादें भी ताजा हो गई हैं। मंदिर के निर्माण को लेकर शिकायत देने वाले सेवाराम इसके वापस मिलने और बुरी हालत देख कर रो पड़े। उन्होंने बताया कि उनके परदादा भीमसेन ने इस मंदिर के निर्माण के जमीन दी थी।

तब इस झब्बू का नाला इलाके में हिंदू आबादी बसा करती थी। सेवाराम ने बताया कि उनके दादा गंगासरन यहां पूजा करते थे। 1980 में जब मुरादाबाद में ईद के बाद भीषण दंगा भड़का तो यह इलाका हिंदुओं से खाली हो गया। सेवाराम ने आरोप लगाया कि दंगाइयों ने उनके दादा गंगासरन को मार दिया और उनकी लाश आग में झोंक दी। इससे उनका शव तक नहीं मिला। इसी के साथ मंदिर बंद हो गया और यहां दीवाल बना दी गई। इलाके से धीमे-धीमे सारे हिंदू चले गए। तब से यह मंदिर बंद था।

यहां कुछ समय पहले एक हिंदू किन्नर आकर बसी थीं। उनका नाम मोहिनी किन्नर है। मोहिनी किन्नर ने बताया कि उनसे मंदिर की यह हालत देखी नहीं गई और उन्होंने बाहर के हिस्से में रंगाई पुताई करवाई। इसके लिए भी पुलिस की मदद लेनी पड़ी थी। मोहिनी किन्नर ने बताया कि वह यहां रोज दिया बाती करती थीं और साथ ही दिवाली पर मंदिर की दीवाल कि सजावट करवाती थीं। अब वह और सेवाराम का परिवार अपने मंदिर को वापस पाकर काफी प्रसन्न हैं।

यह मंदिर जिस 1980 के दंगे के बाद बंद किया गया था। उसमें 83 लोग मारे गए थे। 13 अगस्त 1980 को यह दंगा हुआ था। इसको लेकर 2023 में जांच रिपोर्ट योगी सरकार ने सार्वजनिक की थी। इससे पहले तक दंगे की रिपोर्ट को इसलिए दबा कर रखा गया था क्योंकि इससे असल जिम्मेदार लोगों की पहचान हो जाती। मुरादाबाद में कांग्रेस और मुस्लिम लीग दो बड़े खिलाड़ी थे। मुस्लिम लीग की जमात का नेतृत्व शमीम अहमद और हामिद हुसैन उर्फ अज्जी और उनके समर्थक कर रहे थे, जो उत्तर प्रदेश में मुस्लिम लीग को फिर से खड़ा करना चाहते थे।

वहीं, कांग्रेसी हाफिज मोहम्मद सिद्दीकी की अगुवाई में काम कर रहे थे। इस रिपोर्ट में हिंदू पक्ष के 6 लोगों के लिखित बयान दर्ज हैं, जिसमें साफ-साफ लिखा है कि ये हिंसा अचानक नहीं, बल्कि पूर्व-नियोजित थी।मुरादाबाद में भाजपा के तत्कालीन जिलाध्यक्ष हरिओम शर्मा का भी बयान इस रिपोर्ट में दर्ज है, जिन्होंने कहा था कि ये हिंसा बहुत बड़ी साजिश का महज एक हिस्सा भर ही थी। इस हिंसा के लिए मुस्लिम पक्ष को बाहरी देशों, इस्लामी संगठनों जैसे मुस्लिम लीग, जमीयत उलेमा-ए-हिंसा और तबलीगी-ए-इस्लाम ने फंडिंग की थी।

इस दंगे से तीन महीने पहले से ही कई हिंसक घटनाएं हो रही थीं। गहराए तनाव का फायदा मुस्लिम लीग और कांग्रेस के नेताओं ने 13 अगस्त 1980 को ईद के दिन उठाया। उन्होंने अपने समर्थकों के माध्यम से सुअरों वाली घटना को अंजाम दिया और पूरे मुरादाबाद को दंगों की चपेट में धकेल दिया। भाजपा नेता हरिओम शर्मा ने उस दिन को याद करते हुए बयान में बताया है कि ईद के मौके पर ईदगाह के पास लगाए गए शिविरों में मुस्लिमों की भीड़ ने आग लगा दी। इसमें उन 2 शिविरों को छोड़ दिया गया, जिन्हें मुस्लिम लीग चला रही थी। उस दौरान मुस्लिम लीग के नेता अपने शिविरों (कैंप) के पास ही थे, जबकि उन्हें नमाज में शामिल होना था। इस बात से साफ है कि वो दंगों के प्रति पहले से जानते थे और सारी साजिश उनकी रची हुई थी।

संभल की जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी का काम शुरू

संभल, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। पूजा-पाठ के बाद संभल की कथित जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी का निर्माण शुरू हो गया है।

एडिशनल एसपी ने बताया है कि जल्द ही इस चौकी में कामकाज भी शुरू हो जाएगा। समाचार एजेंसी की तरफ से जारी वीडियो में मजदूरों को काम करते देखा जा सकता है। चौकी की बाउंड्री का काम पूरा हो चुका है। मौके पर भारी पुलिस बल की भी तैनाती है। इसी जगह पर कोर्ट के आदेश के बाद सर्वे के लिए आई टीम पर मुस्लिम भीड़ ने हमला किया था।

24 नवंबर हो हुई इस हिंसा के बाद पुलिस अब तक 50 दंगाइयों को गिरफ्तार कर चुकी है। 91 अब भी फरार हैं। इनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। संभल के डझ कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि हिंसा की तस्वीरों में दिखने वाले कई लोगों की पहचान अब तक नहीं हो पाई। वहीं फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ जल्द ही अदालत से गैर जमानती वारंट लिया जाएगा। संभल के एसपी ने बताया कि हिंसा के मास्टरमाइंड और वजह की पड़ताल जारी है। हमलवारों द्वारा प्रयोग में लाए गए हथियारों का भी स्रोत खोजा जा रहा है।

लीज पर ली गई सरकारी जमीन पर बना दी मस्जिद

बरेली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली से मुस्लिमों के अतिक्रमण का मामला प्रकाश में आया, जहां मत्स्य पालन के लिए लीज पर दिए गए तालाब को मुस्लिम अतिक्रमणकारियों ने पाट कर उस पर मस्जिद बना दी। समय रहते हिंदू संगठनों की सक्रियता चलते एसडीएम ने एक्शन लिया तो फिर मस्जिद के हिस्से को गिराया गया। बरेली में तिलमास गांव में सरकारी जमीन पर एक तालाब है। उसी से सटी एक मस्जिद भी है। कुछ वक्त पहले शहला बेगम नाम की मुस्लिम महिला ने सरकार से वह तालाब 10 साल की लीज पर लिया। इसके बाद मस्जिद इंतेजामिया कमेटी के साथ मिलकर शेहला ने तालाब को पाटकर उस पर मस्जिद बनानी शुरू कर दी। ये सब देखने के बाद भी ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव अपनी आंखें मूंदे बैठा रहा। लेकिन, तालाब की जमीन पर अतिक्रमण किए जाने की खबर पाते ही हिंदू संगठनों ने एक्शन लिया और सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी प्रशासन को दी। साथ ही प्रशासन को यथा स्थिति से रूबरू कराया। बाद में शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एसडीएम तृप्ति गुप्ता, सीओ अंजनी कुमार तिवारी भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में एसडीएम ने मुस्लिम अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी कि तालाब के बाकी हिस्से में पानी होने के कारण नाप कराना संभव नहीं है, लेकिन अगर आपने अतिक्रमण कर रखा है तो उसे तुरंत हटा लें।

अडाणी ने साल जाते-जाते की जमकर कमाई, सूची में चढ़े एक स्थान ऊपर

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)।

दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट रही भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। दुनिया के टॉप 20 अमीर लोगों में से 17 की नेटवर्थ में गिरावट आई। केवल गौतम अडानी, अमेरिका के लैरी एलिसन और एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग की नेटवर्थ में तेजी बनी रही। शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के अधिकांश शेयरों में सोमवार को तेजी नजर आई। इससे अडानी की नेटवर्थ में 3.48 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 80.1 अरब डॉलर की

दुनिया के टॉप 17 अमीर लोगों की नेटवर्थ में आई गिरावट

नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में एक स्थान चढ़कर 18वें नंबर पर पहुंच गए। अडानी टोटल गैस में सोमवार को 11.20 फीसदी तेजी रही जबकि ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 7.65 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। अडानी पावर में 6.46 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी में 2.31 फीसदी और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 2.46 फीसदी की तेजी देखी गई। इसके साथ ही अडानी एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी के करीब पहुंच गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अंबानी की नेटवर्थ में 64.7 करोड़ डॉलर की गिरावट रही। वह 90.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.73 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क की नेटवर्थ में सोमवार को 9.83 अरब डॉलर की गिरावट रही और अब यह 442 अरब डॉलर रह गई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 241 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग 209 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लैरी एलिसन 193 अरब डॉलर के साथ चौथे, बर्नार्ड आरनॉल्ट 176 अरब डॉलर पांचवें, लैरी पेज 170 अरब डॉलर के साथ छठे, सर्गेई ब्रिन 160 अरब डॉलर सातवें, बिल गेट्स 160 अरब डॉलर आठवें, स्टीव बालमर 148 अरब डॉलर नौवें और वॉरेन बफे 142 अरब डॉलर के साथ दसवें नंबर पर जमे हुए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

आरबीआई की ओर से सुरक्षित बैंकिंग के लिए नए निर्देश, और अधिक सुरक्षित होगा आरटीजीएस और एनईएफटी से लेनदेन

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में सभी बैंकों को एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वे आरटीजीएस या एनईएफटी प्रणाली का उपयोग करते समय पैसा भेजने वाले खाताधारकों का नाम वैरिफाई करने की सुविधा प्रदान करें। इस सुविधा की शुरुआत करने के लिए, आरबीआई ने सभी बैंकों को 1 अप्रैल, 2025 तक की डेडलाइन दी है। आरबीआई के इस कदम से धन भेजने वाले लाभार्थी के खाते का नाम और ब्रांच आईएफएससी कोड इनपुट करने के बाद उनकी पहचान किया जा सकेगा। इस तरह गलत क्रेडिट और धोखाधड़ी की संभावना कम हो जाएगी और ग्राहकों के लिए सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित होगा। रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) पेमेंट सिस्टम और नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) सिस्टम के माध्यम से पैसा भेजने पर, लाभार्थी का नाम वैरिफाई करना आसान हो जाएगा। यह सुविधा ग्राहकों के बीच विश्वास और आत्मविश्वास को बढ़ाएगी। आरबीआई द्वारा यह निर्णय लिया गया है क्योंकि इससे ग्राहकों को ऑनलाइन लेनदेन के दौरान अधिक सुरक्षा और सहायता मिलेगी। इस प्रक्रिया को माध्यम से बैंक और उपभोक्ता दोनों को होने वाले किसी भी जोखिम को कम किया जा सकेगा। यह सुरक्षा की नई कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसके इम्पलीमेंटेशन से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी। यहां तक कि भारतीय बैंकिंग सेक्टर में भुगतान प्रणालियों की दिशा में यह एक बड़ा और पहले से ही कीमती कदम साबित हो सकता है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिलाजुला कारोबार

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार होता दिख रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान चौतरफा बिकवाली होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। पिछले सत्र के दौरान डाउ जॉन्स 400 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,906.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 238.44 अंक यानी 1.21 प्रतिशत टूट कर 19,483.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,550.89 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,121.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,313.56 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.38 प्रतिशत फिसल कर 19,909.14 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। जापान, कोरिया और थाईलैंड के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स, कोस्पी इंडेक्स और सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। अभी तक के कारोबार में हैंग सेंग इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,117.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,079.90 अंक के स्तर तक पहुंच गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 144 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,692 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 166.10 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,024.10 के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत फिसल कर 3,788.24 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.60 प्रतिशत टूट कर 3,387.15 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

नए साल के स्वागत में शिमला में पर्यटकों की संख्या में इजाफा

शिमला,31 दिसंबर (एजेंसियां)।

नए साल के आगमन का स्वागत करने के लिए शिमला में पर्यटकों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। बर्फबारी का मजा लेने के लिए शहर के होटल और रिसॉर्ट्स में बुकिंगें हो गई हैं और होटल मालिकों का कहना है कि 31 दिसंबर तक होटल शायद पूरी तरह से भरे जा सकते हैं। यहां पर्यटक नए साल के मौके पर बर्फबारी का मजा लेने आ रहे हैं, लेकिन कुछ उपरोक्त पर्यटकों को बर्फबारी में देरी की खबर थोड़ा निराश कर रही है।

दिल्ली के दिलशाद गार्डन से आए एक पर्यटक ने बताया कि हम शिमला न्यू ईयर मनाने के लिए आए थे और जब यहां पहुंचे थे, तो बर्फबारी हो रही थी। हम यहां क्रिसमस का जश्न नहीं मना पाए, लेकिन अब न्यू ईयर का जश्न मनाने

बर्फबारी का मजा लेने के लिए शहर के होटल और रिसॉर्ट्स में बुकिंग हुई

के लिए आए हैं। माल रोड पर बहुत भीड़ है, लोग यहां घूमने आ रहे हैं। बर्फबारी की उम्मीद अगले दो-तीन दिन में जताई जा रही है, लेकिन फिलहाल हमें कोई आस नजर नहीं आ रही।

हम 2-3 जनवरी तक यहां रुकेंगे, फिर दिल्ली लौट जाएंगे। हरिद्वार से शिमला पहुंचे पर्यटक ने कहा कि यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम अपने दोस्तों के साथ यहां आनंद ले रहे हैं। बर्फबारी की उम्मीद थी, लेकिन अभी तक नहीं हो रही। हम बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि जल्द ही यह देखने को मिले। शिमला का माहौल इस समय बेहद उत्साहपूर्ण है, और पर्यटक यहां के ठंडे मौसम, ताजगी और खूबसूरत दृश्य का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अपने बचाव के...

उनके अनुसार, 2016-17 और 2020-21 तक 5 वर्ष के दौरान 33 लाख एफआईआर दर्ज की गई, लेकिन जांच 2,086 मामलों में ही हुई। वहीं, इसी कानून के तहत ब्रिटेन में 7900, अमेरिका में 1532, चीन में 4691, आस्ट्रिया में 1036, हांगकांग में 1823, बेल्जियम में 1862 और रूस में सालाना 2,764 मामले दर्ज किए गए। उनका कहना था कि भारत वैश्विक स्तर पर धन शोधन रोधी नेटवर्क का एक हिस्सा है। धन शोधन एक ऐसा वैश्विक खतरा है, जिससे कोई भी देश निजी स्तर पर निपट नहीं सकता। इसके लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास जरूरी है।

विदेश भागे...

कभी नकेल कसने की कोशिश ही नहीं की। इस संबंध में आरबीआई के पूर्व गवर्नर एन रघुराम राजन का बयान महत्वपूर्ण है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 2006 से 2008 के दौरान बड़ी संख्या में बैड लोन दिए गए। इनमें बड़ी संख्या में वे लोग थे, जिनका कर्ज चुकाने का इतिहास अत्यन्त खराब था। इसके बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक उदार मन से उन्हें कर्ज देते रहे।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक प्रश्न के उत्तर में संसद को बताया है कि 2015 से 2024 तक बैंकों ने 12.3 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया है। इसमें अकेले 53 प्रतिशत यानी 6.5 लाख करोड़ रुपए सरकारी बैंकों ने माफ किए हैं। 30 सितंबर, 2024 तक सरकारी बैंकों का एनपीए 3.16 लाख करोड़ रुपए था, जो बकाया ऋण का 3.09 प्रतिशत है और निजी बैंकों का एनपीए 1.34 लाख करोड़ रुपए यानी बकाया ऋण का 1.86 प्रतिशत था। एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2019 तक कुल एनपीए का 43 प्रतिशत से अधिक यानी 4.02 लाख करोड़ रुपए केवल 100 कंपनियों के पास था। इनमें 30 कर्जदारों के पास कुल एनपीए के 30 प्रतिशत से अधिक यानी 2.86 लाख करोड़ रुपए बकाया थे। 31 मार्च, 2024 तक 580 कर्जदारों, जिन पर 50 करोड़ रुपए से अधिक का ऋण बकाया है, को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा विलफुल डिफॉल्टर घोषित किया गया है। इनमें अभी तक 3.55 लाख करोड़ रुपए की वसूली की गई है। इन मामलों में बैंकों सहित लेनदारों का कुल दावा 11.45 लाख करोड़ रुपए था, जबकि कुल परिसमापन मूल्य 2.21 लाख करोड़ रुपए था। यानी कर्ज की कुल रकम में से बहुत कम की ही वसूली की जा सकी है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण स्पष्ट कर चुकी हैं कि बैंकों द्वारा दी जाने वाली कर्ज माफी का मतलब यह नहीं है कि कर्ज नहीं चुकाने वालों को माफी दे दी गई। वे बार-बार कहती आई हैं कि बैंकों का जान-बूझकर कर्ज नहीं लौटाने वालों से पाई-पाई वसूली जाएगी। ऐसे लोगों से सख्ती से निपटा जा रहा है, चाहे वे भारत में हों या देश के बाहर। 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सत्ता में आई थी, तब बैंकों का फंसा हुआ कर्ज (एनपीए) चिंता का विषय था। लेकिन एनपीए कम करने के लिए सरकार ने चार आर रणनीति पर काम शुरू किया। इसमें एनपीए की पारदर्शी पहचान, समाधान-वसूली, पुनर्पूंजीकरण और वित्तीय प्रणाली में सुधार शामिल हैं। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। लोन नहीं चुकाने वालों की संपत्ति कुर्क की गई और कानूनी प्रक्रिया के तहत उन्हें बेचा या नीलाम कर बैंकों का उधार चुकता किया गया।इसके अलावा, सरकार ने 2016-17 से 2020-21 के बीच बैंकों में कुल 3.11 लाख करोड़ रुपए की पूंजी डाली, जिससे बैंकों को मदद मिली। वित्त मंत्री द्वारा लोकसभा में दी गई एक जानकारी के अनुसार 2018 से 2022 तक 5 वर्ष में 4.8 लाख करोड़ रुपए की वसूली की गई। इसमें बट्टा खाते में डाले गए कर्ज के 1.03 लाख करोड़ रुपए भी शामिल थे। 2022 तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एनपीए 8.9 लाख करोड़ रुपए से घटकर 3 लाख करोड़ रुपए पर आ गया था। यानी एनपीए में 5.41 लाख करोड़ रुपए की कमी आई।

लोगों के बीच सामान्य सा सवाल उठता है कि विलफुल डिफॉल्टर कौन होता है? इसका जवाब यह है कि यदि कोई व्यक्ति बैंक से कर्ज लेता है और तीन माह यानी 90 दिन तक ईएमआई जमा नहीं करता है तो उसका खाता गैर निष्पादित परिसंपत्ति यानी एनपीए में बदल जाता है। इसके बाद बैंक लोन वसूली की प्रक्रिया शुरू करता है। हालांकि इस प्रक्रिया में ग्राहक को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है। लेकिन यदि किसी के पास पैसा है या वह अच्छी कमाई कर रहा है, फिर भी बैंक का कर्ज नहीं लौटा रहा है, तो बैंक उसे विलफुल डिफॉल्टर घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करता है। इस दौरान भी लोन लेने वाले व्यक्ति को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है। यदि कोई जान-बूझकर लोन की राशि नहीं लौटाता, तो बैंक उसके गारंटर से भी वसूली कर सकता है। बैंक यदि एक बार किसी को डिफॉल्टर घोषित कर देता है, तो उसे नया कर्ज नहीं मिलता। रिजर्व बैंक के नियमानुसार डिफॉल्टर व्यक्ति 5 वर्ष के लिए कोई नया उद्यम नहीं लगा सकता।केंद्र सरकार ने विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसे भगोड़े आर्थिक अपराधियों की संपत्ति कुर्क करने के लिए भी एक कानून बनाया है। भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम-2018 का उद्देश्य आर्थिक अपराधियों को कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए देश छोड़कर भागने से रोकना है। इसके तहत, 100 करोड़ रुपए से अधिक का अपराध करने वाले आर्थिक अपराधियों की संपत्ति जब्त की जा सकती है और विशेष अदालत उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर सकती है। साथ ही, इसमें 180 दिनों के लिए संपत्ति कुर्क करने का भी प्रावधान है। जब्त संपत्ति में अपराध से अर्जित व बेनामी संपत्ति शामिल हो सकती हैं। जब्त संपत्ति को आदेश जारी होने के 90 दिन बाद नीलामी के लिए रखा जाता है। इस अधिनियम के तहत, नीलामी से मिलने वाली रकम को सरकारी कोष या बैंक खाते में जमा किया जाता है। इस अधिनियम के तहत, आरोपी को नोटिस जारी होने के कम से कम छह सप्ताह के भीतर बताए गए स्थान पर पेश होने के लिए कहा जाता है। नोटिस व्यक्ति के पैन या आधार डेटाबेस में दर्ज ईमेल पते पर भी भेजा जा सकता है।इसी वर्ष मई में उन्होंने कहा था कि लोन डिफॉल्टर्स को किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जा रही है। सरकार ने कुल मिलाकर 10 लाख करोड़ रुपए की वसूली की है। 31 मई, 2024 तक ईडी ने कुल 64,920 करोड़ की संपत्ति अटैच की, जबकि 1105 डिफॉल्टर्स के खिलाफ जांच चल रही है। दिसंबर 2023 तक 15,183 करोड़ की राशि सरकारी बैंकों को लौटाई गई। उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा था कि विपक्ष झूठ बोलने और अफवाह फैलाने का आदी हो गया है। उसे लोन वेवर और राइटआफ में अंतर ही समझ में नहीं आता है। सच यह है कि किसी भी उद्योगपति का कर्ज माफ नहीं किया गया।कुछ दिन पहले भी वित्त मंत्री ने लोकसभा को बताया था कि जांच एजेंसियां अपना काम कर ही रही हैं, लेकिन बीते कुछ समय में सरकार ने भगोड़े कारोबारियों की संपत्ति जब्त कर सरकारी और निजी बैंकों का पैसा लौटाया है। सरकार किसी भी भगोड़े को नहीं छोड़ेगी। इस सिलसिले में ईडी ने विजय माल्या की 14,131.6 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर उसे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को लौटाया है। अभी तक ईडी 22,280 करोड़ रुपए की संपत्तियां पीड़ितों या सही दावेदारों को लौटा चुका है। इस बीच, भगोड़े विजय माल्या ने एक्स पर कहा, 6,203 करोड़ रुपए की बजाए उससे दोगुने से अधिक राशि वसूली गई है। साथ ही, यह सवाल भी उठाया कि ईडी और बैंकों का देय राशि से दोगुना अधिक वसूलने का आधार क्या है? दोगुने से अधिक कर्ज की वसूली के बावजूद मुझ पर आर्थिक अपराधी का ठप्पा लगा हुआ है। जब तक ईडी और बैंक इसे कानूनी रूप से सही नहीं ठहराते, मैं राहत का हकदार हूं।इसी तरह, सरकार ने नीरव मोदी की 1,052.58 करोड़ रुपए की संपत्ति को नीलाम कर बैंकों के पैसे लौटाए हैं। मेहुल चोकसी की भी 2,565.90 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है, जिसे नीलाम किया जाएगा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड मामले में धोखाधड़ी के शिकार निवेशकों को 17.47 करोड़ रुपए की संपत्ति पहले ही लौटाई जा चुकी है। इसके अलावा, विदेशी काला धन मामले में उन्होंने कहा, 2015 का काला धन अधिनियम बहुत से करदाताओं को पर निवारक प्रभाव डाल रहा है। वे अपनी विदेशी संपत्तियों का खुलासा करने के लिए खुद आगे आ रहे हैं। विदेशी संपत्तियों का खुलासा करने वाले करदाताओं की संख्या 2024-25 में 2 लाख हो गई, जो 2021-22 में 60,467 थी। इस अधिनियम के तहत 17,520 करोड़ रुपए से अधिक की मांग की गई है और 163 अभियोग चलाए गए हैं।एबीजी शिपयार्ड की हेराफेरी एसबीआई के आडिट में पकड़ी गई थी। इस सिलसिले में सितंबर 2022 में सीबीआई ने कंपनी के प्रमोटर ऋषि अग्रवाल को गिरफ्तार भी किया था। इसी तरह, अभी कुछ दिन पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कॉनकास्ट स्टील एंड पावर के मालिक संजय सुरेका के 13 ठिकानों पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए)-2002 के तहत छापेमारी कर सुरेका को गिरफ्तार किया था। सुरेका पर 16 बैंकों से 6,210 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। ईडी ने सुरेका के कोलकाता स्थित घर से 4.5 करोड़ रुपए के सोने के आभूषण और लग्जरी कारें जब्त की हैं। ईडी यह जांच कर रहा है कि बैंकों का पैसा विदेशों में कैसे भेजा गया? बता दें कि नवंबर 2017 में कॉनकास्ट स्टील एंड पावर लगभग 10,000 करोड़ रुपए के बकाये के साथ दिवालिया हो गई थी।इससे पूर्व ईडी ने 2018 में आरईआई एग्रो के प्रबंध निदेशक संदीप झुनझुनवाला को गिरफ्तार किया था। यह कार्रवाई भी धनशोधन मामले में की गई थी। कंपनी पर 3,637 करोड़ रुपए का कर्ज बाकी है। झुनझुनवाला के खिलाफ सीबीआई ने भी मामला दर्ज किया था। आरबीआई की विलफुल डिफॉल्टर की सूची में एरा इन्फ्रा इंजीनियरिंग के प्रमोटर एचएस भड़ाना का नाम चौथे स्थान पर है। एनसीएलटी ने इस वर्ष जून में एसए इन्फ्रा स्ट्रक्चर कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को एरा इन्फ्राक के अधिग्रहण को मंजूरी दी थी।भगोड़े आर्थिक अपराधियों में विनसम डायमंड्स के प्रमोटर जतिन मेहता का भी नाम है। मेहता पर लगभग 8,000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोप हैं। जब कर्ज चुकाने की बारी आई तो वह ब्रिटेन भाग गया। 2022 में लंदन की एक अदालत ने मेहता और उसके परिवार के खिलाफ फ्रीजिंग आर्डर जारी किया था, जिसे उसने उच्च अदालत में चुनौती दी थी। लेकिन वहां से उसे राहत नहीं मिली थी। इस मामले में भी कांग्रेस ने राजग सरकार को घेरती रही है। लोन नहीं चुकाने वालों की सूची में हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की कंपनी गीतांजलि सबसे ऊपर है। जनवरी 2018 में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का घोटाला सामने आने से पहले ही वह अपने भतीजे नीरव मोदी के साथ देश छोड़कर भाग गया। वह तब से एंटीगुआ में रह रहा है, जबकि नीरव मोदी मार्च 2019 से ब्रिटेन की जेल में बंद है।सरकार ने अक्टूबर 2018 में 3,700 करोड़ रुपए के अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलिकॉप्टर घोटाले के मुख्य आरोपी क्रिश्चियन मिशेल सहित दो बिचौलियों के प्रत्यर्पण की मांग की थी। 2015 में गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी होने और उसके बाद रेड कॉर्नर नोटिस के बाद मिशेल को दुबई से गिरफ्तार किया गया और 4 दिसंबर, 2018 को भारत प्रत्यर्पित किया गया था। अभी वह हिरासत में है और उसका मामला न्यायालय में विचाराधीन है। इसी तरह, दुबई स्थित व्यवसायी राजीव सक्सेना को 3,600 करोड़ रुपए के घोटाले में 31 जनवरी, 2019 को भारत प्रत्यर्पित किया गया था।लंदन की वेस्ट मिन्स्टर अदालत ने तो विजय माल्या के प्रत्यर्पण की मंजूरी भी दे दी है, लेकिन उसने इस आदेश के खिलाफ लंदन की उच्च अदालत में अपील दायर कर रखी है। विजय माल्या 2016 में भारत छोड़कर भाग गया था। उस पर विभिन्न बैंकों का 9,000 करोड़ रुपए का गबन करने का आरोप है। इसी तरह, मेहुल चोकसी और नीरव मोदी पर 14,000 करोड़ रुपए से अधिक के घोटाले का आरोप है। पीएनबी के अधिकारियो की मिलीभगत से इन्होंने 2011 से 2018 के बीच फर्जी लेटर आफ अंडरटेकिंग्स के जरिए विदेशी खातों में पैसे हस्तांतरित किए थे। 2018 में भागने से पहले चोकसी ने 2017 में एंटीगुआ-बारबुडा की नागरिकता ले ली थी। इस घोटाले की जांच कर रही सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियां चौकसी के प्रत्यर्पण के प्रयास में जुटी हैं।आर्थिक अपराधी देश से बाहर नहीं भाग सकें, इसके लिए सरकार ने कानून भी बनाया है। कुल मिलाकर बैंकों का पैसा लेकर भागना अब आसान नहीं है। जो भाग गए हैं, वे इस बात को बहुत अच्छी तरह जान और समझ रहे हैं। रही बात वसूली की तो सरकार उनकी संपत्तियां जब्त कर उससे वसूली भी कर रही है और विदेशों से ऐसे अपराधियों को प्रत्यर्पित भी करा रही है।

एनपीए का ...

कांग्रेस के नेता सीधे बड़े बैंकों के प्रबंधकों को फोन कर लोन के लिए सिफारिश करते थे। जब कर्ज लौटाने का समय आता था, तब पुराना कर्ज वसूलने की बजाय कारोबारियों को नया कर्ज दे दिया जाता था। इस कारण सरकारी बैंकों पर कर्ज का बोझ बढ़ता गया। उन्होंने यहां तक कहा था कि कांग्रेस सरकार इस कोशिश में थी कि अगर वह 2009 में चुनाव हार जाती है तो उससे पहले जितना हो सके देश के बैंकों को खाली कर दे। लेकिन 2009 में कांग्रेस फिर से सत्ता में आ गई और संप्रग के दूसरे कार्यकाल में भी बैंकों की लूट जारी रही। साथ ही, उन्होंने 12 बड़े डिफॉल्टर्स से 45 प्रतिशत राशि वसूलने की बात भी कही थी।

एनवीएस-02...

जिसमें विभिन्न मॉड्यूल शामिल हैं, जिन्हें अलग-अलग समय पर लॉन्च किया जाएगा और दो अलग-अलग मॉड्यूल में एकीकृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन मॉड्यूल को कक्षा में पहुंचने और फिर पृथ्वी की कक्षा और चंद्रमा की कक्षा दोनों में डॉक करने की आवश्यकता है। अंतिम डॉकिंग प्रक्रिया 7 जनवरी को पूरी होने की उम्मीद है।

कश्मीर में शांति...

रोहिंग्याओं से जुड़े मुद्दे पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के बयान पर उपराज्यपाल ने नाराजगी जताई और कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को संसद में तय लाइन से इतर बात नहीं करनी चाहिए।जम्मू में हुए विकास की चर्चा करते हुए उपराज्यपाल ने कहा, किसी भी क्षेत्र के विकास में कनेक्टिविटी की बड़ी भूमिका होती है। रेल, रोड, एयर, डिजिटल, वाटर ये कनेक्टिविटी के मुख्य साधन हैं। इस डर में रहने की जरूरत नहीं है कि जम्मू का क्या होगा। कोई जू देखने आता है, कोई सुचेतगढ़ बॉर्डर जाना चाहता है। कोशिश होनी चाहिए कि जम्मू में इस तरह के और भी प्रयास हों, ताकि लोग बड़ी संख्या में आएं। नए इंफ्रास्ट्रक्चर से विकास होता है। कारोबार को गति मिलती है। नौकरी के अवसर बढ़ते है। गुणवत्ता बढ़ती है। उन्होंने कहा, राज्य में बदलाव साफ-साफ दिख रहा है। कश्मीर में भी लोग नाइट लाइफ का आनंद ले रहे हैं। लाल चौक, झेलम रिवर फ्रंट पर चहल-पहल रहती है। आम आदमी अपनी मर्जी से जम्मू-कश्मीर में जाने लगा है।

डिजी यात्रा के...

अगर यूजर डिजी यात्रा एप को डिलीट करते हैं तो पूरा डेटा भी डिलीट हो जाएगा। साथ ही एयरपोर्ट सिस्टम से भी यात्रियों का डेटा विमान के उड़ान भरने के 24 घंटे बाद स्वचालित तरीके से हट जाता है। यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि डिजी यात्रा सिर्फ घरेलू यात्रियों के लिए बनाई गई है और यह अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर लागू नहीं होती है।आयकर विभाग ने भी इन शिकायतों को खारिज कर दिया है। डिजी यात्रा एप की मदद से एयरपोर्ट्स पर बोर्डिंग की प्रक्रिया तेजी और सहज हो जाती है। फेशियल रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी (एफआरटी) पर आधारित डिजी यात्रा, हवाई अड्डों पर विभिन्न चेकपॉइंट्स पर यात्रियों की संपर्क रहित, निर्बाध आवाजाही प्रदान करती है। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक दिसंबर 2022 को डिजी यात्रा एप की शुरुआत की थी। डिजी यात्रा के लिए यात्री द्वारा साझा किया गया डेटा एन्क्रिप्टेड फॉर्मेट में संग्रहीत किया जाता है। सेवा का लाभ उठाने के लिए, यात्रियों को आधार-आधारित सत्यापन और खुद की तस्वीर डिजी यात्रा ऐप पर अपलोड करनी होती है। अगले चरण में, बोर्डिंग पास को स्कैन करना होगा और क्रेडेंशियल को हवाई अड्डे के साथ साझा करना होता है।

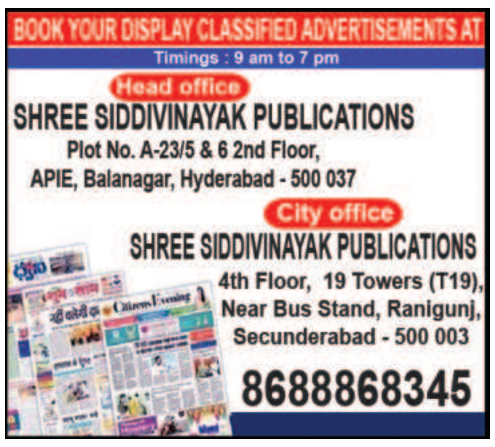

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 01 जनवरी, 2025

सत्संग से खुद के जीवन को महकाएं : सुधांशु महाराज

नागरिक अभिनन्दन व गुरु आरती के साथ अमृत महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व जागृति मिशन के प्रमुख मण्डल हैदराबाद के द्वारा आयोजित विराट भक्ति सत्संग का विधिवत समापन हुआ। अन्तिम सत्संग में बोलते हुए सुधांशु महाराज ने कहा कि अपने ऊपर ऐसे भक्ति उत्पन्न करें कि जिससे पूरा जीवन सत्संग से महक उठे। उन्होंने जीवन में रूपांतरण के लिए कई महत्वपूर्ण बातों का भी जिक्र करते हुए अपनी पूरी श्रद्धा और समर्पण से गुरु का होकर सत्कर्म करने को कहा।

देश के जाने माने आध्यात्मिक गुरु एवं विश्व जागृति मिशन के कल्पनापुरुष परम श्रद्धेय सदगुरुदेव श्री सुधांशु महाराज ने आगे कहा कि भगवान श्रीकृष्ण श्रीमद्भागवत गीता में कहते हैं कि दूसरों के साथ वह व्यवहार बिल्कुल भी न करें जो आपको खुद के लिए पसन्द नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति की जिस दिशा जैसी होगी, उसकी दशा भी वैसी ही होगी, व्यवस्थित हो जाएंगे व्यथा खुद ही भाग जाएंगे।

दूसरों के लिए मदद सोचने से परमात्मा की कृपा होती है। हर समय अपने चेहरे पर मुस्कुराहट और परमात्मा का धन्यवाद करें।

इस शुभ मौके पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एवं भारतीय जनता पार्टी के विधायक एवं गौ प्रेमी टी. राजा ने सत्संग में शामिल होकर पूज्य गुरुदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा सत्संग का श्रवण किया। चार दिवसीय भक्ति सत्संग महोत्सव का समापन नागरिक अभिनन्दन एवं गुरु आरती के साथ सम्पन्न हुआ।

हैदराबाद मण्डल के प्रधान एवं विश्व जागृति मिशन के अंतरास्ट्रीय प्रधान तथा पूर्व विधायकप्रेम सिंह राठौर ने सत्संग महोत्सव को सम्पन्न कराने में लगे राज्य सरकार सहित सभी भक्तों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए गुरु कार्य में सतत लगे रहने को कहा। इस अवसर पर 200 से अधिक व्यक्तियों ने पूज्य सुधांशु महाराज से गुरु मंत्र दीक्षा संस्कार ग्रहण किया। कार्यक्रम का संचालन नई दिल्ली से आए आचार्य अनिल झा ने किया।

डॉ. अजय अग्रवाल को महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉनिक अवार्ड

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रिटिश पार्लियामेंट में भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित एवं इंटरनेशनल चैम्बर्स ऑफ़ पब्लिक रिलेशन्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय अग्रवाल को महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉनिक अवार्ड-25 के लिए चयन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार अखिल भारतीय

अग्रवाल संगठन द्वारा जनसम्पर्क एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए अग्र अलंकरण समारोह के अवसर पर रविवार, 5 जनवरी 2025 को प्रातः 10.30 बजे अंबेडकर ऑडिटोरियम, जनपथ नई दिल्ली में डॉ. अजय अग्रवाल को महामण्डेलेश्वर परम पूज्य गीता मनीषी, ज्ञानानन्द महाराज की उपस्थिति में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉनिक अवार्ड-25 से उन्हें नवाजा जाएगा।

नायडू ने टीटीडी अनुशंसा पत्रों पर रेवंत के अनुरोध को स्वीकार किया

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने तेलंगाना सीएम ए. रेवंत रेड्डी के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है, जिसमें उन्होंने श्रद्धालुओं द्वारा तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के विशेष दर्शन के लिए तेलंगाना के सांसदों, विधायकों और एमएलसी द्वारा जारी किए गए अनुशंसा पत्रों पर विचार करने का अनुरोध किया था।इससे पहले, रेवंत रेड्डी ने 16 दिसंबर को नायडू को एक पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि तेलंगाना के विधायकों द्वारा अनुशंसा पत्रों को स्वीकार करने की पुरानी परंपरा को बहाल किया जाए और भक्तों को मंदिर में विशेष दर्शन और विशेष पूजा करने का अवसर प्रदान किया जाए।

जट समाज ट्रस्ट मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में दो दिवसीय भजन संध्या एवं बोलियां कार्यक्रम रविवार, दि. 29 एवं 30 दिसंबर को जाट समाज ट्रस्ट मंदिर, अलमासगुड़ा,, वीएन रेड्डी नगर, वनस्थलीपुरम, हैदराबाद में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर भजन संध्या व बोलियां कार्यक्रम में गायक गजेंद्र राव, ओम मुडेल, संजु राव एवं एंकट शैतान सिंह ने अपनी प्रस्तुति दी। ऐतिहासिक दो दिवसीय भजन संध्या एवं बोलियां कार्यक्रम में समाज के सभी भाषाशाओं ने बढ चढकर भाग लिया एवं कार्यक्रम को सफज बनाने में सहयोग किया। समाज बंधुओं ने एकता का शानदार परिचय दिया। अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष दूदाराम बाबल, संरक्षक मोहनलाल बागडा, सचिव बाबूलाल पुनिया, कोषाध्यक्ष लिक्माराम खांखर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

समाजसेवी गोविंद राठी का सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी प्रगति समाज के महामंत्री एवं समाजसेवी गोविंद राठी का 73वां जन्मदिवस कोठी स्थित हसमतगंज में मनाया गया ।गोविंद राठी फैन्स क्लब तथा हश्मतगंज रेसीडेंट्स असोसिएशन द्वारा कोठी हश्मतगंज स्थित गोविन्द राठी के आवास पर राजनीतिक नेताओं, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने राठी से भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित होने वालों में गोशामहल के विधायक राजा सिंह, डॉक्टर भगवंत राव, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़, पार्षद शंकर यादव, डॉ मोहन गुप्ता, लाल सिंह, डॉ रामविलास साबू, दामोदर गुप्ता, रमेश बांग, राजेश्वर यादव, प्रभाशंकर जी, प्रवीण कुमार, सुमित राठी, अमित राठी, नागनाथ जी, राम कृष्णा पांडे, गोविंद ईनाणी, सत्यम, राहुल शशि, जसमत पटेल, तरुण मेहता, रिद्धीश जागीरदार, कैलाश दलिया, पांडू यादव, किशन यादव, महेंद्र व्यास, बाबू गुरु, श्री राम विकास, नंद गोपाल भट्टड़ , कलावती जाजू, कमला राठी, मनोज जायसवाल, घनश्याम तोषनीवाल, गोपाल भंडारी, राधेश्याम चांडक, आनंद शर्मा, राम भंडारी, ब्रिज गोपाल भूतड़ा, अरविंद कुमार, डी गोपाल, पवन मिश्रा, जुगल सोनी , श्रीनिवास मेघा रानी अग्रवाल ,नवल सांखला, राजकुमार सांखला ,देवेंद्र कीमती अशोक कीमती एवं अन्य ने राठी को बधाइयाँ दीं तथा पुष्पगुच्छ भेंट एवं शाल से सम्मानित किया।

जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जयसवाल ने मंगलवार को टैंकबंड स्थित जीएचएमसी मुख्यालय मेंगोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के लिए स्ट्रीट लाइट उपलब्ध कराने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। इस अवसर पर डॉ. ओमप्रकाश सुरेखा, श्रीमती शशिकला, नरहरि, रमेश, नितिन, कृष्णा अन्ना, अरविंद, संदीप, हरिनाथ, विनोद और वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए।

गौ सेवा मित्र मंडल द्वारा गौ माता के लिए छप्पन भोग कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौ सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वारा नव वर्ष के उपलक्ष में गौ माता के लिए छप्पन (56) भोग का आयोजन श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार छप्पन भोग कार्यक्रम में छप्पन प्रकार से अधिक लगभग 80 प्रकार के वस्तुएं जिसमें अनाज, ड्राईफ्रूट, मिठाई अन्य प्रकार प्रकार के रोटी, गुड़, चारा, घांस एवं अन्य वस्तुएं गौ माता के लिए खिलाई गई। जिससे 6000 से अधिक हो गौ माताओं ने भोजन ग्रहण किया और श्याम पापा को गौ माता के ऊपर सवार श्रृंगार के लिए अद्भुत नजारा देखने को मिला। इस अद्भुत सोच के पीछे गौ सेवा मित्र मंडल के मनोज अग्रवाल एवं पुरी टीम के योगदान सहयोग से सफल हुआ।

कार्यक्रम में गायक संदीप अग्रवाल भजन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभुदत्त महाराज द्वारा पूजा अर्चना की गई। जिसमें गोपाल बल्देवा, नित्या पारीक एवं अन्य सदस्यों लिया।

उक्त कार्यक्रम में गौ सेवा मित्र मंडल के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, सदस्य अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, यश अग्रवाल, शेष गोयल, अभिषेक अग्रवाल, सुनील जयलिया, रविंदर अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अनिल विजयवर्गीय, विनोद राठी, राजेश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, महेश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल एवं अन्य भक्तजन उपस्थित रहे।

आगामी 3 से 5 जनवरी तक ऋष्य श्रृंग भवन फीलखाना पर होने वाले रुक्मणि मंगल विवाहोत्सव की तैयारियों के अंतिम स्वरूप देने के लिए बैठक का आयोजन ऋष्य श्रृंग भवन में किया गा। जिसमें सभी समाज बँधुओं तथा माताओं बहनों को उनकी जवाबदेही सौंपी गयी तथा कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए मंथन कर कार्यों का जायजा लिया गया। आयोजन समिति ने सभी द्वारा अपने-अपने कार्यों के प्रति सजगता से संतुष्ठ हुए। मुख्य यजमान नंदकिशोर व्यास बिलाल तथा लालचंद उपाध्याय को निमंत्रण पत्र दिया गया, श्रीमती रेखा उपाध्याय के धन्यवाद से सभा का समापन हुआ ।

5 जनवरी से माहेश्वरी भवन बेगम बाज़ार में आयोजित होने वाले बधर माता के जागरण की तैयारियों की जानकारी बधर माता सेवा समिति के संस्थापक परामर्शदाता सत्यनारायण मर्दा और रामकिशन सोमानी अमीरपेटवालो को देते हुए समिति के अध्यक्ष राजेश सोमान, मंत्री गोविंद सोमानी, उपाध्यक्ष रमेश मर्दा, राजगोपाल मर्दा और सुरेश सोमानी। कार्यक्रम में वैवाहिक जीवन के 50 से अधिक वर्ष पूर्ण करने वाले दम्पति का सम्मान किया जाएगा।

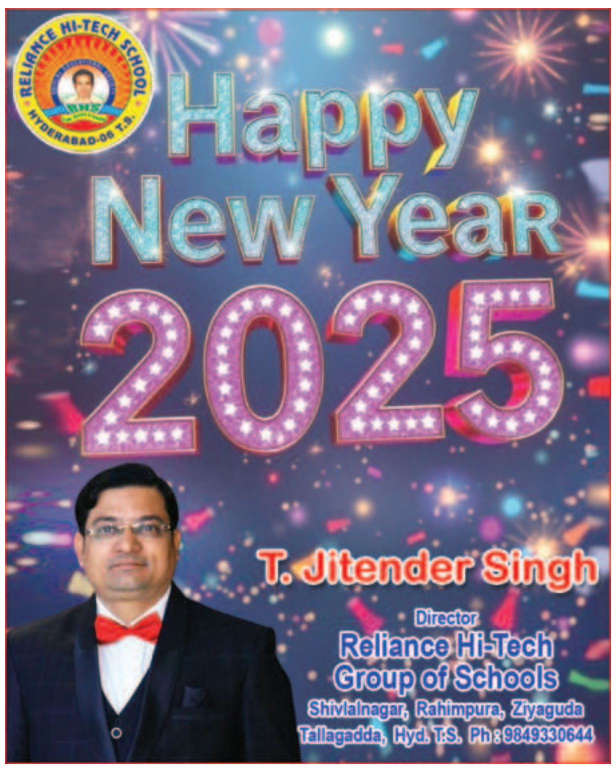

माथुर वैश्य सोसाइटी द्वारा आयुष्मान भारत तथा आभा हेल्थ कार्ड बनाए गए। सदस्यों में तैयार कार्ड बांटे गए। इस अवसर पर सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

नव वर्ष
2025
की
हार्दिक
शुभकामनाएँ
स्वर्णिम बने भविष्य आपका,
जीवन हो सुगम-सफल,
एक नया संकल्प लेकर आप,
नव वर्ष को बनाए उज्जवल।
2025
TECHNOSTRENGTH PVT.LTD
An ISO 9001:2015,14001:2015 and OHSAS 18001 Company
Oil Field Equipment and Gas Turbine Auxilliaries
TECHNOSTRENGTH
Address : Plot # 131,132 & 20/A
Pashamylaram Industrial Park,
Phase-III, Patancheru Mandal-502307,
Sangareddy Dist, Telangana State.
Ph +040 40123071 - 3074

फॉर्मूला-ई रेस मामला: तेलंगाना हाईकोर्ट ने केटीआर की याचिका रद्द करने पर फैसला सुरक्षित रखा

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पूर्व नगर प्रशासन मंत्री और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) द्वारा फॉर्मूला ई-रेस मामले के संबंध में दायर निरस्तीकरण याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। अदालत ने निर्णय सुनाए जाने तक गिरफ्तारी पर रोक भी बढ़ा दी। उच्च न्यायालय ने पहले अधिकारियों को 31 दिसंबर, 2024 तक केटीआर को गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया था, जबकि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को अपनी जांच जारी रखने की अनुमति दी थी। 19 दिसंबर को, एसीबी ने पिछले साल हैदराबाद में फॉर्मूला ई रेस आयोजित करने में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के लिए केटीआर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। केटीआर पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(ए) और 13(2) के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 409 और 120(बी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बहस के दौरान रामा राव की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा कि मामले में धन के दुरुपयोग का कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि धन का निजी उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने का कोई मामला नहीं है और केटीआर को एक भी रुपये का लाभ नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि यहां तक कि जिन धाराओं के तहत 9 दिसंबर को एसीबी ने मामला दर्ज किया था, वे भी इस मामले में लागू नहीं थीं। पूर्व मंत्री के वकील ने कहा कि मामला एक साल बाद दर्ज किया गया है। यह मामला राजनीतिक प्रतिशोध के अलावा और कुछ नहीं है। एसीबी ने फॉर्मूला ई रेस मामले में पूर्व नगर प्रशासन मंत्री केटीआर को आर-1पी-1 बनाया है, जबकि तत्कालीन नगर प्रशासन के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार को आरोपी-2 और हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) के पूर्व मुख्य अभियंता बीएलएन रेड्डी को आर-1पी-3 बनाया है। मुख्य सचिव द्वारा एसीबी को औपचारिक पत्र लिखे जाने के बाद जांच एजेंसी ने पहले ही मामला दर्ज कर लिया था। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने पहले केटीआर और अन्य के खिलाफ मुकदमा चलाने की सहमति दे दी थी। आरोपों में एचएमडीए द्वारा राज्य सरकार की मंजूरी के बिना एक निजी फर्म को 54.88 करोड़ रुपये हस्तांतरित करना शामिल है। सरकार का तर्क है कि इस हस्तांतरण में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों का उल्लंघन किया गया है। गौरतलब है कि अरविंद कुमार के तबादले के बाद नगर प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव का पदभार संभालने वाले आईएएस अधिकारी दाना किशोर ने दिसंबर 2024 में एसीबी में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, हैदराबाद में सीजन 9 से 12 के लिए फॉर्मूला ई रेस आयोजित करने के लिए 25 अक्टूबर 2022 को फॉर्मूला ई ऑपरेशंस लिमिटेड (एफईओ), यूके कानूनों के तहत पंजीकृत कंपनी, नगर प्रशासन और शहरी विकास (एमएयूडी) विभाग और ऐस नेक्स्ट जेन प्राइवेट लिमिटेड (प्रायोजक) के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

तेलंगाना मंत्रिमंडल की बैठक 4 जनवरी को

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना मंत्रिमंडल की बैठक 4 जनवरी को डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में होने वाली है। मंत्रिमंडल में कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है, जिसमें रैतु भरोसा योजना का क्रियान्वयन और गरीब परिवारों को प्रति वर्ष 12,000 रुपये की वित्तीय सहायता का वितरण, तथा आरक्षण उद्देश्यों के लिए पिछड़े वर्गों की पहचान के लिए गठित समर्पित आयोग पर विचार-विमर्श शामिल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.